संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
मंगलवार
3 फरवरी, 2026
वर्ष:24 अंक: 221
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

पशु-पक्षियों के संरक्षण में जनभागीदारी जरूरी-राव नरबीर सिंह

पेज-8

मोटी-मोटी बातें

कैबिनेट मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां द्वारा विभिन्न यूनियनों के साथ बैठक, जायज़ मांगों को पूरा करने का भरोसा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के राजस्व एवं आवास निर्माण व शहरी विकास मंत्री श्री हरदीप सिंह मुंडियां ने आज विभिन्न यूनियनों के साथ मैराथन बैठकें कीं।

पंजाब भवन में आयोजित इन बैठकों में रेवेन्यू पटवार यूनियन, कानूनगो यूनियन, साझा मुलाज़म मंच पुड्डा और ऑल इंडिया अतिवाद पीड़ित एसोसिएशन के प्रतिनिधियों से विभिन्न मीटिंगों के दौरान कैबिनेट मंत्री ने भरोसा दिलाया कि उनकी हर जायज़ मांग को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा।

श्री हरदीप सिंह मुंडियां ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। राजस्व मंत्री ने विभिन्न एसोसिएशनों और यूनियनों द्वारा रखी गई मांगों को ध्यान से सुना।

उन्होंने बताया कि जो मांगें विभागीय स्तर पर हल हो सकती हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर जल्द निपटाया जाएगा। वहीं जो मांगें मुख्यमंत्री या वित्त विभाग के स्तर पर हल होनी हैं, उन्हे पूरा करने के लिए जल्द ही मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री के साथ बैठक की जाएगी।

राजस्व मंत्री ने पटवारी और कानूनगो एसोसिएशन के प्रतिनिधियों से कहा कि अपनी ड्यूटी निभाते हुए अच्छा प्रदर्शन करने वाले पटवारियों और कानूनगोओं को सरकार द्वारा सम्मानित और प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने सभी कर्मचारियों से अपील की कि वे अपना काम पूरी लगन, ईमानदारी और ज़िम्मेदारी से करें।

इसके अलावा साझा मुलाज़म मंच, पुड्डा मोहाली के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि इन कर्मचारियों को पेंशन स्कीम का लाभ देने के मामले को जल्द ही मुख्यमंत्री के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा।

एअर इंडिया के पायलट ने ड्रीमलाइनर के ईंधन नियंत्रण स्विच में संभावित खराबी की दी सूचना, उड़ान रोकी

नई दिल्ली- एअर इंडिया के एक पायलट ने सोमवार को बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर के ईंधन नियंत्रण 'स्विच' में संभावित खराबी की सूचना दी। इसकी जानकारी नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) को दे दी गई है। सूत्रों के अनुसार, लंदन से बेंगलुरु आ रहा विमान (उड़ान संख्या एआई132) सोमवार सुबह बेंगलुरु में उतरा। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि वह इस बात से अवगत है कि उसके एक पायलट ने बोइंग 787-8 विमान के ईंधन नियंत्रण स्विच में संभावित खराबी की सूचना दी।

यह प्रारंभिक जानकारी मिलने के बाद, हमने उक्त विमान को उड़ान भरने से रोक दिया है और पायलट की चिंताओं की प्राथमिकता के आधार पर जांच कराने के लिए निर्माता कंपनी से संपर्क कर रहे हैं। मामले की जानकारी डीजीसीए को दे दी गई है और एअर इंडिया ने डीजीसीए के निर्देश पर अपने बेड़े के सभी बोइंग 787 विमानों के ईंधन नियंत्रण 'स्विच' की जांच की।

हालांकि उसमें कोई समस्या नहीं पाई गई। यह घटना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पिछले साल जून में हुई एअर इंडिया ड्रीमलाइनर दुर्घटना के बाद से ही इसके ईंधन नियंत्रण 'स्विच' की कार्यप्रणाली को लेकर कई सवाल उठ रहे थे।

देश के सबसे बड़े विमान हादसों में से एक दुर्घटना 12 जून 2025 को हुई थी जब अहमदाबाद से लंदन जा रहा एअर इंडिया का विमान (एआई171) उड़ान भरते ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें 260 लोगों की मौत हो गई थी।

पूर्व मंत्री व अकाली नेता बिक्रम सिंह मजीठिया को आय से अधिक संपत्ति मामले में SC से मिली जमानत

नयी दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को शिरोमणि अकाली दल (SAD) के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया को आय से अधिक संपत्ति (Disproportionate Assets) मामले में जमानत दे दी। शीर्ष अदालत ने पंजाब सरकार से सवाल करते हुए कहा, "आप उन्हें जेल में क्यों बनाए रखना चाहते हैं?"

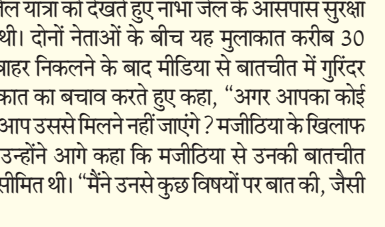

सात महीने से जेल में हैं मजीठिया

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने इस बात पर गौर किया कि मजीठिया पिछले सात महीनों से जेल में बंद हैं और मामले में चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। पीठ ने कहा कि मजीठिया को पहले 2022 में एनडीपीएस (NDPS) मामले में जमानत मिल चुकी है, जिसे चुनौती देने वाली पंजाब सरकार की याचिका को भी सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया था।

कोर्ट का अहम अवलोकन

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, "मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए, विशेष रूप से यह कि याचिकाकर्ता 2007 से 2017 की जांच अवधि से जुड़े मामले में पहले ही सात महीने जेल में रह चुका है, पुलिस रिपोर्ट दाखिल हो चुकी है और एनडीपीएस मामले में उसे पहले जमानत मिल चुकी है, हम उसे जमानत देने के पक्ष में हैं।" हालांकि अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि ट्रायल कोर्ट चाहे तो जमानत देते समय कड़ी शर्तें लगा सकता है।

जेल में बिक्रम मजीठिया से मिले डेरा ब्यास प्रमुख गुरिंदर सिंह ढिल्लों, कहा उनके खिलाफ सभी आरोप झूठे

पटियाला: डेरा ब्यास (राधा स्वामी सत्संग) के प्रमुख गुरिंदर सिंह ढिल्लों ने सोमवार को शिरोमणि अकाली दल (SAD) के वरिष्ठ नेता और पूर्व पंजाब मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया से नाभा जेल में मुलाकात की। यह नाभा जेल में दोनों की दूसरी मुलाकात है। इस मुलाकात के बाद राजनीतिक और धार्मिक हलकों में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है।

गौरतलब है कि यह मुलाकात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे के एक दिन बाद हुई है, जबकि इससे पहले पिछले सप्ताह SAD अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल भी मजीठिया से जेल में मिल चुके हैं।

गुरिंदर सिंह ढिल्लों की जेल यात्रा को देखते हुए नाभा जेल के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी। दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात करीब 30 मिनट तक चली। जेल से बाहर निकलने के बाद मीडिया से बातचीत में गुरिंदर सिंह ढिल्लों ने अपनी मुलाकात का बचाव करते हुए कहा, "अगर आपका कोई रिश्तेदार जेल में हो, तो क्या आप उससे मिलने नहीं जाएंगे? मजीठिया के खिलाफ दर्ज सभी मामले झूठे हैं।" उन्होंने आगे कहा कि मजीठिया से उनकी बातचीत सामान्य मित्रवत चर्चा तक सीमित थी। "मैंने उनसे कुछ विषयों पर बात की, जैसी दोस्त आपस में करते हैं।

देश की एकता और संप्रभुता के लिए बलिदान देने में हमेशा अग्रणी रहा है पंजाब: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

पंजाब ने देश को बहादुर सिपाही और जांबाज फौजी अधिकारी दिए - मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। नेशनल डिफेंस कॉलेज, नई दिल्ली के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने देश की एकता और संप्रभुता में राज्य के अद्वितीय योगदान, बहादुरी, भाईचारे की मजबूत भावना, शानदार विरासत और भारत के खड़गभुजा एवं अन्नदाता के रूप में पंजाब के अमूल्य योगदान का जिक्र किया।

आज यहां नेशनल डिफेंस कॉलेज के प्रतिनिधिमंडल से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, "पंजाब ने भारतीय सशस्त्र बलों को जांबाज फौजी अधिकारी और बहादुर जवान दिए हैं, जिन्होंने हमेशा मोर्चे पर रहकर देश के लिए शहादतें दी हैं।" उन्होंने कहा, "यह जानकर खुशी हुई कि नेशनल डिफेंस कॉलेज, नई दिल्ली द्वारा 2 से 6 फरवरी तक पंजाब का दौरा किया जा रहा है।"

राज्य में पहुंचने पर प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, "यह सामाजिक-राजनीतिक अध्ययन दौरा पंजाब के सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और अन्य क्षेत्रों को समझने और सीखने का एक अनूठा प्रयास है।"

राज्य की पवित्र और उपजाऊ धरती पर प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, "राज्य सरकार आपकी मेजबानी करके गर्व महसूस कर रही है।" उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि पंजाब महान गुरुओं, पीरों, संतों, पैगंबरों और शहीदों की धरती है और इसे योद्धाओं तथा मेहनतकश लोगों की भूमि के रूप में जाना जाता है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, "राज्य के नौजवान सीमाओं की रक्षा करते हैं और हमारे किसान देश का पेट भरते हैं, इसी कारण पंजाब को 'भारत का अन्नदाता और खड़गभुजा' के रूप में सम्मान प्राप्त है।"

मुख्यमंत्री ने कहा, "पंजाब के किसान देश के अनाज उत्पादन में सबसे अधिक योगदान देते हैं और राष्ट्रीय पूल में 40 प्रतिशत अनाज इसी राज्य द्वारा उपलब्ध कराया जाता है।" उन्होंने आगे कहा, "पंजाब के बहादुर सैनिकों ने देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए अपनी जानें कुर्बान की हैं और यह अटल एवं स्पष्ट सत्य है कि देश के स्वतंत्रता संग्राम में पंजाबियों ने सबसे अधिक बलिदान दिए हैं।"

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, "पंजाब एक शांतिपूर्ण राज्य है जहां शांति, प्रेम और भाईचारे की भावना इतनी मजबूत है कि यहां नफरत के बीज नहीं पनप सकते।"

मुख्यमंत्री ने कहा, "सीमावर्ती राज्य होने के बावजूद, पंजाब कभी भी सांप्रदायिकता में बंटा नहीं। इसके बजाय कठिन घड़ी में पंजाबियों ने दुनिया के सामने भाईचारे और सद्भावना की शानदार मिसालें पेश की हैं।" उन्होंने आगे कहा, "पवित्र शहर अमृतसर को सरब-सांझीवालता का प्रतीक माना जाता है और गुरुओं द्वारा बसायी यह धरती श्री हरिमंदिर साहिब, दुर्गियाना मंदिर, भगवान वाल्मीकि तीर्थ स्थल, जल्लियांवाला बाग और अन्य पवित्र स्थानों का घर है।" उन्होंने कहा, "पंजाब एक विरोधी देश के साथ 532 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करता है, फिर भी यह धर्मनिरपेक्षता, शांति और सद्भावना का पुंज बना हुआ है।" मुख्यमंत्री ने कहा, "भारत के सामाजिक-राजनीतिक और आर्थिक पहलुओं का अध्ययन करने के लिए पंजाब में एक सप्ताह का दौरा शुरू किया गया है।" उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य राज्यों का दौरा करके उनके सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और धार्मिक पहलुओं को गहराई से जानने का अवसर प्रदान करना है।

राहुल गांधी के बयान पर लोक सभा में हंगामा, कार्यवाही तीन बार की गयी स्थगित

नयी दिल्ली- लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सोमवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी के चीन के संबंध में बयान को लेकर भारी हंगामा हुआ जिसके कारण सदन की कार्यवाही तीन बार स्थगित करनी पड़ी। पहले दो बार के स्थगन के बाद कार्यवाही तीसरी बार दिन भर के लिए स्थगित कर दी गयी।

श्री गांधी ने चर्चा के दौरान एक पूर्व सेना प्रमुख की एक अप्रकाशित पुस्तक के हवाले से भारत चीन सीमा पर स्थिति के संदर्भ में कुछ कहने का प्रयास किया। इस पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि किसी मैगजीन के हवाले से सदन में कोई बात कहना नियमों के विरुद्ध है। उन्होंने कहा कि किसी अप्रकाशित पुस्तक का हवाला देकर विपक्ष के नेता सदन को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं।

इस पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच नोकझोंक होने लगी। इस बीच, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन के नियमों का हवाला देते हुए व्यवस्था दी कि सदन में किसी अखबार की क्लिपिंग, पत्रिका या किसी पुस्तक में प्रकाशित बातों के आधार पर कोई सदस्य अपनी बात नहीं रख सकता।

इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह तथा संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने भी श्री सिंह की आपत्ति का समर्थन किया और कहा कि विपक्ष के नेता को किसी पत्रिका के आधार पर अपनी बात सदन में रखने का अधिकार नहीं है। इस बीच, दोनों पक्ष के सदस्यों ने नियमों का हवाला दिया, जिस पर श्री बिरला ने कहा कि वह जो व्यवस्था दे रहे हैं, वह नियमों के आधार पर है और सभी सदस्यों को उसका पालन करना चाहिए।

श्री शाह ने कहा कि रक्षा मंत्री सिर्फ इतना ही पूछ रहे हैं कि जिस पुस्तक को उद्धृत किया जा रहा है, वह छपी ही नहीं है, तो वह कहां से उल्लेख कर रहे हैं। उनका कहना था कि खुद विपक्ष के नेता कह रहे हैं कि किताब प्रकाशित नहीं हुई है। श्री शाह ने कहा कि विपक्ष के नेता को बोलने का अधिकार है लेकिन जब अध्यक्ष ने व्यवस्था दी है तो उसका पालन किया जाना चाहिए, विपक्ष के नेता किसी अन्य की लिखी बातों को नहीं बोल सकते। वह नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं।

अंडरवियर में तस्वीर, 68 लाख के भुगतान पर सवाल, पूर्व ब्रिटिश राजदूत ने लेबर पार्टी छोड़ी

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। अमेरिका में ब्रिटेन के पूर्व राजदूत लॉर्ड पीटर मैंडेलसन ने दिवंगत यौन अपराधी जेफरी एप्सटीन से जुड़े नए खुलासों के बाद लेबर पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि वह पार्टी को "और अधिक शर्मिंदगी" से बचाने के लिए यह कदम उठा रहे हैं। यह जानकारी समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने दी है।

अमेरिकी न्याय विभाग (US Department of Justice) द्वारा हाल ही में जारी दस्तावेजों में दावा किया गया है कि जेफरी एप्सटीन ने वर्ष 2003 और 2004 के बीच मैंडेलसन से जुड़े खातों में तीन किस्तों में कुल 75,000 डॉलर (करीब 68.7 लाख) भेजे थे। इन भुगतानों का उद्देश्य और स्रोत फिलहाल जांच के दायरे में हैं, लेकिन इससे विवाद और गहरा गया है।

एप्सटीन फाइल्स में अंडरवियर वाली तस्वीर

नए जारी किए गए एप्सटीन फाइल्स में एक तस्वीर भी शामिल बताई जा रही है, जिसमें कथित तौर पर पीटर मैंडेलसन अंडरवियर में नजर आ रहे हैं। तस्वीर में उनके साथ एक महिला खड़ी दिखाई देती है, हालांकि महिला का चेहरा धुंधला (रेडैक्टेड) किया गया है।

72 वर्षीय मैंडेलसन ने BBC से कहा, "मैं न तो उस जगह को पहचान पा रहा हूं और न ही उस महिला को। मुझे यह भी याद नहीं कि यह तस्वीर किन परिस्थितियों में ली गई थी।"

लेबर पार्टी को भेजे अपने इस्तीफे के पत्र में मैंडेलसन ने लिखा, "इस सप्ताहांत मुझे एक बार फिर जेफरी एप्सटीन से जुड़े विवादों से जोड़ा गया है। इस पूरे मामले को लेकर मुझे अफसोस और दुख है।" उन्होंने दावा किया कि वित्तीय भुगतान से जुड़े आरोप गलत हैं और वह इसकी जांच करेंगे, लेकिन साथ ही कहा कि वह पार्टी के लिए और असहज स्थिति पैदा नहीं करना चाहते। पत्र में आगे लिखा गया, "मैं लेबर पार्टी को और अधिक शर्मिंदगी में नहीं डालना चाहता, इसलिए पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं।"

CEC के साथ बैठक बीच में छोड़कर चली गईं ममता, अपमानित किए जाने का लगाया आरोप

नयी दिल्ली: पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एसआईआर मुद्दे पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के साथ सोमवार को बैठक बीच में ही छोड़कर बाहर निकल गईं। बनर्जी ने निर्वाचन आयोग के अधिकारियों पर ''अहंकारी'' होने और उनके प्रतिनिधिमंडल को 'अपमानित' करने का आरोप लगाया। पार्टी के अनुसार कि विरोध' के प्रतीक के रूप में काले शॉल ओढ़े हुए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी और सांसद कल्याण बनर्जी के साथ-साथ पश्चिम बंगाल के 'एसआईआर प्रभावित परिवारों' के 12 सदस्यों के साथ यहां मुख्य निर्वाचन आयुक्त कुमार और अन्य निर्वाचन आयुक्तों से मुलाकात की।

बनर्जी ने बाद में कहा कि उन्होंने विरोध में बैठक का 'बहिष्कार' किया, जबकि निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने दावा किया कि वह अपने द्वारा उठाए गए मुद्दों पर निर्वाचन आयोग के शीर्ष अधिकारियों की प्रतिक्रिया सुने बिना ही गुस्से में बैठक से चली गईं। बनर्जी चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को रोकने की मांग कर रही हैं। अधिकारियों के अनुसार, सीईसी ने तृणमूल कांग्रेस के नेताओं से कहा कि 'कानून का शासन सर्वोपरि रहेगा' और कानून को अपने हाथ में लेने वालों के खिलाफ कानून के प्रावधानों और निर्वाचन आयोग की शक्तियों के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

निर्वाचन आयोग के मुख्यालय से बाहर आने के बाद मीडिया से बात करते हुए, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने आयोग के खिलाफ एक बार फिर तीखा हमला बोलते हुए उस पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 'दलाल' के रूप में काम करने का आरोप लगाया। बनर्जी ने आरोप लगाया कि इतने सारे लोग मारे गए, इसके लिए कौन जिम्मेदार है? निर्वाचन आयोग जिम्मेदार है। वे भाजपा के इशारे पर काम कर रहे हैं। हमारे साथ बहुत बुरा बर्ताव किया। मैंने कहा कि हमें अफसोस है, हम न्याय के लिए यहां आए थे; हमें न्याय नहीं मिला, और आप झूठ बोल रहे हैं। वह बहुत बड़ा झूठा है...। उन्होंने आरोप लगाया कि हमने कहा कि हम जमीनी स्तर पर इसका मुकाबला करेंगे। आपके पास भाजपा की ताकत है, हमारे पास जनता की ताकत है। हमने बैठक का बहिष्कार किया और बाहर आ गए। उन्होंने हमारा अपमान किया, हमें बेइज्जत किया... मैंने इस तरह का निर्वाचन आयोग पहले कभी नहीं देखा; वे बहुत अहंकारी हैं... वे ऐसे बात करते हैं जैसे वे जमींदार हों और हम नौकर हों। हालांकि, निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने कहा कि टीएमसी नेताओं की बात धैर्यपूर्वक सुनी गई। अधिकारियों ने बताया कि पहले टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने अपनी बात रखी, इसके बाद ममता बनर्जी ने बात की। उन्होंने कहा कि टीएमसी नेताओं द्वारा उठाए गए सभी बिंदुओं को सीईसी कुमार और निर्वाचन आयुक्त एस. एस. संधू तथा विवेक जोशी ने नोट किया। एक अधिकारी ने कहा कि जब सीईसी ने जवाब देना शुरू किया, तो टीएमसी नेताओं ने कई बार बीच में हस्तक्षेप किया। ममता बनर्जी नाराज थीं और गुस्से में बैठक छोड़कर चली गईं। सीईसी ने स्पष्ट किया कि 'कानून का शासन कायम रहेगा और कानून अपने हाथ में लेने वालों के खिलाफ आयोग की शक्तियों व कानूनी प्रावधानों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पंडित जसराज भारतीय शास्त्रीय संगीत के 'स्वर-सूर्य': मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

पंडित जसराज जी की 96वीं जयंती पर गांव पीली मंदौरी में राज्य स्तरीय समारोह आयोजित

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंडित जसराज जी भारतीय शास्त्रीय संगीत के ऐसे 'स्वर-सूर्य' थे, जिनकी आभा ने न केवल देश बल्कि पूरे विश्व को आलोकित किया। उन्होंने कहा कि आज का दिन भारतीय शास्त्रीय संगीत के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में सदैव स्मरणीय रहेगा।

मुख्यमंत्री सोमवार को पद्म विभूषण, पद्मश्री एवं संगीत मार्तण्ड पंडित जसराज जी की 96वीं जयंती के अवसर पर जिला फतेहाबाद के गांव पीली मंदौरी में संत-महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रसार योजना के तहत आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर पंडित जसराज जी की प्रतिमा का अनावरण किया तथा शहीद स्मारक पर देश के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस समारोह में आने से पहले आज सुबह उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी से हुई है और उन्हें इस कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने हरियाणा वासियों को राम-राम भेजी है और पंडित जसराज जी को श्रद्धांजलि दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वे इस पावन मंच से पंडित जसराज जी जैसी महान विभूति को नमन करते हैं और उस पुण्य भूमि तथा उस पावन कोख को भी प्रणाम करते हैं, जिसने संसार को ऐसा अनमोल रत्न प्रदान किया। उन्होंने कहा कि यह सौभाग्य का विषय है कि पंडित जसराज जी की जयंती के साथ-साथ आज पंडित जसराज कल्चरल फाउंडेशन की चौथी वर्षगांठ भी मनाई जा रही है। इस फाउंडेशन की नींव वर्ष 2022 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रखी गई थी। यह संस्था पंडित जसराज जी की शास्त्रीय संगीत विरासत को संरक्षित कर नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रशंसनीय कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने मधुरा जसराज, दुर्गा जसराज तथा फाउंडेशन के सभी पदाधिकारियों के समर्पण की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित जसराज जी केवल एक महान कलाकार नहीं थे, बल्कि स्वयं में एक जीवंत संस्था थे। वर्ष 1930 में इसी गांव पीली मंदौरी के एक प्रतिष्ठित संगीत परिवार में जन्मे पंडित जसराज जी ने अल्पायु में ही पिता का साया खो दिया, किंतु विपरीत परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपनी साधना को कभी कमजोर नहीं पड़ने दिया। अपने बड़े भाई पंडित मणिराम जी के सानिध्य में उन्होंने कठोर तपस्या की, जो आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित जसराज जी ने गांव पीली मंदौरी की मिट्टी की सुगंध को अपनी साधना और स्वर-तपस्या के माध्यम से सात समंदर पार तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि पंडित जसराज जी की साधना का ही परिणाम था कि हरियाणा के खेत-खलिहानों में जन्मे सुर अंटार्कटिका की बर्फीली ठंड तक भारतीय संगीत की ऊष्मा पहुंचाने में सफल रहे। वे सातों महाद्वीपों में अपनी गायकी का परचम लहराने वाले पहले भारतीय कलाकार बने, जो पूरे देश के लिए गर्व का विषय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मां सरस्वती पंडित जसराज जी के कंठ में विराजमान थीं। कठिन परिश्रम, अनुशासन और आजीवन साधना के बल पर उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन भारतीय शास्त्रीय संगीत को समर्पित कर दिया।

हरियाणा की मिट्टी से उपजी अमर संगीत परंपरा

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा की धरती स्वयं संगीत से ओत-प्रोत है। यहां किसान के पसीने, लोक मेलों की रौनक और युवाओं के कदमों में स्वाभाविक लय देखने को मिलती है। फाग, धमाल और राग-रागनियों की समृद्ध परंपरा आज भी जीवंत है। उन्होंने कहा कि पंडित जसराज जी जैसे तपस्वी कलाकारों के प्रभाव से ही प्रदेश में आसावरी, धनासरी, बिलावल और भैरवी जैसे रागों के नाम पर गांवों के नामकरण हुए हैं।

संस्कृति संरक्षण के लिए सरकार प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी समाज अपनी संस्कृति को भुलाकर प्रगति नहीं कर सकता। इसी सोच के साथ राज्य सरकार द्वारा पंडित लखमी चंद जी की स्मृति में विश्वविद्यालय की स्थापना, कुरुक्षेत्र में मल्टी आर्ट कल्चरल सेंटर स्थापित किए गए हैं। प्रत्येक वर्ष अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि पंडित जसराज जी की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए सरकार द्वारा अनेक कार्य किए गए हैं। 28 जनवरी, 2023 को की गई घोषणाओं के अनुरूप गांव पीली मंदौरी में उनके नाम पर दो भव्य प्रवेश द्वार, पार्क एवं व्यायामशाला का निर्माण किया गया है। उनके पिता स्वर्गीय श्री मोती राम जी के नाम पर पुस्तकालय का निर्माण अंतिम चरण में है तथा गांव के तालाबों के सौंदर्यीकरण का कार्य भी प्रगति पर है।

नवोदित कलाकारों को मिल रहा है प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में आज कला, संस्कृति और साहित्य सृजन के लिए अनुकूल वातावरण है। कलाकारों को प्रोत्साहन देने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। रोहतक स्थित पंडित लखमी चंद राजकीय प्रदर्शन एवं दृश्य कला विश्वविद्यालय तथा कुरुक्षेत्र के मल्टी आर्ट कल्चरल सेंटर में नवोदित कलाकारों को निःशुल्क प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा की पहचान उसकी गौरवशाली सांस्कृतिक परंपरा और साम्प्रदायिक सद्भाव है।

2026-27 सत्र हेतु निजी विद्यालयों की मान्यता प्रक्रिया शुरू

धर्मशाला। उप निदेशक प्रारंभिक शिक्षा ने आज यहां जानकारी देते हुए बताया कि निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम-2011 के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश में निहित प्रावधानों के अनुसार जिला कांगड़ा के सभी निजी विद्यालयों के प्रबंधकों एवं विद्यालय मुखियाओं से शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए मान्यता एवं मान्यता नवीनीकरण हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।उन्होंने बताया कि आवेदन पूर्णतः ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे तथा किसी भी प्रकार का ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। मान्यता के नवीनीकरण हेतु संबंधित विद्यालय को वेबसाइट www.emargshimachal.in पर लॉग-इन करना होगा। पहली से पांचवीं कक्षा तक संचालित विद्यालयों को अपने आवेदन निर्धारित शुल्क सहित संबंधित बीईईओ को ऑनलाइन भेजने होंगे, जबकि प्राइमरी से आठवीं तथा छठी से आठवीं तक की कक्षाएं संचालित करने वाले विद्यालयों को अपने आवेदन निर्धारित शुल्क सहित डीडीईई, कांगड़ा को ऑनलाइन भेजने होंगे। आवेदन करने की अंतिम तिथि 10 मार्च 2026 निर्धारित की गई है। इसके उपरांत ऑनलाइन प्राप्त आवेदनों की जांच की जाएगी। यदि किसी आवेदन में त्रुटियां पाई जाती हैं तो उसे ऑनलाइन माध्यम से ही विद्यालय को वापस भेज दिया जाएगा। संबंधित विद्यालय त्रुटियों के निवारण के पश्चात आवेदन को पुनः ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकता है। सभी सही पाए गए आवेदनों के लिए मान्यता पत्र एवं मान्यता नवीनीकरण पत्र ऑनलाइन माध्यम से ही जारी किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सत्र 2026-27 में केवल वही विद्यालय विद्यार्थियों को प्रवेश दे सकेंगे, जिनके पास विभाग द्वारा जारी मान्यता प्रमाण पत्र उपलब्ध होंगे। बिना मान्यता अथवा मान्यता नवीनीकरण पत्र के संचालित विद्यालयों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

313 पदों के लिए 06 फरवरी को कैंपस इंटरव्यू

सोलन। ज़िला रोज़गार अधिकारी कार्यालय सोलन द्वारा प्रदत्त संशोधित जानकारी के अनुसार 06 फरवरी, 2026 को अब 313 पदों की भर्ती के लिए कैंपस इंटरव्यू आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी ज़िला रोज़गार अधिकारी सोलन जगदीश कुमार ने दी। जगदीश कुमार ने कहा कि मैसर्ज़ वीनस रेमेडिज लिमिटेड बद्दी द्वारा पेंटर, हेल्पर व एग्ज़ीक्यूटिव ऑफिसर के 25 पद, मैसर्ज़ विंसम टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज बद्दी में हेल्पर, डोफर, वाइंडर, फीटर, इलेक्ट्रीशियन के 115 पद, मैसर्ज़ ईस्टमैन ऑटो एंड पावर लिमिटिड नालागढ़ में आई.टी.आई. व नॉन आई.टी.आई. के 150 पद, मैसर्ज़ क्लब महिंद्रा कण्डाघाट में रूम अटेंडेंट, हाउसकीपिंग व सुपरवाइजर के 07 पद, ऑपरेटिव इंजीनियर ट्रैनी के 05 पद तथा जीवन आयुर्वेदा धर्मपुर में बी.ए.एम.एस. चिकित्सक व एग्ज़ीक्यूटिव के 11 पदों पर भर्ती के लिए कैंपस इंटरव्यू आयोजित होंगे।उन्होंने कहा कि उक्त पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता 10वीं, 12वीं, ग्रेजुएट, फिटर, इलेक्ट्रीशियन, एच.एम., आई.टी.आई. (सभी ट्रेड), बी.फार्मा, बी.ए.एम.एस. व आयु 20 से 38 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। ज़िला रोज़गार अधिकारी ने कहा कि इन पदों की विस्तृत जानकारी आवेदक विभागीय पोर्टल ई.ई.एम.आई.एस. में प्राप्त कर सकते हैं। सभी योग्य एवं इच्छुक आवेदक विभागीय पोर्टल ई.ई.एम.आई.एस. पर कैंडिडेट लॉगइन टैब के माध्यम से पंजीकृत करने के उपरांत अपनी रेजिस्ट्रेशन प्रोफाइल पर अधिसूचित रिक्तियों के लिए शैक्षणिक योग्यता के आधार पर आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आवेदन से पूर्व प्रत्येक आवेदक का नाम रोज़गार कार्यालय में पंजीकृत होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि इच्छुक उम्मीदवार अपनी योग्यता सम्बन्धी सभी अनिवार्य प्रमाण पत्र व दस्तावेज सहित ज़िला रोज़गार कार्यालय सोलन में 06 फरवरी, 2026 को प्रातः 10.30 बजे पहुंचकर कैंपस इंटरव्यू में भाग ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि कैंपस इंटरव्यू में भाग लेने के लिए कोई यात्रा भत्ता देय नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अधिक जानकारी के ज़िला रोज़गार कार्यालय सोलन में सम्पर्क किया जा सकता है।

वन विभाग 2030 तक वन क्षेत्र को 31 प्रतिशत करने के लिए तैयार करें रोडमैप: मुख्यमंत्री

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने वन विभाग को वर्ष 2030 तक हिमाचल प्रदेश में वन क्षेत्र को विस्तार प्रदान कर 31 प्रतिशत तक करने के लिए एक व्यापक कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने आज यहां वन विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि वर्तमान में राज्य का वन क्षेत्र 29.5 प्रतिशत है, जिसे योजनाबद्ध और सतत तरीके से बढ़ाने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग एक वैश्विक समस्या बनकर उभरी है और इसके प्रतिकूल प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। इसके दृष्टिगत वर्तमान राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान कर रही है। हिमाचल प्रदेश में लगभग 16,376 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र हिमाच्छादित, बंजर या पर्वतीय क्षेत्र है, जहां पौधारोपण संभव नहीं है, इसलिए वन विभाग को प्रत्येक जिले में पौधारोपण के लिए उपयुक्त संभावित क्षेत्रों की पहचान करनी चाहिए और उसके अनुसार चरणबद्ध पौधारोपण योजना तैयार करनी चाहिए। उन्होंने देशी प्रजातियों, फलदार पौधों और औषधीय महत्व वाले पौधों के रोपण पर भी बल दिया।

श्री सुक्खू ने कहा कि विभाग को केवल नए जंगलों के विस्तार पर ही नहीं बल्कि मौजूदा वनों की सुरक्षा पर भी ध्यान देना चाहिए, साथ ही वन संरक्षण की दिशा में स्थानीय लोगों और समुदायों की सक्रिय भागीदारी को भी सुनिश्चित करना चाहिए। राज्य सरकार ने प्रदेश में सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से पौधरोपण और संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'राजीव गांधी वन संवर्धन योजना' शुरू की है। इस योजना के तहत पिछले वर्ष 924.9 हेक्टेयर क्षेत्र में पौधारोपण किया गया। इस पहल में कुल 285 महिला मंडल, 70 युवक मंडल, 59 स्वयं सहायता समूह और 13 समुदाय आधारित संगठनों ने सक्रिय योगदान दिया। योजना के अंतर्गत सरकार इन समूहों को दो हेक्टेयर क्षेत्र में पौधारोपण के लिए 2.40 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है, साथ ही पौधों की सर्ववाइवल दर के आधार पर वार्षिक प्रोत्साहन राशि भी दी जा रही है। ग्रामीण स्तर पर इस योजना को लक्षित समूहों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजीव गांधी वन संवर्धन योजना के तहत आगामी वित्तीय वर्ष में 5,000 हेक्टेयर क्षेत्र में पौधारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इनमें से 3,376 हेक्टेयर क्षेत्र की पहचान कर ली गई है, जबकि शेष 1,624 हेक्टेयर क्षेत्र की पहचान की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने वन विभाग द्वारा संचालित अन्य योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव के.के. पंत, पीसीसीएफ (हॉफ) संजय सूद तथा वन विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

फायर एनओसी के नाम पर नहीं रुकेगा होटल का नवीनीकरण

- **सीएम ने विभाग को दिए प्रोविजनल पंजीकरण करने के निर्देश**
- **मुख्यमंत्री ने होम-स्टे पंजीकरण की वेबसाइट का किया शुभारंभ**

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज यहां होम-स्टे पोर्टल http://homestay.hp.gov.in का शुभारम्भ किया। इस पोर्टल के माध्यम से अब घर बैठे ही होम-स्टे का पंजीकरण किया जा सकेगा। पोर्टल पर पंजीकरण की प्रक्रिया को अत्यन्त सरल एवं उपयोगकर्ता अनुकूल बनाया गया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार होम-स्टे संचालकों और होटल मालिकों को अधिक से अधिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है, ताकि उनके व्यवसाय पर किसी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। उन्होंने कहा कि ऑब्जेक्शन के नाम पर होटल कारोबारियों को परेशान नहीं किया जाना चाहिए। हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री को प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए एक अहम कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि फायर अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) के कारण होम-स्टे के पंजीकरण के रिन्यूअल को रोका नहीं जाना चाहिए। उन्होंने पर्यटन विभाग को ऐसे होटलों को प्रोविजनल पंजीकरण प्रदान करने को कहा, ताकि उनका व्यवसाय सुचारू रूप से संचालित होता रहे।

ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश में पर्यटन की अपार संभावनाओं के दृष्टिगत 'पर्यटन से स्वरोजगार' अर्जित करने के लिए होम-स्टे योजना आरम्भ की गई है। उन्होंने कहा कि होम-स्टे योजना का उद्देश्य ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देना तथा पर्यटकों को अनछुए पर्यटन स्थलों की ओर आकर्षित करना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के राजस्व में भी पर्यटन क्षेत्र का अधिक योगदान है इसलिए वर्तमान सरकार ने इस योजना का दायरा बढ़ा कर इसमें शहरी क्षेत्रों को भी शामिल किया है ताकि स्थानीय लोगों को स्वरोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि योजना के अंतर्गत अधिकतम छह कमरे की सुविधा का होम-स्टे पंजीकृत किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि होम-स्टे संचालन से पर्यटकों को बेहतरीन सुविधाएं मिलने के साथ-साथ मकान मालिकों को घर पर ही अच्छी कमाई प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि स्थानीय व्यंजनों को पर्यटकों को परोसने से होम-स्टे मालिकों की कमाई और भी बढ़ेगी क्योंकि पर्यटक स्थानीय व्यंजनों को काफी पंसद करते हैं तथा उन्हें घर जैसा अनुभव होता है। उन्होंने कहा कि गांव में बने पुरातन शैली के घर पर्यटकों खासकर विदेशी पर्यटकों को काफी आकर्षित करते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने होम-स्टे योजना के तहत ब्याज अनुदान योजना शुरू की है ताकि अधिक से अधिक लोग इस योजना का लाभ उठाकर अपनी आय के साधन भी बढ़ा सकें। इस योजना में होम-स्टे संचालन के लिए शहरी, ग्रामीण व जनजातीय क्षेत्र में ब्याज अनुदान राशि क्रमशः 3, 4 व 5 प्रतिशत दी जा रही है। उन्होंने कहा कि यह ब्याज अनुदान, टर्म लोन पर पर्यटन इकाई बनाने अथवा विस्तार करने या अपग्रेड करने के लिए प्रदान किया जाता है। बैठक में हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष आर.एस.बाली वर्चुअल माध्यम से जबकि मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार मीडिया नरेश चौहान, प्रधान सचिव देवेश कुमार तथा निदेशक पर्यटन विभाग विवेक भाटिया शिमला में उपस्थित थे।

परगोड़ पंचायत के गुब्बर में लगेगा 2 करोड़ का 500 किलोवाट सोलर प्लांट : केवल सिंह पठानिया

हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में सुक्खू सरकार का बड़ा कदम

शाहपुर। शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत परगोड़ पंचायत के गुब्बर गांव में 500 किलोवाट क्षमता का सोलर पावर प्लांट स्थापित किया जाएगा। यह जानकारी शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने सोलर प्लांट हेतु चिह्नित स्थल का निरीक्षण करने के उपरांत दी। केवल सिंह पठानिया ने बताया कि इस सोलर प्लांट के निर्माण पर लगभग 2 करोड़ रुपये की धनराशि व्यय की जाएगी। प्लांट से प्रतिवर्ष करीब 8 लाख यूनिट बिजली का उत्पादन होगा, जिसे प्रदेश सरकार 3.45 रुपये प्रति यूनिट की दर से खरीदेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सुक्खू सरकार हरित ऊर्जा उत्पादन को प्राथमिकता दे रही है। इसी कड़ी में प्रदेश भर में ऐसे कई सोलर प्रोजेक्ट स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे न केवल पर्यावरण संरक्षण को बल मिलेगा बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता भी सुनिश्चित होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि इस परियोजना से क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

प्रदेश सरकार आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद भी हिमाचल के समान विकास के लिए प्रतिबद्ध : संजय अवस्थी

अर्की में 'सरकार गांव के द्वार' कार्यक्रम के तहत सुनी जन समस्याएं

सोलन। अर्की के विधायक संजय अवस्थी ने कहा कि प्रदेश सरकार विषम आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद भी हिमाचल के समान विकास के लिए प्रतिबद्ध है। संजय अवस्थी आज 'सरकार गांव के द्वार' कार्यक्रम के तहत अर्की में जन समस्याएं सुनने के उपरांत उपस्थित जनसमूह के साथ विचार-विमर्श कर रहे थे। संजय अवस्थी ने कहा कि हिमाचल की भौगोलिक परिस्थितियों के दृष्टिगत प्रदेश को केन्द्र से नियमित आर्थिक सहायता मिलना आवश्यक है। किंतु गत दिवस केन्द्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट हिमाचल के जन-जन की अपेक्षाओं पर गहरा आघात है। उन्होंने कहा कि गत तीन वर्षों में नियमित प्राकृतिक आपदाओं, जी.एस.जी. क्षतिपूर्ति समाप्त होने के कारण हुए नुकसान और अब राजस्व घाटा अनुदान को समाप्त कर केन्द्र सरकार ने हिमाचल के हितों पर कुठाराघात किया है। उन्होंने केन्द्रीय बजट को हिमाचल वासियों के लिए पूर्ण रूप से निराशाजनक बताया।

उन्होंने कहा कि विषम परिस्थितियों के बावजूद भी प्रदेश सरकार विकास और जन आर्थिकी को सशक्त करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगी। संजय अवस्थी ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के संवेदनशील नेतृत्व में समाज के हर वर्ग को राहत पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। जहां प्राकृतिक उत्पादों एवं दूध के समर्थन मूल्य निर्धारित किए गए हैं वहीं किसानों-बागवानों की उपज को बेहतर मूल्य दिलवाने के लिए विपणन अधोसंरचना को मज़बूत किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा प्राकृतिक रूप से उगाए गए गेहूं को 60 रुपए, मक्की को 40 रुपए व कच्ची हल्दी को 90 रुपए प्रति किलोग्राम के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा जा रहा है। इससे जहां प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिल रहा है वहीं किसानों की आय में वृद्धि भी हो रही है। संजय अवस्थी ने कहा कि किसानों और पशुपालकों की आर्थिकी को सुदृढ़ करने के लिए प्रदेश सरकार ने गाय व भैंस के दूध के न्यूनतम समर्थन मूल्य में आशातीत वृद्धि की है। इस निर्णय से पशुपालकों की आर्थिक स्थित सुदृढ़ हो रही है।

विधायक ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा देश और प्रदेश में ज़रूरमंद व्यक्तियों का सहारा बनी महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गांरटी योजना (मनरेगा) का केन्द्र सरकार द्वारा केवल नाम ही नहीं बदला गया है अपितु उसमें किए गए बदलाव जन विरोधी हैं। प्रदेश सरकार ने मनरेगा के तहत दिहाड़ी को 73 रुपए की वृद्धि के साथ 247 से बढ़ाकर 320 रुपए किया है। उन्होंने लोगों को विश्वास दिलाया कि जनहित के कार्यों के लिए प्रदेश सरकार और वह स्वयं सदैव समर्पित रहेंगे और व्यापक हित के कार्यों को समय पर पूरा करने का सर्वोच्च प्रयत्न किया जा रहा है। ज़िला कांग्रेस सोलन के अध्यक्ष सुभाष चंद बरमानी, कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता सतीश कश्यप, अनुज गुप्ता, रमेश ठाकुर, राजेंद्र रावत, कपिल ठाकुर, कमलेश शर्मा, सुरेंद्र पाठक, धनीराम ठाकुर, कृषि उपज मण्डी विपणन समिति सोलन के निदेशक प्यारे लाल, जोगिन्द्रा केन्द्रीय सहकारी बैंक के निदेशक रोशन वर्मा, बाघल लैंड लूजर समिति के प्रधान जगदीश ठाकुर, खंड चिकित्सा अधिकारी अर्की डॉ. मुक्ता रस्तोगी, जल शक्ति विभाग अर्की के अधिशाषी अभियंता विवेक कटोच, हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड अर्की के अधिशाषी अभियंता संदीप कुमार, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, अन्य गणमान्य व्यक्ति तथा क्षेत्रवासी इस अवसर पर उपस्थित थे।

कांगड़ा में राज्य स्तरीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का उद्घाटन

कांगड़ा। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत मेरा युवा भारत, कांगड़ा द्वारा पाँच दिवसीय अंतर-राज्य युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का आयोजन 02 फरवरी 2026 से 06 फरवरी 2026 तक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण प्रशिक्षण केंद्र छेब, कांगड़ा में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में राजस्थान राज्य के विभिन्न जिलों से आए 35 युवा प्रतिभागी एवं 02 अनुरक्षक भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान इन युवाओं को हिमाचल प्रदेश की रीति-रिवाजों, संस्कृति, परंपराओं एवं स्थानीय खान-पान से परिचित कराया जाएगा। साथ ही प्रतिभागियों को जिला कांगड़ा के प्रमुख पर्यटन एवं ऐतिहासिक स्थलों का शैक्षिक एवं अनुभवात्मक भ्रमण भी करवाया जाएगा।

युवा प्रतिभागियों को कक्षा प्रशिक्षण (क्लासरूम ट्रेनिंग) के माध्यम से साइबर सुरक्षा, वित्तीय साक्षरता, स्वरोजगार एवं कौशल विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विभिन्न विशेषज्ञ अधिकारियों द्वारा जानकारी प्रदान की जाएगी। इसी कड़ी में हिमाचल प्रदेश के विभिन्न जिलों से 37 युवा प्रतिभागी आगामी 09 फरवरी 2026 से राजस्थान राज्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में भाग लेंगे।कार्यक्रम का उद्घाटन आज जिला

लोक संपर्क अधिकारी विनय शर्मा, पीएनबी आरसेटी धर्मशाला के निदेशक मदन लाल तथा आरएचएफडब्ल्यूटीसी, छेब के प्रधानाचार्य राजीव कुमार गर्ग द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। उद्घाटन अवसर पर विनय शर्मा ने राजस्थान से आए युवाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मध्यकाल से ही कांगड़ा और राजस्थान के बीच सौहार्दपूर्ण एवं सांस्कृतिक संबंध रहे हैं, जिन्हें ऐसे कार्यक्रम और अधिक सुदृढ़ बनाते हैं। मदन लाल ने कौशल विकास और रोजगार सृजन पर बल देते हुए युवाओं से नौकरी खोजने वाले के बजाय रोजगार देने वाले उद्यमी बनने का आह्वान किया।

वहीं राजीव कुमार गर्ग ने संस्थान में सभी युवाओं का स्वागत करते हुए कांगड़ा जिले के प्रमुख धार्मिक, ऐतिहासिक स्थलों एवं उनके पौराणिक महत्व पर प्रकाश डाला तथा समाज की वर्तमान चुनौतियों से निपटने के लिए युवाओं के समग्र एवं सकारात्मक दृष्टिकोण को आवश्यक बताया। कार्यक्रम में श्याम नगर की वैष्णवी डोगरा तथा शाहपुर, कांगड़ा के नितिन शर्मा, जिन्होंने हाल ही में आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव में हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया, विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए उप-निदेशक ध्रुव डोगरा ने बताया कि भारत सरकार द्वारा युवाओं में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को सशक्त करने तथा माननीय प्रधानमंत्री के विकसित भारत ड्ड2047 के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु इस प्रकार के कार्यक्रम प्रत्येक वर्ष देश के विभिन्न राज्यों में आयोजित किए जाते हैं। इसी उद्देश्य के तहत यह युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम कांगड़ा में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें विभिन्न राज्यों के युवा आपसी संवाद एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से एक-दूसरे को समझेंगे।

HIMACHAL PRADESH
PUBLIC WORKS DEPARTMENT

E-Procurement Notice
INVITATION FOR BIDS (IFB)

The Executive Engineer HPPWD Kasauli Distt solan HP on behalf of Governor of HP invites the Online bids on Percentage rte in electronic tendering system, in 2 cover system for the under mentioned work from the eligible and approved contractors/Firms registered with HPPWD Department.

Job No.	Name of Work	Tentative Cost	Earnest Money	Time allowed	Cost of Form
1	Annual Maintenance Plan for the year 2026-27 on Joharji Kaba Kalan road in Km. 0/00 to 5/270.(SH:- P/L Renewal coat by providing 30mm thick Bituminous Concrete & Thermoplastic edge line in Km. 4/00 to 5/270)Under PMGSY.	18,33,059/-	36,700/-	Three Months	500/-
2	Annual Maintenance Plan for the year 2026-27 on Jandhori to Pratha Nabon road in Km. 0/00 to 8/00.(SH:- P/L Renewal Coat by providing 30mm thick Bituminous Concrete & Thermoplastic edge line in Km. 5/00 to 7/00) Under PMGSY	31,47,164/-	62,900/-	Three Months	2000/-
3	Annual Maintenance Plan for the year 2026-27 on Parwanoo Kasauli Dharampur Subathu Solan road in Km. 0/00 to 57/320.(SH:- P/L Renewal Coat by providing 30mm thick Bituminous Concrete & Thermoplastic edge line in Km. 6/00 to 800)	31,00,821/-	62000/-	Three Months	2000/-
4	Annual Maintenance Plan for the year 2026-27 on Chaila Sainj Yashwant Nagar Oachghat Sultanpur Kumarhatti road in Km. 75/375 to 86/450. (SH:- P/L Renewal Coat by providing 30mm thick Bituminous Concrete & Thermoplastic edge line in Km. 8100 to 84/00)	85,40,758/-	1,70,800/-	Three Months	2000/-
5	Annual Maintenance Plan for the year 2026-27 on on Gandhi Gram Tarol via Green Hills road in Km. 0/00 to 6/510.(SH:- P/L Renewal Coat by providing 30mm thick Bituminous Concrete & Thermoplastic edge line in Km. 0/00 to 3/00)	42,10,530/-	84,200/-	Three Months	2000/-
6	Annual Maintenance Plan for the year 2026-27 on on Parwanoo Kasauli Dharampur Subathu Solan road in Km. 0/00 to 57/320.(SH:- P/L Renewal Coat by providing 30mm thick Bituminous Concrete & Thermoplastic edge line in Km. 45/00 to 46/00 & 49/00 to 50/00)	34,62,898/-	69,300/-	Three Months	2000/-
7	Annual Maintenance Plan for the year 2026-27 on on Parwanoo Kasauli Dharampur Subathu Solan road in Km. 0/00 to 57/320.(SH:- P/L Renewal Coat by providing 30mm thick Bituminous Concrete & Thermoplastic edge line in Km. 19/00 to 21/750, 24/200 to 25/00 & 28/00 to 29/500 & 80mm thick interlocking tile pavement at slushy reaches)	89,44,852/-	1,78,900/-	Three Months	2000/-
8	Annual Maintenance Plan for the year 2026-27 on on Joharji Mallah road in Km. 0/00 to 27/460..(SH:- P/L Renewal Coat by providing 30mm thick Bituminous Concrete & Thermoplastic edge line in Km. 0/00 to 2/00 & 80mm thick interlocking tile Pavement at slushy reaches)	27,84,788/-	55700/-	Three Months	2000/-
9	A/R & M/O to Shaktighat to Bandh road in Km. 0/00 to 12/00.(SH:- Repair to pot holes in Km. 4/00 to 6/00 left portion)	5,87,013/-	11,700/-	Two Months	350/-

Starting date for downloading bid:- 07.02.2026
Deadline for submission of bid:-17.02.2026 at 10.30AM
Date of Opening of Bid:-17.02.2026. at 11.30AM

1. The bidders are advised to note other details of tenders from the department website **https://hptenders.gov.in.**

Executive Engineer,
Kasauli Division,
HPPWD Kasauli
On behalf of the Governor of HP.

R.No. 6062/2025-2026

दिल्ली में वकील पर हमला: क्लाइंट से मिलकर लौट रहे थे, सिर पर चोटें

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पश्चिम दिल्ली के मुखर्जी नगर के पास रोड रेज की एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। ये घटना काली थार और एक एसयूवी के बीच विवाद से जुड़ी है। दिल्ली हाई कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाले एक वकील पर कथित तौर पर पांच से छह लोगों ने लाठियों से हमला किया। यह घटना 25 जनवरी को रात करीब 8:45 बजे के आसपास की है। पुलिस ने बताया कि आरोपी अभी तक गिरफ्तार नहीं हुए हैं। उत्तर प्रदेश के नोएडा एक्सटेंशन निवासी 29 वर्षीय शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि एक संकरी गली में थार कार ने उनका रास्ता रोक लिया था जिसके बाद ही ये विवाद शुरू हुआ। पीड़ित ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि 'मैं एक क्लाइंट से मिलने मुखर्जी नगर गया था और अपनी एसयूवी में सवार था, तभी हरियाणा रजिस्ट्रेशन नंबर वाली एक काली थार एक मोड़ पर मेरी गाड़ी के सामने अचानक रुक गई। थार ने मेरी कार का रास्ता पूरी तरह ब्लॉक कर दिया। इसके बाद मैं करीब पांच मिनट तक इंतजार करता रहा और फिर अपनी कार निकालने की कोशिश की, जिसके बाद थार ड्राइवर कथित तौर पर गाली देने लगा।' सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को अस्पताल ले गई। वकील ने पुलिस को बताया, मैं अपनी कार से नीचे उतरा और गाली-गलौज का विरोध किया तो थार चालक ने मुझे जान से मारने की धमकी दी।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO. HARHIN/2002/08034, Postal Regd. No. HR/AB/54/23-25, हिन्द जनपथ के लिए स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा बूथ नंबर 437-पी, सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशिन एवं इम्प्रैशन प्रिंटिंग एण्ड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लाट नं. 22, इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-2, पंचकूला से मुद्रित। * सभी विवादों का न्यायाधिकार क्षेत्र पंचकूला होगा। Mob. 9915606900 email: hindjanpath@gmail.com, argarg 1610@gmail.com

न्यूज डायरी

केंद्रीय बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करेगा : रामेश्वर गिरी

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। केंद्रीय बजट में किसान, श्रमिक, व्यापारी, मध्यम वर्ग, युवा, महिलाएं एवं पिछड़े वर्ग सहित समाज के हर वर्ग का पूरा-पूरा ध्यान रखा गया हैः रामेश्वर गिरी जिला के मीडिया प्रभारी रामेश्वर गिरी ने केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि यह बजट दूरदर्शिता, संतुलन और समावेशी विकास की भावना के साथ तैयार किया गया है, जिसमें किसान, श्रमिक, व्यापारी, मध्यम वर्ग, युवा, महिलाएं एवं पिछड़े वर्ग सहित समाज के हर वर्ग का पूरा-पूरा ध्यान रखा गया है।

रामेश्वर गिरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर बुलेट ट्रेन की गति से आगे बढ़ रहा है। यह बजट न केवल वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करता है, बल्कि भविष्य की आर्थिक और सामाजिक जरूरतों को भी ध्यान में रखकर बनाया गया है, ताकि देश की 145 करोड़ जनता को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिल सके।

उन्होंने कहा कि इस बजट से देश के युवाओं में आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे पलायन की सोच छोड़कर विकसित भारत के निर्माण में सहभागी बनेंगे। आम आदमी की जरूरत से जुड़ी वस्तुएं अधिक सुलभ और किफायती होंगी। कैंसर की दवाओं और उपचार से जुड़े उपकरणों पर ड्यूटी में कटौती कर सरकार ने मानवीय संवेदनाओं का परिचय दिया है, जिससे गंभीर रोगों से पीड़ित मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी।

रामेश्वर गिरी ने कहा आयुर्वेद के क्षेत्र में नए एम्स स्तर के' संस्थानों की घोषणा को अत्यंत सराहनीय बताते हुए कहा कि इससे पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धति को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिलेगी और आयुर्वेदिक शोध व उपचार को मजबूती मिलेगी।

उन्होंने आगे कहा कि नए फ्रेट कॉरिडोर विकसित करने की घोषणा से देश की लॉजिस्टिक्स व्यवस्था और अधिक सशक्त होगी, परिवहन लागत घटेगी और विकास को तेज गति मिलेगी। यह बजट राष्ट्र निर्माण, आत्मनिर्भर भारत और समावेशी विकास की मजबूत नींव रखता है।

रामेश्वर गिरी ने विश्वास व्यक्त किया कि यह केंद्रीय बजट देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने में सहायक सिद्ध होगा।

विजिलेंस ब्यूरो ने क्लर्क को 2700 रुपये रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार किया

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाई मुहिम के दौरान, क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय, बठिंडा में तैनात क्लर्क डेविड को 2700 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए आज यहां राज विजिलेंस ब्यूरो के एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि उपरोक्त आरोपी को कन्हैया नगर, जिला बठिंडा के एक निवासी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता एजेंट राजा मित्तल के दफ्तर में एक दिहाड़ीदार के रूप में काम करता है और आरटीओ बठिंडा से संबंधित कार्य संभालता है। उन्होंने बताया कि उक्त आरोपी आरटीओ बठिंडा में वाहन पंजीकरण प्रमाणपत्र (आरसी) की ऑनलाइन सत्यापन की ड्यूटी निभा रहा था। लेकिन आरोपी शिकायतकर्ता की फाइलों का सत्यापन नहीं कर रहा था और उन फाइलों का सत्यापन करवाने के लिए प्रति फाइल 300 रुपये की मांग कर रहा था। आरोपी ने शिकायतकर्ता को बठिंडा के बस स्टैंड पर बुलाया और 2100 रुपये रिश्वत के रूप में लिए तथा फिर गैर-कानूनी रिश्वत के रूप में 3000 रुपये की मांग की। शिकायतकर्ता रिश्वत देना नहीं चाहता था, जिसके कारण उसने विजिलेंस ब्यूरो यूनिट, बठिंडा से संपर्क किया।

शिकायत की प्रारंभिक जांच के बाद, विजिलेंस ब्यूरो की टीम ने जाल बिछाया, जिसमें आरोपी को दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से 2700 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया।

इस संबंध में आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत विजिलेंस ब्यूरो थाना बठिंडा में मामला दर्ज कर लिया गया है और इस मामले की आगे की जांच जारी है।

संसद में डॉ. विक्रमजीत सिंह साहनी ने पंजाब के लिए तत्काल भूजल पुनर्जीवन पैकेज की मांग की

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। डॉ. विक्रमजीत सिंह साहनी, राज्यसभा सांसद, ने पंजाब में भूजल के खतरनाक स्तर तक गिरने पर गहरी चिंता व्यक्त की। संसद में उनके प्रश्न के उत्तर में जल शक्ति मंत्रालय द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि केंद्रीय भूजल बोर्ड के आँकड़ों के अनुसार, जहाँ लगभग 57% निगरानी किए गए कुओं में भूजल स्तर में मामूली वृद्धि दर्ज की गई है, वहीं पंजाब के 42% से अधिक कुओं में भूजल स्तर में गिरावट दर्ज की गई है, जो अत्यंत चिंताजनक है।

डॉ. साहनी ने कहा कि यह विशेष रूप से ध्यान देने योग्य है कि इन कुओं का सर्वेक्षण 2025 के मानसून के बाद किया गया था, जबकि इस मानसून में पंजाब ने अपने आधुनिक इतिहास की सबसे भीषण बाढ़ का सामना किया था। इसके बावजूद यह अत्यंत चिंताजनक है कि राज्य के 9% कुओं में भूजल स्तर 40 मीटर से भी नीचे चला गया है। विशेष रूप से कृषि की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण जिलों—संगरूर (100%), बरनाला (67%), पटियाला (44%), मोगा और मालेरकोटला—में गंभीर जल संकट की स्थिति बनी हुई है। यहाँ तक कि शहरी जिलों लुधियाना, जालंधर और बठिंडा में भी अधिकांश कुएँ अब 10 से 40 मीटर की गहराई श्रेणी में आ गए हैं, जो भूजल के अस्थिर और अत्यधिक दोहन को दर्शाता है। डॉ. साहनी ने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि भूजल संकट के इतने स्पष्ट प्रमाणों के बावजूद और राज्य सरकार द्वारा बार-बार अनुरोध किए जाने के बाद भी पंजाब को 'अटल भूजल योजना' के अंतर्गत शामिल नहीं किया गया, जबकि यह योजना विशेष रूप से जल-संकटग्रस्त क्षेत्रों के लिए बनाई गई है।

माड़ी वाला टाउन गुरुद्वारा साहिब में गुरु रविदास जयंती श्रद्धा के साथ मनाई गई

हिन्द जनपथ

मनीमाजरा (ब्यूरो)। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती के अवसर पर माड़ी वाला टाउन गुरुद्वारा साहिब में श्रद्धा और भक्ति का विशेष आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधान श्री तलविंदर सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान प्रधान तलविंदर सिंह ने गुरुद्वारा साहिब में मत्था टेका और गुरु रविदास जी को नमन किया। इस मौके पर गुरुद्वारा साहिब के प्रधान सुभाष सिंह एवं लखविंदर सिंह ने प्रधान तलविंदर सिंह को सिरोपा डालकर सम्मानित किया। अपने संबोधन में प्रधान तलविंदर सिंह ने गुरु रविदास जी की शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन समाज को समानता, भाईचारे और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में आपसी सौहार्द और एकता मजबूत होती है। कार्यक्रम के अंत में संगत के लिए लंगर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

'गैंगस्टरां ते वार': दो हफ्तों में 4233 व्यक्ति 116 हथियारों समेत गिरफ्तार

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए दो हफ्ते पहले शुरू की गई निर्णायक मुहिम 'गैंगस्टरां ते वार' के तहत पंजाब पुलिस ने अब तक पूरे राज्य में 14,382 स्थानों पर छापेमारी करके 4,233 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है, जिसमें गैंगस्टर और उनके साथ जुड़े अपराधी शामिल हैं।

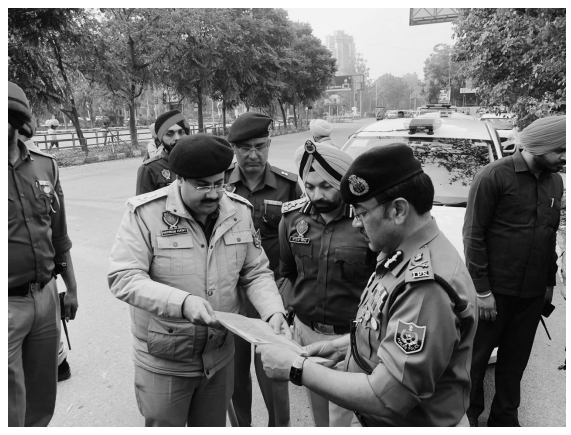

जानकारी के अनुसार, 'गैंगस्टरां ते वार'- पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए एक निर्णायक मुहिम है, जिसकी शुरुआत डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा 20 जनवरी, 2026 को की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें गैंगस्टरों के साथियों के चिह्नित और मैप किए गए ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं।

'गैंगस्टरां ते वार' मुहिम के हिस्से के रूप में सोमवार को इंस्पेक्टरों/डीएसपी की निगरानी में सुचारू समन्वय वाले मजबूत नाके लगाए गए और राज्य भर में वाहनों तथा संदिग्ध व्यक्तियों की व्यापक जांच की गई।

विशेष डीजीपी कानून एवं व्यवस्था अर्पित शुक्ला ने मोहाली के गोडरेज चौक पर नाके का निरीक्षण करने के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि पुलिस टीमों ने गिरफ्तार व्यक्तियों के कब्जे से 116 हथियार, 262 जिंदा कारतूस और 23 मैगजीन बरामद की हैं।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा, 2,311 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई शुरू की गई है, जबकि 4,008 व्यक्तियों को पूरी तफ्तीश और पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस टीमों ने पिछले 14 दिनों में 283 भगोड़े अपराधियों (पी.ओ.) को भी गिरफ्तार किया है।

- **विशेष डीजीपी कानून एवं व्यवस्था अर्पित शुक्ला ने मोहाली में विशेष नाकों का किया निरीक्षण**
- **पिछले दो हफ्तों में, पुलिस टीमों ने 2311 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई की, 283 भगोड़े अपराधियों को भी किया गिरफ्तार: विशेष डीजीपी अर्पित शुक्ला**

आज मुहिम के 14वें दिन, पुलिस टीमों ने 613 छापेमारियों'' के बाद 172 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जबकि 159 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई की गई और नौ भगोड़े अपराधियों (पीओ) को गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने कहा कि लोग गुप्त रूप से वांछित अपराधियों/गैंगस्टरों के बारे में एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर - 93946-93946 के माध्यम से रिपोर्ट कर सकते हैं और किसी भी प्रकार के अपराध तथा आपराधिक गतिविधियों के बारे में सूचना/जानकारी भी साझा कर सकते हैं।

इस दौरान पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपनी जंग जारी रखते हुए 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' मुहिम के 338वें दिन 81 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 1.3 किलो हेरोइन, 1053 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 1.23 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की। इस तरह केवल 338 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 47,498 हो गई है। नशा छुड़ाऊ मुहिम के हिस्से के रूप में, पंजाब पुलिस ने आज 11 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास इलाज करवाने के लिए राजी किया है।

भगवंत सिंह मान सरकार के विरुद्ध बोलने के लिए विरोधियों के पास नहीं बचा कोई मुद्दा : कुलवंत सिंह

हिन्द जनपथ

साहिबजादा अजीत सिंह नगर(ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा पंजाब में शुरू की गई मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना को सही मायनों में लागू करने के उद्देश्य से मोहाली विधानसभा क्षेत्र सहित पूरे प्रदेश में मशीनों के माध्यम से पंजीकरण का कार्य बड़े स्तर पर आरंभ हो चुका है। इस अवसर पर जिला योजना बोर्ड की चेयरपर्सन इंजीनियर प्रभजोत कौर भी उपस्थित रहीं।

विधायक कुलवंत सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के बारे में अब विरोधियों को भी यह स्पष्ट हो चुका है कि वे जो भी कहते हैं और जनता से जो भी वादे करते हैं, उन्हें शीघ्रता से धरातल पर उतारा जाता है। यह बात पंजाब की जनता ने पिछले चार वर्षों में स्वयं देखी है।

उन्होंने कहा कि पूरे पंजाब में सरकारी अस्पतालों को अपग्रेड किया गया है तथा बड़ी संख्या में डॉक्टरों, नर्सों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की भर्ती की गई है। इसके साथ ही 1000 से अधिक मोहल्ला क्लीनिक खोले गए हैं, जहां प्रतिदिन लाखों मरीजों को बेहतर इलाज की सुविधा मिल रही है।

विधायक कुलवंत सिंह ने कहा कि अब विरोधियों के पास बोलने के लिए कोई ठोस मुद्दा नहीं बचा है, इसलिए वे बिना वजह बयानबाजी कर अपनी राजनीतिक उपस्थिति दर्ज कराने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब में समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य किए जा रहे हैं। बिजली के बिल माफ किए गए हैं, बिना किसी भेदभाव के युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार दिया गया है और मोहल्ला क्लीनिकों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत की गई हैं।

उन्होंने आगे बताया कि अब राज्य सरकार द्वारा जनता के लिए 10 लाख रुपये की मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना शुरू की गई है।

आवासीय क्षेत्रों में हेल्थकेयर को बढ़ावा: हरियाणा ने रिहायशी प्लॉट में नर्सिंग होम के लिए पॉलिसी को मंजूरी दी

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। आवासीय क्षेत्रों में हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में अहम निर्णय लेते हुए हरियाणा सरकार ने पूरे राज्य में लाइसेंसी रिहायशी प्लॉट वाली कॉलोनियों में नर्सिंग होम स्थापित करने के लिए एक व्यापक पॉलिसी को मंजूरी प्रदान की। इस पॉलिसी का उद्देश्य रिहायशी इलाकों में मौजूदा हेल्थ केयर की कमियों को दूर करना और यह सुनिश्चित करना है कि निवासियों को उनके घर-द्वार के आस-पास ज़रूरी मेडिकल सेवाएं उपलब्ध हो।

पॉलिसी के तहत, पूरे राज्य में लाइसेंसी कॉलोनियों के रिहायशी प्लॉट पर नर्सिंग होम स्थापित करने की इजाज़त ज़रूरी कन्वर्जन चार्ज के भुगतान के बाद ही दी जाएगी। ऐसी इजाज़त सिर्फ़ उन योग्य डॉक्टरों (एलोपैथिक/आयुष) के मालिकाना हक वाले रिहायशी प्लॉट पर दी जाएगी, जिनके पास मेडिकल काउंसिल या आयुष काउंसिल के साथ एक वैध रजिस्ट्रेशन नंबर है, जो अभी प्रैक्टिस कर रहे हैं, और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA) की स्थानीय ब्रांच में रजिस्टर्ड हैं। आवेदन के साथ उन्हें इस संबंध में एक हलफनामा देना अनिवार्य होगा।

नर्सिंग होम व्यापक मेडिकल, सामाजिक और व्यक्तिगत देखभाल प्रदान करने के लिए बहुत ज़रूरी हैं, बढ़ती बुज़ुर्ग आबादी और विशेष सेवाओं की बढ़ती मांग के साथ, हर सेक्टर में इनकी स्थापना जरूरी हो गई है। जबकि 2018 के दिशानिर्देशों में हर 50 एकड़ में 1,000 वर्ग मीटर के दो नर्सिंग होम का प्रावधान है, हाइपर पोटेंशियल जोन में भी रिहायशी प्लॉट वाली कॉलोनियों के लिए एरिया के नियमों को 100 से घटाकर 25 एकड़ करने से आवंटन मुश्किल हो गया है।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA) की मांग पर विचार करने और विस्तृत विचार-विमर्श के बाद, कैबिनेट ने मंज़ूर विकास योजनाओं के अनुसार, रिहायशी ज़ोन में लाइसेंसी कॉलोनियों में रिहायशी प्लॉट पर नर्सिंग होम की इजाज़त देने वाली पॉलिसी को मंज़ूरी दी।

भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के बजट 2026 में पंजाब को नजरअंदाज करना लोकतंत्र और संघवाद के लिए बड़ा खतरा: वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आज भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर केंद्रीय बजट 2026 में पंजाब की जरूरतों और कुर्बानियों को पूरी तरह नजरअंदाज करने का आरोप लगाते हुए कहा कि बजट में कहीं भी पंजाब का कोई जिक्र नहीं है और न ही लंबे समय से बकाया पड़े 8,500 करोड़ रुपये के ग्रामीण विकास फंड (आरडीएफ) का कोई हवाला दिया गया है।

बजट-2026 को शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान, गरीब, व्यापारी और पंजाब की सुरक्षा विरोधी करार देते हुए पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा का बोझ उठाने, बार-बार प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने और आरडीएफ से संबंधित जिम्मेदारियों को निभाने के बावजूद पंजाब को एक बार फिर अपने स्तर पर सभी प्रबंध करने के लिए मजबूर किया गया है। उन्होंने कहा कि बजट में आम लोगों के लिए कोई राहत नहीं है और लगातार 12वें साल भी केंद्र की ओर से कोई ठोस सहायता नहीं दी गई।

आज यहां पंजाब भवन में मीडिया से बातचीत करते हुए पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि यह बजट देश के लिए बेमिसाल कुर्बानियां देने वाले राज्य पंजाब को विकास की पटरी से उतारने की जानबूझकर की गई कोशिश है। उन्होंने कहा, 'केंद्र की सत्ता पर काबिज भाजपा की मानसिकता देश के लोकतंत्र और खासकर पंजाब के लिए एक बड़ा खतरा बन गई है।

केंद्रीय बजट 2026 शिक्षा, स्वास्थ्य और किसानों, गरीबों, व्यापारियों तथा पंजाब की सुरक्षा विरोधी है। इस बजट के माध्यम से, देश के लिए बेमिसाल कुर्बानियां देने वाले पंजाब के विकास की पटरी से उतारने की एक साजिश रची गई है।'

वित्त मंत्री ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा पेश किए गए लगातार 12वें बजट में पंजाब को नजरअंदाज किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य द्वारा केंद्रीय वित्त मंत्री को दिए गए मेमोरेंडम को अनदेखा किया गया। उन्होंने कहा कि पंजाब देश के लिए सीना तानकर खड़ा होता आया है, पंजाब ने केंद्रीय फूड पूल में अपना योगदान कभी कम नहीं किया, बल्कि हर साल बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि देश के अनाज भंडार को बढ़ाने के कारण पंजाब के 117 ब्लॉक डार्क जोन में जा चुके हैं। 16वें वित्त आयोग को पूरी तरह नजरअंदाज करने का आरोप लगाते हुए हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि केंद्र ने राज्यों के सामने मौजूद वित्तीय तनाव के बावजूद राज्यों की खराब स्थिति को पूरी तरह अनदेखा किया है और राज्यों के हिस्से को बढ़ाने में असफल रहा है। उन्होंने कहा कि वर्टिकल डेवोल्यूशन (टैक्स पूल में सभी राज्यों का कुल हिस्सा) 41 प्रतिशत पर ही रखा गया है और कोई बदलाव नहीं किया गया। 16वें वित्त आयोग से कोई राजस्व घाटा अनुदान नहीं है। 15वें वित्त आयोग ने इन अनुदानों की सिफारिश की थी। एसडीआरएफ की शर्तें बहुत अधिक सीमित हैं और आपदाओं को प्रभावी ढंग से कम करने व प्रबंधन करने में पंजाब जैसे राज्य को प्रभावित करेंगी।

मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि केंद्र सरकार ने एक बार फिर पंजाब के किसानों की जायज चिंताओं को नजरअंदाज किया है, जिससे उसके किसान-हितैषी होने के खोखले दावों की पोल खुल गई है। उन्होंने कहा कि बजट 2026 में कृषि आधारभूत ढांचा फंड में कोई वृद्धि नहीं की गई और न ही मंडी के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए कोई ठोस सहायता दी गई है, जिससे कृषि प्रधान राज्यों को अपने भरोसे छोड़ दिया गया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट-2026 में कृषि आधारभूत ढांचा फंड में वृद्धि या मंडी आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के बारे में पंजाब के किसानों के लिए कुछ भी नहीं है।

अंतर-राज्य युवा विनिमय कार्यक्रम का चंडीगढ़ में शुभारंभ

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत MY भारत द्वारा आयोजित अंतर-राज्य युवा विनिमय कार्यक्रम (ISYEP) 2025–26 का आज आरजीएनआईवाईडी क्षेत्रीय केंद्र, पीईसी परिसर, सेक्टर-12, चंडीगढ़ में शुभारंभ किया गया। यह पांच दिवसीय कार्यक्रम 2 से 6 फरवरी 2026 तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें चंडीगढ़ द्वारा मध्य प्रदेश राज्य के युवा प्रतिभागियों की मेजबानी की जा रही है।

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. सुखजिंदर ऋषि, निदेशक, युवा कल्याण विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में डॉ. महेंद्र सिंह, संयुक्त निदेशक खेल, चंडीगढ़ प्रशासन एवं श्री परमजीत सिंह, संयुक्त निदेशक, MY भारत ने विशिष्ट अतिथि के रूप में सहभागिता की।

उद्घाटन समारोह की शुरुआत वंदे मातरम् के सामूहिक गायन से हुई, जिसके पश्चात दीप प्रज्वलन किया गया। श्री विनय कुमार, जिला युवा अधिकारी, MY भारत चंडीगढ़ ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए अंतर-राज्य युवा विनिमय कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला तथा राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समझ और युवा नेतृत्व के संवर्धन में इस कार्यक्रम की भूमिका को रेखांकित किया।

समारोह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने राष्ट्र निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया तथा विभिन्न राज्यों के युवाओं को आपसी संवाद, सहभागिता और भारत की एकता में विविधता का अनुभव प्रदान करने हेतु MY भारत की इस पहल की सराहना की।

इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश राज्य से कुल 35 युवा प्रतिभागी एवं दो एस्कॉर्ट सहभागिता कर रहे हैं। पांच दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत नेतृत्व एवं व्यक्तित्व विकास सत्र, संचार एवं प्रस्तुतीकरण कौशल कार्यशालाएं, भाषा एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान गतिविधियां, क्षेत्रीय भ्रमण, योग एवं स्वास्थ्य कार्यक्रम, खेल एवं मनोरंजक गतिविधियां, सामुदायिक सहभागिता पहल तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए स्कूलों में वार्षिक खेल दिवस आवश्यक है : रूबी गुप्ता

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए स्कूलों में वार्षिक खेल दिवस आवश्यक है, जो शारीरिक फिटनेस, टीम वर्क, अनुशासन और खेल भावना को बढ़ावा देता है, साथ ही आत्मविश्वास बढ़ाता है और तनाव कम करता है। ये कहना था वौइस् ऑफ़ वूमेन की अध्यक्ष एवं भाजपा महिला मोर्चा की पूर्व उपाध्यक्ष समाजसेवी रूबी गुप्ता का, जो सहजजोत सीनियर सेकेंडरी स्कूल, धनास में आयोजित वार्षिक खेल दिवस में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित हुईं थीं। उनके साथ गुरु तेग बहादुर स्मार्ट स्कूल, खुड्डा लाहौरा की प्रिंसिपल हिमानी शर्मा भी मौजूद रहीं। स्कूल के प्रधानाचार्य दलजीत सिंह ने बताया कि उन्होंने विजेताओं को पदक और प्रमाण पत्र प्रदान करके उनका उत्साहवर्धन किया। रूबी गुप्ता ने भाषण में बच्चों को खेल और स्वास्थ्य के महत्व के बारे में बताया और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। इस पुरस्कार समारोह में बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया।

बजट 2026–27: पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में रेलवे विकास को नई गति

हरियाणा को रेलवे बजट में 3,566 करोड़; 12,000 करोड़ की परियोजनाएं प्रगति पर

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़/अंबाला/दिल्ली, (ब्यूरो)। केंद्रीय रेलवे, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे राज्य मंत्री श्री रवनीत सिंह बिट्टू की उपस्थिति में आज एक वर्चुअल बैठक के माध्यम से रेलवे बजट 2026–27 के अंतर्गत पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के लिए किए गए राज्यवार आवंटन और प्रमुख परियोजनाओं की जानकारी साझा की। बैठक में इन राज्यों में रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए किए जा रहे अभूतपूर्व निवेश पर विशेष जोर दिया गया।

रेल मंत्री ने बताया कि केंद्रीय बजट 2026–27 में भारतीय रेल के लिए रिकॉर्ड 2.93 लाख करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) प्रस्तावित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक आवंटन का मुख्य फोकस उच्च-गति कनेक्टिविटी, माल ढुलाई क्षमता के विस्तार और यात्रियों की सुरक्षा पर है।

श्री वैष्णव ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में पंजाब को रेलवे बजट में रिकॉर्ड 5,673 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है, जो यूपीए सरकार के कार्यकाल के दौरान औसत आवंटन की तुलना में लगभग 25 गुना अधिक है। उन्होंने बताया कि राज्य में रेलवे से जुड़े 26,382 करोड़ रुपए के कार्य प्रगति पर हैं।

अमृत स्टेशन योजना के तहत 30 रेलवे स्टेशनों का नवीनीकरण/पुनर्विकास किया जा रहा है। इसके साथ ही पंजाब ने 100 प्रतिशत रेलवे विद्युतीकरण हासिल कर लिया है, जिससे परिचालन दक्षता, कनेक्टिविटी और पर्यावरणीय स्थिरता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

रेल मंत्री ने बताया कि हरियाणा को रेलवे बजट में रिकॉर्ड 3,566 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है। राज्य में 12,000 करोड़ रुपए की रेलवे परियोजनाएं विभिन्न चरणों में प्रगति पर हैं।

उन्होंने कहा कि हरियाणा में रेलवे का 100 प्रतिशत विद्युतीकरण पूरा हो चुका है तथा 34 रेलवे स्टेशनों का नवीनीकरण किया जा रहा है। वंदे भारत और अमृत भारत ट्रेनों की शुरुआत से राज्य में यात्रियों की सुविधा और कनेक्टिविटी में बड़ा सुधार हुआ है।

एक प्रश्न के उत्तर में श्री वैष्णव ने बताया कि हरियाणा में हाइड्रोजन ट्रेन की टेस्टिंग और संबंधित कार्य जारी है और उन्होंने आशा व्यक्त की कि शीघ्र ही हाइड्रोजन-संचालित ट्रेन का उद्घाटन हरियाणा में किया जाएगा।

चंडीगढ़ के संबंध में रेल मंत्री ने कहा कि चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास कार्य तेजी से चल रहा है। अब तक लगभग दो वर्षों का कार्य पूरा हो चुका है और शेष तीन वर्षों में कार्य पूर्ण किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि चंडीगढ़ में पूरी तरह एक नया और आधुनिक रेलवे स्टेशन निर्मित किया जा रहा है।

श्री वैष्णव ने बताया कि हिमाचल प्रदेश को 2,911 करोड़ रुपए का रेलवे बजट आवंटन दिया गया है और राज्य में 17,700 करोड़ रुपए की रेलवे परियोजनाएं विभिन्न चरणों में प्रगति पर हैं। उन्होंने कहा कि कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है, हालांकि राज्य सरकार द्वारा निर्धारित समय-सीमा के भीतर कुछ प्रतिबद्धताओं को पूरा न करने के कारण कुछ परियोजनाओं में देरी हुई है। रेल मंत्री ने हिमाचल प्रदेश सरकार से रेलवे परियोजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन के लिए सहयोग की अपील की।

रेल मंत्री ने यह भी जानकारी दी कि जम्मू-कश्मीर के लिए 1,086 करोड़ रुपए का रेलवे बजट आवंटन किया गया है, जिससे क्षेत्र में कनेक्टिविटी और विकास को और बल मिलेगा।

बैठक के अंत में श्री वैष्णव ने दोहराया कि केंद्र सरकार का लक्ष्य भारतीय रेलवे को तेज, सुरक्षित, आधुनिक और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन प्रणाली के रूप में विकसित करना है। उन्होंने कहा कि रिकॉर्ड बजट आवंटन और नई परियोजनाओं के माध्यम से रेलवे राष्ट्रीय विकास और 'विकसित भारत' के विजन को साकार करने में निर्णायक भूमिका निभाएगी।

अंबाला स्थित उत्तर रेलवे मंडल प्रबंधक के कार्यालय में आयोजित वर्चुअली कांफ्रेंस में जुड़े पत्रकारों के साथ अंबाला मंडल रेल प्रबंधक श्री विनोद भाटिया और श्री नवीन कुमार झा, सीनियर डीसीएम भी उपस्थित रहे।

संपादकीय

क्या संघीय ढांचे के लिए खतरा है भाषा का विवाद?

देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए यह जरूरी है कि किसी मसले पर असहमति या विवाद की स्थिति है, तो उसे संवाद और सौहार्द के सहारे हल किया जाए और सहमति की हर संभावना को मजबूत किया जाए। मगर विडंबना यह है कि कई बार कुछ मुद्दों को इस हद तक संवेदनशील स्वरूप दे दिया जाता है कि उसके बाद विवाद नाहक ही जटिल होता चला जाता है।गौरतलब है कि तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम पार्टी ने चेन्नई में रविवार को 'भाषा शहीद दिवस' मनाया और इस मौके पर राज्य के मुख्यमंत्री स्टालिन ने हिंदी भाषा पर बहस को एक बार फिर हवा दे दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा कि 'न तब, न अभी, न ही कभी हिंदी को यहां जगह मिलेगी।' इस मसले पर अतीत में कैसे मत-विरोध रहे हैं और कैसे यह एक समय हिंसक आंदोलन का कारण बना था, यह जानते हुए भी अगर आज एक बार फिर उसी तेवर में विवाद को तूल दिया जाता है, तो इसे किस रूप में देखा जाएगा? संवाद के बजाय आक्रामकता का सहारा लेकर किस समस्या का स्थायी हल निकाला जा सकता है?देश की संघीय भावना विविधता के सौंदर्य से ही शक्ति ग्रहण करती है। अलग-अलग भाषाएं इसका एक सबसे अहम हिस्सा हैं। हिंदी को देश को जोड़ने वाली एक भाषा की सबसे महत्त्वपूर्ण कड़ी के तौर पर देखा जाता है, तो इसके अपने आधार हैं। मगर इसमें कहीं भी तमिल या देश की किसी भी अन्य भाषा की अहमियत की अनदेखी करने या खुद को उन पर थोपे जाने का आग्रह नहीं है।हैरानी की बात यह है कि किसी भाषा को नुकसान पहुंचाए बिना कभी सिर्फ हिंदी पढ़ाने की बात की जाती है, तो उसे थोपने के तौर पर देख लिया जाता है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री का यही मानना है कि केंद्र सरकार राज्य में हिंदी थोपने की कोशिश कर रही है। उनकी इस बात से शायद ही किसी को असहमति होगी कि तमिलनाडु अपनी भाषा से जीवनधारा की तरह प्यार करता है।मगर क्या किसी भी भाषा से प्यार को दूसरी भाषा के खिलाफ संघर्ष या टकराव का कारण बनना चाहिए? इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि भाषा के मसले पर इस तरह मोर्चा खोलना किसी भी भाषा का कितना हित सुनिश्चित करेगा!

देश को अस्थिर करने के लिए विदेशी ताकतों ने एक बार फिर प्रयास किया। यूजीसी के नये नियमों के माध्यम से जातिगत संघर्ष की स्थितियां पैदा कर दी। समूचे देश में आन्तरिक कलह का शंखनाद हो उठा। नेपाल, बांगलादेश जैसे देशों में भी इसी तरह से सरकार का तख्ता पलट करवाने की सफल कोशिशें की जा चुकीं हैं। देश के मीरजाफरों को चिन्हित करके उन्हें भौतिक सुविधाओं, संसाधनों और उज्जवल भविष्य की मृगतृष्णा के पीछे दौडा जाता रहा है। इस सोच से जकडे लोग अब मीरजाफर की तात्कालिक घटनाओं और उनकी कष्टप्रद परिणति को नजरंदाज करके अपने आकाओं की गुलामी करने में ही अपना, परिवार का और स्वजनों का भला देखने लगे हैं।

आवश्यक है जातिविहीन समाज की नवीन संरचना

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

इन भितरघाती मीरजाफरों की संख्या में निरंतर इजाफा होता जा रहा है। विदेशी खुफिया एजेन्सियों से लेकर डीपस्टेट के संचालकों तक ने भारत के कोने-कोने में अपने स्लीपर सेल तैयार कर रखे हैं। अभी तक विपक्ष के लोगों पर ही मीरजाफर होने के आरोप लगते रहे हैं परन्तु इस बार तो सत्ता पक्ष के भितरघातियों ने ही अपने गोरे आकाओं के इशारे पर देश का वातावरण रक्तरंजित करने हेतु आधार तैयार करने में कोई कोर कसर नहीं छोडी है। हालातों की समीक्षा करने पर यह स्पष्ट हो जाता है कि भारत के अन्दर सभी प्रमुख क्षेत्रों में भितरघातियों की एक बडी संख्या मौजूद है जो अवसर मिलते ही राष्ट्र को गुलामी की बेडियों में जकडने हेतु चलाये जा रहे सीमापार के षडयंत्रों को अमली जामा पहनाने में जुट जाते हैं। विकास के पथ पर सरपट दौड रहे देश को आन्तरिक संघर्ष की आग में झौंकने हेतु जातिगत मुद्दे की आंधी चलाई गयी। उच्च शिक्षा में समानता लाने के दांत दिखाकर हाथी ने अन्दर के षडयंत्रकारी दांतों से देश को चबाने की शुरूआत कर दी है जिसे फिलहाल न्यायालय ने टाल दिया है मगर वह समाप्त नहीं हुआ है। इधर खाई उधर कुंआ जैसी स्थिति सुरसा का मुंह बनकर जस की तस खडी है। शंकाओं को बादल मडरा रहे हैं। शक्ति संकलन के प्रयास किये जा रहे हैं। जोर आजमाइस के दावपेंचों के प्रशिक्षण निरंतर चल रहे हैं। आतंक की नई परिभाषायें गढी जा रहीं हैं। हकीकत तो यह है कि पडोसी देशों की तर्ज पर जेन-जी को मोहरा बनाकर भारत की तेजी से बढती साख को तार-तार करने वाले अब इंशा अल्लाह के नारे नहीं लगवा रहे हैं बल्कि राम-राम और राधे-राधे में भेद पैदा करवाने के बाद अब भगवान और भीम के बीच खाई तैयार करने में जुट गये हैं। साम्प्रदायिक मुद्दे पर लडे गये बिहार चुनाव के परिणामों को देखते हुए निकट भविष्य में होने वाले चुनावों के लिए जातिगत मुद्दों को हवा देने का काम शुरू हो गया है ताकि बंटेंगे तो कटेंगे, जैसे नारों को निष्क्रिय किया जा सके। जातिगत संगठनों को सक्रिय करके वंशवाद की निष्ठा को तीव्रतम करने की कोशिशें होने लगीं हैं। सवर्ण बनाम अन्य की स्थितियां पैदा की गईं। दूसरी ओर प्रयागराज में कथित शंकराचार्य और वहां पर तैनात कुछ खास अधिकारियों के मध्य अनावश्यक विवाद पैदा करवाकर एक नयी समस्या को

जन्म दे दिया गया ताकि सनातन परम्परा, हिन्दू व्यवस्था और शाश्वत दर्शन को अपभ्रंश की गई किताबों के माध्यम से एक बार पुनः विकृत किया जा सके। हालात यहां तक पहुंच गये हैं कि चौराहों से लेकर चौपालों तक केवल और केवल सनातन के स्वरूप, उसके सिद्धान्त और वर्तमान मान्यताओं पर ही चर्चा होने लगी है। सनातन परम्परा के अनुयायियों को ही विभक्त करके भाई-भाई के आपसी युद्ध हेतु रणभूमि तैयार की जा रही है। वास्तविकता के अनजान लोगों को कथित धर्माचार्यों द्वारा जाति के महात्व, रक्त के वंशसूत्र और मृत्यु के उपरान्त के परिणामों की मनमानी व्याख्याओं से बरगलाया जा रहा है। व्यक्तिगत प्रतिभा के आधार पर निर्धारित की गई वर्ण व्यवस्था को हाशिये पर पहुंचाकर जन्म के आधार पर नये समाज की रचना करने वाले चन्द चालाक लोगों ने हजारों साल पहले समसामयिक परिस्थितियों में विष पौध का रोपण किया था जो आज जहरीली बाड बनकर अपने ही खेत को खाने की तैयारी में है। पैत्रिक विरासत में मिले हुनर को तुच्छ मानकर चाकरी की ओर अंधी दौड लगाने वालों को सरकारी गुलामी के बदलते स्वरूप ने खासा आकर्षित किया है। लोक सेवकों के रूप में नियुक्त लोगों ने स्वयं को शासक घोषित कर लिया है जिसके फलस्वरूप चाकरी, गुलामी और बंधनकारी सेवा का मासूम चेहरा अब शासन, मनमानी और निरंकुशता की कठोरता में परिवर्तित हो चुका है। अयोग्य, अकर्मण्य और अलाल लोगों की नियत अब सरकारी सेवा का मेवा खाने और सेवा के बाद भी मृत्यु के अन्तिम क्षणों तक करदाताओं की कमाई पर ऐश करने की हो चुकी है। इसमें अपवाद भी हैं जिन्हें झुठलाया नहीं जा सकता परन्तु उनकी संख्या इतनी कम है कि उनको ढूंढना असम्भव नहीं तो बेहद कठिन अवश्य है। जातिगत खाई गहराने में राजनैतिक दलों का भरपूर योगदान रहा है जिसे जातिगत संगठनों ने अपनी कट्टरता से सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। वर्तमान समय में सत्ताधारी दलों के अन्दर भी जातिगत मुद्दे हावी होते जा रहे हैं। पक्षपात का नये युग शुरू हो चुका है। चारों ओर परिवारवाद, जातिवाद, सम्प्रदायवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद जैसे दावानल मुंह फाडे खडे हैं। ऐसे में आवश्यक है जातिविहीन समाज की नवीन संरचना। धरातल पर यह हो भी रहा है। पंडित शू स्टोर, अहिरवार भोजनालय, खान सब्जी मर्चेन्ट, कुशवाहा जनरल स्टोर, सिंह रेस्टोरेन्ट जैसे बोर्ड बाजारों में लगे देखे जा सकते हैं। बीसवीं शताब्दी में विचार क्रान्ति अभियान के माध्यम से अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक पं. श्रीराम शर्मा आचार्य ने जातिगत विभेद समाप्त करके समस्त सनातनियों को वैदिक कर्मकाण्ड कराने का अधिकार दिया था। जातिगत और लिंगगत विभाजन को तिलांजलि देकर गायत्री परिवार ने हमेशा ही कथित शोषित जातियों तथा महिलाओं को आचार्य पद पर प्रतिष्ठित किया जिनके निर्देशन में सामान्य जातियों ने वैदिक कर्मकाण्ड सम्पन्न किये। योग्यता को पुरस्कार, अभावग्रस्तों को सुविधायें और सभी को समान अवसर प्रदान किये बिना न तो देश का विकास सम्भव है और न ही सौहार्द पूर्ण वातावरण का निर्माण। इस हेतु आम आवाम को विचार क्रान्ति अभियान जैसे सूत्रों को जीवन में उतारना होगा और बदलना होगी तुच्छ मानसिकता, संकीर्ण सोच और सिद्धान्तविहीन आकांक्षायें। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

बजट में रेल कनेक्टिविटी और मुंबई- बड़े वादे, पुराना अनुभव और ज़मीनी हकीकत

संचार और परिवहन ने दुनिया को एक तरह से गांव में तब्दील कर दिया है। आज किसी देश की सीमाएं उतनी महत्त्वपूर्ण नहीं रह गई हैं, जितनी उसकी कनेक्टिविटी। आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास के हर स्तर पर संचार और परिवहन की भूमिका बुनियादी होती है। बेहतर परिवहन न केवल नागरिकों को एक-दूसरे से जोड़ता है, बल्कि बाज़ारों, अवसरों और संसाधनों को भी आपस में जोड़ता है।

(हरगोविंद विश्वकर्मा)

यही कारण है कि किसी भी आधुनिक अर्थव्यवस्था में परिवहन ढांचे को विकास की रीढ़ माना जाता है।इसी महत्व को रेखांकित करते हुए देश की वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने नौवें बजट में परिवहन सेवाओं, विशेष रूप से रेलवे, पर विशेष ध्यान दिया है। बजट भाषण और दस्तावेज़ों में रेलवे को भविष्य की कनेक्टिविटी का आधार बताया गया है। काग़ज़ पर यह विज़न दूरदर्शी और दूरगामी दिखाई देता है। लेकिन जब इस विज़न को पिछले अनुभवों और ज़मीनी हकीकत के संदर्भ में परखा जाता है, तो कई सवाल उभरकर सामने आते हैं। शायद यही कारण है कि आम आदमी अब इस तरह की बड़ी घोषणाओं को लेकर बहुत उत्साहित नहीं होता।

बजट में रेलवे के लिए जिस सोच को प्रस्तुत किया गया है, उसका केंद्र तेज़ रफ़्तार और बड़े कॉरिडोर हैं। मुंबई-पुणे, पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-बेंगलुरु, हैदराबाद-चेन्नई, चेन्नई-बेंगलुरु, दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलीगुड़ी जैसे सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा इसी सोच का हिस्सा है। सरकार का दावा है कि इन परियोजनाओं से बड़े शहरों और आर्थिक केंद्रों के बीच यात्रा समय घटेगा और व्यापार तथा निवेश को नई गति मिलेगी। सिद्धांत रूप में यह सोच आकर्षक लगती है, क्योंकि बेहतर रेल कनेक्टिविटी औद्योगिक विकास का एक अहम कारक मानी जाती है।

लेकिन रेल कनेक्टिविटी का अर्थ केवल तेज़ ट्रेनें चलाना नहीं होता। इसका अर्थ यह भी होता है कि आख़िरी व्यक्ति तक यात्रा कितनी सुरक्षित, सुलभ और भरोसेमंद है। भारत जैसे देश में, जहां रेलवे आम आदमी की यात्रा का सबसे बड़ा साधन है, वहां कनेक्टिविटी का सवाल केवल प्रीमियम सेवाओं तक सीमित नहीं रह सकता। असली परीक्षा इस बात की होती है कि रोज़ाना यात्रा करने वाला व्यक्ति कितना सहज महसूस करता है और उसकी समस्याओं को कितनी प्राथमिकता दी जाती है।

जब इस बजट को रेल कनेक्टिविटी के व्यापक संदर्भ में देखा जाता है, तो तस्वीर उतनी सरल और आश्वस्त करने वाली नहीं लगती। पिछले 11-12 वर्षों के अनुभव यह बताते हैं कि घोषणाओं और ज़मीनी कार्यान्वयन के बीच एक बड़ा अंतर लगातार बना हुआ है। योजनाएं घोषित होती हैं, शिलान्यास होते हैं, लेकिन समयबद्ध और पूर्ण क्रियान्वयन अक्सर सवालों के घेरे में रहता है। यही अनुभव लोगों को नए वादों के प्रति सशंकित बनाता है।

मुंबई जैसे महानगर के संदर्भ में यह सवाल और भी गंभीर हो जाता है। मुंबई की लोकल ट्रेनें यहां के जीवन की धड़कन कही जाती हैं। हर दिन करोड़ों लोग इन्हीं ट्रेनों के सहारे अपने घरों और कार्यस्थलों के बीच सफ़र करते हैं। लेकिन भीड़, देरी, प्लेटफ़ॉर्म की सीमित क्षमता, सिग्नल सिस्टम की तकनीकी समस्याएं और सुरक्षा से जुड़े जोखिम, ये सब आज भी मुंबई की रेल कनेक्टिविटी की पहचान बने हुए हैं। ऐसे में हाई-स्पीड रेल जैसी परियोजनाएं तब तक अधूरी लगती हैं, जब तक मौजूदा नेटवर्क को मज़बूत करने पर उतना ही ज़ोर न दिया जाए।

बजट में प्रस्तावित मुंबई-पुणे हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर को एक बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया गया है। इसमें कोई संदेह नहीं कि मुंबई और पुणे जैसे दो प्रमुख आर्थिक केंद्रों के बीच तेज़ रेल संपर्क उद्योग, शिक्षा और सेवा क्षेत्र में नई संभावनाएँ खोल सकता है। इससे दोनों शहरों के बीच आवागमन आसान होगा और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिल सकता है। लेकिन मुंबई की वास्तविक समस्या केवल दूसरे शहरों से जुड़ाव की नहीं है, बल्कि शहर के भीतर की रेल व्यवस्था की है, जो वर्षों से दबाव में है। यही वह बिंदु है जहाँ बजट की प्राथमिकताओं पर सवाल उठते हैं। क्या बड़े और महंगे प्रोजेक्ट नीति-निर्माण का केंद्र बनते जा रहे हैं, जबकि दैनिक यात्रियों की समस्याएं हाशिए पर चली जा रही हैं? आम यात्री के लिए यह सवाल इसलिए भी अहम है क्योंकि उसका सीधा सरोकार सुरक्षित और समय पर घर पहुंचने से है, न कि भविष्य की किसी हाई-स्पीड ट्रेन से, जिसका लाभ सीमित वर्ग तक ही पहुंच सकता है। इस आलोचना को और मज़बूती सरकार के पिछले रिकॉर्ड से मिलती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुलेट ट्रेन परियोजना की घोषणा करते समय कहा था कि भारत में 2022 तक बुलेट ट्रेन चलने लगेंगी। आज उस समय-सीमा के काफ़ी आगे निकल जाने के बाद भी, बुलेट ट्रेन परियोजना की प्रगति को देखकर यह नहीं लगता कि मौजूदा कार्यकाल में यह सपना साकार हो पाएगा। ऐसे में नए हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणाएँ स्वाभाविक रूप से संदेह के घेरे में आ जाती हैं। रेल कनेक्टिविटी का सवाल केवल भविष्य की तेज़ ट्रेनों से नहीं जुड़ा है, बल्कि वर्तमान की विश्वसनीय व्यवस्था से भी जुड़ा है। बजट में फ्रेट कॉरिडोर और माल ढुलाई पर ज़ोर देना आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इससे लॉजिस्टिक्स सुधर सकता है और उद्योगों को लाभ मिल सकता है, जिसका अप्रत्यक्ष असर मुंबई जैसे बंदरगाह और व्यापारिक शहरों पर पड़ेगा। लेकिन यात्री कनेक्टिविटी, खासकर शहरी और उपनगरीय रेल सेवाओं की गुणवत्ता, अब भी नीति-निर्माण में अपेक्षित स्थान पाती नहीं दिखती। कुल मिलाकर, यह बजट रेलवे और रेल कनेक्टिविटी के लिए बड़े दावे और आकर्षक विज़न पेश करता है। लेकिन किसी भी विज़न की सफलता उसकी घोषणाओं से नहीं, बल्कि उसके क्रियान्वयन से तय होती है। मुंबई जैसे शहरों के लिए तेज़ रफ़्तार के सपनों से ज़्यादा ज़रूरी है एक ऐसी रेल कनेक्टिविटी, जो सुरक्षित, सुलभ, किफ़ायती और भरोसेमंद हो। जब तक नीति का केंद्र आम यात्री की रोज़मर्रा की यात्रा नहीं बनता, तब तक रेल बजट से जुड़े बड़े वादे ज़मीनी बदलाव का भरोसा नहीं जगा पाएँगे। यही कसौटी किसी भी बजट की असली सफलता तय करती है।यह लेखक के निजी विचार हैं।

वर्ग पहेली 5992

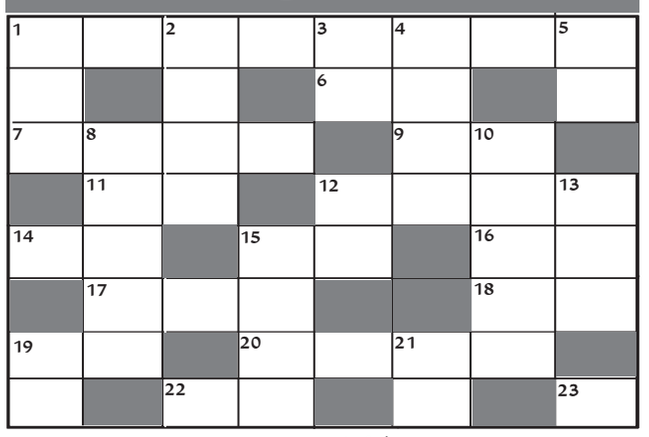

संकेतः बाएं से दाएं
1. 8 जून 1936 इंडियन स्टेट ब्राउकास्टिंग सर्विस का नाम बदलकर यह रख दिया गया (8)
8. टेढ़ापन, दोष, कुटिल (2)
7. इस्लामी नवां महिना जिसमें मुस्लिम दिनभर रोजा रखते है (4)
9. वज्र, बिजली (2)
11. मैं का बहुवचन (2)
12. सर्वश्रेष्ठ होने या वरीय होने का भाव (4)
14. आकाश, जल, वायु (2)
15. ईश्वर का एक नाम हजरत मुहम्मद के दामाद और चौथे खलीफा (2)
16. गढ़, कोट, दुर्ग (2)
17. पूजा करने वाला, भक्त (3)
18. रात्रि, रात, यामिनी (2)
19. पूरा, पूरी तरह भरा हुआ (2)
20. जिसे उर्दू में कुर्बानी कहा जाता है (4)
22. विवाह के समय वर को पहनाया जाने वाला ताड़पत्र (2)
23. शास्त्रीय संगीत में षड्जस्वर, सादृश्य (1)

ऊपर से नीचे
1. विश्व सिनेमा का सबसे बड़ा अवार्ड (3)
2. प्रबंध, व्यवस्था (4)
3. तिब्बत और मध्य एशिया में होने वाला एक जंगली भैसा (2)
4. रूपए के मूल्य के छोटे-छोटे सिक्के (4)
5. जोड़, मिलाप, संबंध, लगाव (2)
8. अधिक महत्व का (5)
10. आरके बैनर की फिल्म बरसात से अपना सरगीम सफर शुरू करने वाली संगीतकार जोड़ी में से एक (5)
12. उत्तराधिकारी, महात्मा, ऋषि (2)
13. जलाशय, सरोवर (3)
15. यशस्वी मुगल सम्राट जिसने दीन-ए-इलाही धर्म चलाया (3)
16. गढ़, कोट, दुर्ग (2)
19. अर्चना, पूजन, वंदना (2)
21. हक या स्वामित्व (2)

वर्ग पहेली 5991 का हल

म	हे	श	भू	प	ति	■	डै
त	ल	ब	■	थि	र	क	ना
ग	न	■	■	क	प	ट	■
ण	■	ना	ना	■	■	नी	म
ना	म	ज	द	गी	■	■	ह
■	म	नी	■	ता	ल	मे	ल
सं	ता	न	■	द	■	म	■
ज्ञा	■	■	द	त्त	■	ना	रा

लोकलुभावन की बजाय देश को कर्ज से निकालने की पहल, सरकार ने दिए अलग संदेश

(विनोद पाठक)

केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में जब अपना 9वां बजट भाषण पढ़ना शुरू किया तो सत्ता के गलियारों में चर्चा थी कि क्या सरकार आगामी विधानसभा चुनावों या वैश्विक मंदी की आहट के बीच कोई बड़ा धमाका करेगी, लेकिन डेढ़ घंटे के बाद यह स्पष्ट हो गया कि वित्तमंत्री ने लोकलुभावन के बजाय बचत का रास्ता चुना। राजकोषीय घाटे को 4.4 प्रतिशत पर सीमित रखना बड़ी उपलब्धि तो है, लेकिन शेयर बाजार की मायूसी यह सवाल खड़ा करती है कि क्या देश की वित्तीय सेहत सुधारने की कवायद में हम विकास की रफ्तार को नजरअंदाज कर रहे हैं?

वित्तमंत्री ने राजकोषीय घाटे को 4.4 प्रतिशत पर लाकर एक कड़ा संदेश दिया कि वह देश को कर्ज के जाल से बाहर निकालना चाहती हैं। कम घाटे का अर्थ है कि सरकार को बाजार से कम उधार लेना पड़ेगा। इससे निजी क्षेत्र के लिए कर्ज की उपलब्धता बढ़ेगी और ब्याज दरों में गिरावट की संभावना बनेगी। यह वैश्विक रेटिंग एजेंसियों, जैसे मूडीज और फिच को सकारात्मक संकेत देता है, जिससे विदेशी निवेश का मार्ग प्रशस्त होता है। हालांकि, इसका नकारात्मक पक्ष यह है कि घाटे को कम करने के लिए सरकार को अपने खर्चों पर लगाम लगानी पड़ी है। यही वह बिंदु है, जहां बाजार और सरकार के हित आपस में टकरा रहे हैं।

वित्तमंत्री से शेयर बाजार को उम्मीद थी कि वो अर्थव्यवस्था में नकदी बढ़ाएंगी, लेकिन बजट ने इसके उल्ट काम किया। बाजार की निराशा के तीन मुख्य बिंदु हैं। पहला, पिछले तीन वर्षों में पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) में 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखने को मिली थी। इस बार इसे केवल 10 प्रतिशत बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपए किया गया। निवेशकों को डर है कि इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में निवेश कम होने से सीमेंट, स्टील और लॉजिस्टिक कंपनियों की ग्रोथ सुस्त पड़ जाएगी। दूसरा, मध्यम वर्ग और ग्रामीण आबादी के लिए किसी बड़ी टैक्स कटौती या नकद हस्तांतरण की अनुपस्थिति ने बाजार को चौंका दिया। बाजार का मानना है कि जब तक आम आदमी की जेब में अतिरिक्त पैसा नहीं आएगा, तब तक ऑटोमोबाइल और एफएमसीजी जैसे सेक्टरों में मांग नहीं बढ़ेगी। तीसरा, बाजार किसी बड़ी स्ट्रक्चरल रिफॉर्म की उम्मीद कर रहा था, जैसे कि विनिवेश का नया लक्ष्य या बैंकिंग क्षेत्र में निजीकरण की स्पष्ट समय सीमा। इन पर चुप्पी ने निवेशकों को मुनाफावसूली के लिए उकसाया।

कुल मिलाकर, बजट एक यथास्थिति वाला बजट है। यह उन लोगों के लिए अच्छा है, जो वित्तीय स्थिरता और कम मुद्रास्फीति चाहते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए निराशाजनक है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था में रॉकेट जैसी रफ्तार देखना चाहते थे। निश्चित रूप से वित्तमंत्री ने साहस के ऊपर स्थिरता को वरीयता दी है। बाजार की तात्कालिक प्रतिक्रिया भले नकारात्मक है, लेकिन दीर्घकालिक रूप से 4.4 प्रतिशत का राजकोषीय घाटा भारतीय अर्थव्यवस्था की साख को वैश्विक पटल पर मजबूत करेगा। अब गेंद निजी क्षेत्र के पाले में है, क्या वे सरकार द्वारा छोड़े गए 'क्रेडिट स्पेस' का लाभ उठाकर निवेश बढ़ाएंगे? यह लेखक के निजी विचार हैं।

आज का राशिफल

मेष
आज का दिन घर में उपयोग होने वाली वस्तुओं में वृद्धि होगी। नौकरी में अधीनस्थ कर्मचारी या किसी रिश्तेदार के कारण तनाव पैदा हो सकता है। इस समय आपको रुपए-पैसे के लेन-देन में सावधानी बरतनी होगी। ससुराल पक्ष से भी आपको लाभ मिलता हुआ दिखाई दे रहा है। हालांकि, वाहन के प्रयोग में आपको सावधानी रखनी होगी।

वृष
आज जीविका के क्षेत्र में चल रहे आपके प्रयास फलीभूत होंगे। इस दौरान आपको राजनीतिक सहयोग भी मिलेगा। हालांकि, स्वास्थ्य के प्रति आपको थोड़ा सतर्क रहना होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी भी विवाद से दूरी बनाकर रखना आपके हित में होगा। वहीं, विरोधी भी आपके परास्त होंगे।

मिथुन
आज आपका मन शांत बना रहेगा। अष्टम भाव में बुध से व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। इस दौरान किसी प्रकार का उपहार व सम्मान भी मिल सकता है। किसी कार्य के संपन्न होने से आपके स्वभाव एवं वर्चस्व में वृद्धि होगी। हालांकि, ससुराल पक्ष से किसी बात को लेकर मनमुटाव हो सकता है।

कर्क
आज आपके कोष में वृद्धि का संकेत दे रहा है। ऐसे में आपका दांपत्य जीवन सुखमय बना रहेगा। इस दौरान धन, पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि की प्रबल संभावना है। हालांकि, किसी शारीरिक व मानसिक समस्या से आपकी परेशानी बढ़ सकती है। छात्रों को सफलता मिलेगी और परीक्षा की दिशा में किया गया प्रयास सार्थक होगा।

सिंह
आज का दिन घर में प्रभाव और प्रताप को बढ़ाने वाले हैं। ऐसे में रोजी और रोजगार की दिशा में आपको सफलता मिलेगी। उपहार व सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। इस दौरान आप दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। कोई रुका हुआ कार्य इस सहयोग से पूरा करने में सफल रहेंगे। यात्रा की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

कन्या
आज का दिन शुभ व्यय में बढ़ोतरी होगी। इससे आपका मान-सम्मान और कीर्ति में वृद्धि होगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों को अपने कार्यों में सफलता मिलेगी। हालांकि, आपको अपने खान-पान में संयम रखना होगा। इसके साथ ही अनावश्यक खर्चों को भी कंट्रोल करना होगा। विरोधियों पर आपको जीत मिलेगी।

तुला
आज एकादश भाव में चन्द्रमा के प्रभाव से राजनीतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। आपको शासन और सत्ता का पूरा सहयोग मिलेगा। इसके साथ ही कुछ लोगों के पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखेंगे तो आपके लिए लाभकारी रहेगा।

वृश्चिक
आज पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। घर-परिवार के वरिष्ठ लोगों का आपको सहयोग मिलेगा। इसके अलावा शासन और सत्ता के सहयोग से कोई रुका हुआ कार्य पूरा हो जाएगा। हालांकि, आपको थोड़ा सतर्क भी रहना होगा। किसी मूल्यवान वस्तु के खोने व चोरी की संभावना दिख रही है। फिलहाल अपनी फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

धनु
आज का दिन आपके लिए आर्थिक दिशा में सफलता दिलाने वाला रहेगा। वाणी की सौम्यता के कारण आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वहीं, ससुराल पक्ष से लाभ मिलता हुआ दिख रहा है। हालांकि, स्वास्थ्य के प्रति थोड़ा सचेत रहना होगा। फिलहाल अपने खान-पान में संयम बरतें।

मकर
आज आपकी व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति आपको थोड़ा अधिक सचेत रहना होगा। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान आपको मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आपको अपने विरोधियों पर जीत मिलेगी।

कुंभ
आज बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की प्रबल संभावना है। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। व्यापार बढ़ने की सोच रहे हैं तो यह समय आपके लिए उत्तम रहेगा। खान-पान पर संयम रखें। ससुराल पक्ष से भी किसी तरह का लाभ मिल सकता है। हालांकि, झगड़े और विवाद से खुद को दूर रखें।

मीन
आज का दिन सुख और मित्र का भाव वाला है। इसके शुभ प्रभाव से आपको मान-सम्मान की प्राप्ति होगी और प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग हैं। रोजगार के क्षेत्र में चल रहे प्रयास सफल रहेंगे। राजनीतिक सहयोग से भी आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देना होगा। वाणी पर संयम रखने से रिश्तों में मधुरता आएगी।

कॉफी हो जाएगी महंगी, 2.5 प्रतिशत का इजाफा, किन-किन सामान के लिए करनी होगी जेब ढीली

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप कॉफी के शौकिन हैं तो आपके लिए बजट 2026 अच्छी खबर लेकर नहीं आया है। बजट 2026 में कॉफी मशीन पर मिलने वाली छूट को वापस ले लिया गया है। जिसकी वजह से मशीनें महंगी हो जाएंगी। ऐसे होने पर आपकी कॉफी महंगी हो जाएगी। मौजूदा समय में कॉफी मशीन पर 10 प्रतिशत की ड्यूटी लगती है। लेकिन छूट के बाद यह घटकर 7.5 प्रतिशत हो जाता है। लेकिन छूट के वापस लिए जाने की वजह से अब आपकी कॉफी महंगी हो

जाएगी। मशीनों के लिए पहले की तुलना में 2.5 प्रतिशत अधिक पैसा खर्च करना होगा। एक्सपर्ट्स के अनुसार रुपये का डॉलर के मुकाबले कमजोर होना भी एक बड़ा कारक बनकर इस साल उभरा है।

बजट 2026 के ऐलान से क्या-क्या हुआ महंगा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को संसद में पेश केंद्रीय बजट 2026-27 में सीमा शुल्क में कटौती की घोषणा की। इससे 17 कैंसर की दवाओं के साथ-साथ सात दुर्लभ बीमारियों के लिए विशेष चिकित्सकीय आवश्यकताओं वाली दवाओं एवं खाद्य पदार्थों के साथ-साथ माइक्रोवेव ओवन में उपयोग होने वाले कलपुर्जों की कीमत भी कम हो जाएगी।

31वीं बार डिविडेंड दे रही है जिलेट इंडिया लिमिटेड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारी भरकम डिविडेंड देने वाली कंपनियों में जिलेट इंडिया लिमिटेड का भी नाम आता है। कंपनी इस बार एक शेयर पर 180 रुपये का डिविडेंड दे रही है। इस डिविडेंड के लिए जो रिकॉर्ड डेट तय किया है वो इसी हफ्ते है। बता दें, कंपनी 31वीं बार निवेशकों को डिविडेंड देने जा रही है। स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में जिलेट इंडिया लिमिटेड ने बताया है कि 1 शेयर पर 120 रुपये का अंतरिम डिविडेंड और 60 रुपये का स्पेशल डिविडेंड दिया जाएगा। इस डिविडेंड के लिए कंपनी ने 4 फरवरी 2025, दिन बुधवार को रिकॉर्ड डेट तय किया है। बता दें, कंपनी के इतिहास में यह दूसरी बार है जब इतना

भारी भरकम डिविडेंड दिया जा रहा है। इससे पहले 2017 में जिलेट इंडिया लिमिटेड ने निवेशकों को एक शेयर पर 154 रुपये का डिविडेंड दिया था। इससे पहले कंपनी अगस्त 2025 में एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी। तब कंपनी ने योग्य निवेशकों को एक शेयर पर 47 रुपये का डिविडेंड दिया था। बता दें, कंपनी ने पहली बार निवेशकों को 2001 में एक शेयर पर 1.5 रुपये का डिविडेंड दिया था। पिछले एक हफ्ते में जिलेट इंडिया लिमिटेड को लेकर काफी चर्चा है। कंपनी के शेयरों की कीमतों में इस दौरान 9.30 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। हालांकि, इसके बाद भी एक साल शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक करीब 1 प्रतिशत का नुकसान हुआ है। आज सोमवार को कंपनी के शेयरों में प्री ओपनिंग सेशन के दौरान एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखने को मिली है।

बिटकॉइन 75000 डॉलर से नीचे

क्रिप्टो मार्केट में हाहाकार

नई दिल्ली, एजेंसी। बिटकॉइन की कीमत आज 2 फरवरी को 75,000 डॉलर से नीचे आ गई। क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में हाहाकार है और गिरावट की रफ्तार तेज हो गई है। कॉइनमार्केटकैप के आंकड़ों के अनुसार, सुबह लगभग 9-15 बजे (भारतीय समयानुसार) बिटकॉइन की कीमत 74,683.63 डॉलर पर थी। यह अप्रैल 2025 के बाद का सबसे निचला स्तर है, जब अमेरिका से शुरू हुए ट्रेड वॉर ने क्रिप्टोकरेंसी बाजार को मंदी के दौर में धकेल दिया था।

बिटकॉइन की कीमतें अपने 2025 के शिखर से लगभग 40 प्रतिशत गिर चुकी हैं। सिर्फ जनवरी में ही इसमें करीब 11 प्रतिशत की कमी आई है। यह अक्टूबर 2025 में शुरू हुई गिरावट के बाद लगातार चौथा महीना है जब बिटकॉइन नुकसान में रहा। यह 2018 के बाद से बिटकॉइन की सबसे लंबी गिरावट है। बिटकॉइन के साथ-साथ, दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी एथेरियम भी तेजी से गिरी है और यह 2,200 डॉलर के

महत्वपूर्ण स्तर से नीचे आ गई है।

ब्लूमबर्ग के अनुसार, खरीदारों की कमी, सकारात्मक गति और विश्वास की कमी के कारण क्रिप्टो संपत्तियों की बिकवाली तेज हो गई है। डेल्टा एक्सचेंज की रिसर्च एनालिस्ट रिया सहगल के मुताबिक, इस सप्ताह बिटकॉइन की कीमतों में तेज गिरावट देखी गई क्योंकि कम तरलता वाले सप्ताहांत के ट्रेड के दौरान 2 अरब डॉलर से अधिक की पोजीशन खत्म हो गईं। अक्टूबर वाली गिरावट के विपरीत, इस बार कोई स्पष्ट कारण, श्रृंखलाबद्ध बिकवाली या व्यवस्थागत झटका नहीं था। बस मांग में कमी, लिक्विडिटी का कम होना और बाजारों से अलग-थलग एक टोकन है। जनवरी में अमेरिकी स्पॉट बिटकॉइन ईटीएफ से 1.6 अरब डॉलर की शुद्ध निकासी ने इस बिकवाली को और बढ़ा दिया, जो संस्थागत जोखिम कम करने को दर्शाता है। सहगल ने बताया, व्यापक आर्थिक और भू-राजनीतिक कारकों ने गिरावट को गहरा किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा केविन वॉर्श को अगले फेडरल रिजर्व चेयर के रूप में नामित करने पर बाजारों ने नकारात्मक प्रतिक्रिया दी, जिन्हें एक कठोर मौद्रिक नीति का समर्थक माना जा रहा है। ट्रंप के इस कदम ने अमेरिकी डॉलर में तेजी ला दी और क्रिप्टो सहित जोखिम वाली संपत्तियों में बिकवाली बढ़ गई। सहगल ने आगे कहा, इसके साथ ही, भू-राजनीतिक तनाव, ईरान के अब्बास बंदरगाह पर विस्फोट की रिपोर्ट और अमेरिका-ईरान में बढ़ोतरी की आशंका ने सुरक्षित संपत्तियों की ओर पलायन को बढ़ावा दिया, जिससे डिजिटल संपत्तियों पर दबाव और बढ़ा। तकनीकी रूप से, बिटकॉइन अभी भी 80,000-82,000 डॉलर के अपने महत्वपूर्ण प्रतिरोध स्तर से नीचे है, और इसके नीचे जाने का लक्ष्य 72,000-70,000 डॉलर के आसपास है।

ब्रिन ने दिया सबसे बड़ा पब्लिक डोनेशन

नई दिल्ली, एजेंसी। गूगल के को-फाउंडर और दुनिया के टॉप रईसों में शामिल सर्गेई ब्रिन ने अपना अब तक का सबसे बड़ा पब्लिक डोनेशन दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने एक नए कोएलिशन बेटर केलिफार्निया को 20 मिलियन डॉलर यानी करीब 1,83,61,96,000 रुपये का दान दिया है। इसका मकसद कैलिफोर्निया में सस्ते मकानों की समस्या का समाधान करना है। ब्रिन के अलावा सिलिकॉन वैली के कई दूसरे टेक लीडर्स ने भी इस मुहिम को दान दिया है। कुल मिलाकर 35 मिलियन डॉलर का डोनेशन दिया गया है। दान देने वालों में गूगल के पूर्व सीईओ एरिक श्मिट, वेंचर कैपिटेलिस्ट माइकल मोरित्ज, पेपाल के सीईओ मैक्स लेवचिन, स्ट्राइप के पैट्रिक कोलिसन, के टॉनी शू और जॉन डूर शामिल हैं। श्मिट और मोरित्ज ने 2 मिलियन डॉलर का दान दिया जबकि लेवचिन का डोनेशन 1 मिलियन डॉलर था। इन रईसों

ने यह डोनेशन ऐसे समय दिया है जब कैलिफोर्निया की सरकार अमीरों पर 1 फीसदी का वेल्थ टैक्स लगाने की तैयारी में है। ब्रिन ने पिछले साल 1.1 अरब डॉलर के शेयर डोनेट किए थे।पिछले साल ब्रिन ने करीब 1 अरब डॉलर के शेयर ट्रांसफर किए थे। इस नॉन-प्रॉफिट ऑर्गनाइजेशन की स्थापना 2021 में ब्रिन ने ही की थी। साथ ही ब्रिन ने 45 मिलियन डॉलर माइकल जे फॉक्स फाउंडेशन और 90 मिलियन डॉलर अपने परिवार के फाउंडेशन को दिए थे। मई में उन्होंने 700 मिलियन डॉलर का दान दिया था। इस तरह ब्रिन के लिए पिछले साल सबसे ज्यादा दान किया। पिछले साल गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट के शेयरों में काफी तेजी आई थी। कंपनी में ब्रिन की 6 फीसदी हिस्सेदारी है। पिछले साल उनकी नेटवर्थ में 97.3 अरब डॉलर की तेजी आई थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने हाल में नेवादा में दो प्रॉपर्टीज खरीदी हैं। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ 269 अरब डॉलर है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। उनसे आगे एलन मस्क (676 अरब डॉलर) और लैरी पेज (289 अरब डॉलर) हैं। ब्रिन की नेटवर्थ मुकेश अंबानी और गौतम अडानी की कंबाइंड नेटवर्थ से ज्यादा है।

4500 कमाई से माता-पिता को ऑडी गिफ्ट करने तक

पुणे के दो भाइयों ने अपनी मेहनत और लगन से वो कर दिखाय

नई दिल्ली, एजेंसी। पुणे के दो भाइयों ने अपनी मेहनत और लगन से वो कर दिखाया, जिस पर यकीन करना मुश्किल है। कभी 4,500 रुपये महीने कमाने वाले रोहित नंदेश्वर और उनके भाई ने अपने माता-पिता को एक शानदार ऑडी कार गिफ्ट की। यह कहानी सिर्फ एक कार खरीदने की नहीं, बल्कि गरीबी से अमीरी तक के सफर की है। इसमें परिवार का प्यार और भाईचारे की ताकत साफ दिखती है।

रोहित और उनके भाई का बचपन तंगहाली में बीता। उनका घर छोटा था। छत टपकती थी। दीवारें टूटी हुई थीं। पैसों की तंगी हमेशा बनी रहती थी। लेकिन, घर में प्यार की कोई कमी नहीं थी। रोहित बताते हैं, मैं ऐसे घर में पला-बढ़ा जहां पैसे की कमी थी, लेकिन प्यार कभी कम नहीं लगा। उनके पिता 35 साल तक ऑटो रिक्शा चलाते रहे। मां घर की सारी जिम्मेदारियां संभालती थीं। थोड़ी सी बचत करके उन्होंने पिता को अपना रिक्शा खरीदने में मदद की। उससे आमदनी थोड़ी बढ़ गई। लेकिन, जीवन आसान नहीं था। स्कूल की फीस, बहन की शादी और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां परिवार को हमेशा चिंता में रखती थीं।

साल 2018 में रोहित ने स्टॉक मार्केट के बारे में सीखना शुरू किया। शुरुआत में सब ठीक चल रहा था। लेकिन, तभी कोरोना महामारी आ गई। एक ही महीने में रोहित को करीब 2 लाख रुपये का नुकसान हुआ। ईएमआई और कर्ज का बोझ और बढ़ गया। इस मुश्किल वक्त में उनके परिवार ने उनका साथ नहीं छोड़ा। पिता के शब्द उन्हें हिम्मत देते रहे- ईमानदारी से काम कर; नसीब हर बार साथ नहीं देता। रोहित ने हार नहीं मानी। वह सीखते रहे। मेहनत करते रहे। तीन साल बाद वह न सिर्फ नुकसान से उबरे, बल्कि पहले से कहीं ज्यादा तरक्की की।

जब हालात सुधरे तो भाइयों ने अपने माता-पिता के लिए कुछ खास करने का फैसला किया। उन्होंने अपने पिता के लिए एक लग्जरी कार खरीदने की सोची। दिसंबर 2025 में वे बिना बताए अपने पिता को शोरूम ले गए।

4,500 रुपये महीने की नौकरी की

बचपन से ही दोनों भाइयों ने परिवार का हाथ बंटाना शुरू कर दिया था। रोहित ने कम उम्र में ही काम करना शुरू कर दिया था। उन्होंने ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे को बताया, मैंने सिम कार्ड बेचे, दिन में साइबर कैफे में काम किया और रात में पैम्फलेट बांटे। 2015 में मैं 4,500 रुपये महीने पर एचआर असिस्टेंट बन गया। लेकिन, यह काफी नहीं था। मेरे भाई और मैंने एक छोटा इवेंट्स का बिजनेस भी चलाया। हर छोटे-बड़े काम ने उन्हें जिम्मेदारी सिखाई और परिवार को सहारा दिया।

1.71 लाख सस्ती हुई चांदी, सोना 40000 रुपये टूटा

नई दिल्ली, एजेंसी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोमवार,2 फरवरी को भी चांदी की कीमतों में गिरावट जारी रही, जो पिछले दो दिनों से चली आ रही तेज मंदी का हिस्सा है। चांदी अब गुरुवार (30 जनवरी) को बने अपने रिकॉर्ड हाई 4,20,000 रुपये से 40 प्रतिशत से भी अधिक नीचे आ गई है। यानी करीब 1.71 लाख रुपये टूट चुकी है। इस गिरावट का कारण डॉलर का मजबूत होना और आज से सीएमई एक्सचेंज द्वारा बढ़ाई गई मार्जिन जरूरतें लागू होना है। एमसीएक्स पर चांदी की कीमत 6 प्रतिशत गिरकर 2,49713 रुपये प्रति किलोग्राम के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गई। हालांकि, वैश्विक बाजारों में सुधार देखा गया, जहां स्पॉट सिल्वर में 8 प्रतिशत से अधिक की तेजी आकर 84.140 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई, जबकि एशियाई व्यापार के शुरुआती घंटों में इसमें लगभग 12 प्रतिशत की गिरावट आई थी। सोमवार के सत्र में एमसीएक्स पर सोने की कीमतों में भी गिरावट दर्ज की गई, जिससे पिछले एक दशक से अधिक समय में आई सबसे तेज एक-दिन की गिरावट के बाद नुकसान और बढ़ गया। एमसीएक्स सोना 1.5 प्रतिशत गिरकर 1,40,000 रुपये प्रति दस ग्राम के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया। यानी ऑल टाइम हाई से करीब 40000 रुपये सस्ता हो गया है। लेकिन, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में, स्पॉट गोल्ड एशियाई व्यापार के समय 4 प्रतिशत गिरने के बाद 1 प्रतिशत तक उभर आया। अभूतपूर्व ऊंचाई पर पहुंच गई थीं, जिसने अनुभवी व्यापारियों को भी आश्चर्यचकित कर दिया था। जनवरी में यह रैली और तेज हो गई क्योंकि निवेशक भू-राजनीतिक अस्थिरता, कमजोर होती मुद्राओं और फेडरल रिजर्व की स्वतंत्रता पर सवालों के बीच सोने-चांदी की ओर दौड़ पड़े।

चीन से अतिरिक्त सट्टेबाजी ने इस तेजी को और हवा दी। उच्च जोखिम प्रोफाइल के लिए, मार्जिन 6.6 प्रतिशत से बढ़कर 8.8 प्रतिशत हो जाएगा। सिल्वर के फ्यूचर्स के लिए, गैर-उच्च जोखिम प्रोफाइल के लिए मार्जिन 11 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया जाएगा, जबकि उच्च जोखिम वाले खातों के लिए, यह आवश्यकता 12.1 प्रतिशत से बढ़ाकर 16.5 प्रतिशत कर दी जाएगी।

5 साल में 870 प्रतिशत रिटर्न छोटे से शेयर में 5 प्रतिशत के अपर सर्किट का क्या है राज

नई दिल्ली, एजेंसी। हैदराबाद की छोटी सी कंपनी एमआइसी इलेक्ट्रॉनिक्स ने दिसंबर 2025 तिमाही के मिले-जुले नतीजे दिए हैं। कंपनी का कुल रेवेन्यू पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले लगभग 668 प्रतिशत बढ़कर 90.23 करोड़ रुपये हो गया। पिछली तिमाही (सितंबर 2025) की तुलना में भी यह 138 प्रतिशत ज्यादा है। हालांकि, मुनाफे पर दबाव बना हुआ है। नेट प्रॉफिट 13.36 प्रतिशत घटकर 1.88 करोड़ रुपये रह गया, जो पिछले साल और पिछली तिमाही दोनों की तुलना में कम है। रेवेन्यू में भारी बढ़ोतरी के बावजूद, कंपनी के मार्जिन सिकुड़ गए हैं। ऑपरेटिंग मार्जिन पिछली तिमाही के 10.06 प्रतिशत से घटकर 4.40 प्रतिशत रह गया है। नेट प्रॉफिट मार्जिन भी 5.73 प्रतिशत से घटकर 2.08 प्रतिशत पर आ गया है, जिससे इस विकास की टिकाऊपन पर सवाल उठ रहे हैं। सोमवार, 2 फरवरी को कंपनी के शेयर की कीमत में 5 प्रतिशत का उछाल (अपर सर्किट) देखा गया और यह 42.82 रुपये पर पहुंच गया। कंपनी की बाजार पूंजी लगभग 998 करोड़ रुपये है। हाल के समय में यह स्मॉल-कैप का शेयर पिछड़ा रहा है। पिछले एक साल में यह 45 प्रतिशत गिरा है। पिछले छह महीने में 16 प्रतिशत, तीन महीने में 19 प्रतिशत और एक महीने में 4.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है।

विदेशों में पॉपर्टी खरीदी है तो आपके लिए बजट 2026 हुए हैं अच्छे प्रावधान

विदेशी प्रॉपर्टी से आमदनी भारत में टैक्स लगेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। इस समय विदेशों में रियल एस्टेट में निवेश का चलन बढ़ा है। अब उद्योगपति या कारोबारी ही नहीं, प्रोफेशनल्स और नौकरीपेशा लोग भी विदेश में प्रॉपर्टी खरीद रहे हैं। इसके पीछे कई वजहें हैं, जैसे बच्चों की पढ़ाई विदेश में होना या फिर अपने पैसे को अलग-अलग जगहों पर लगाना ताकि रिस्क कम हो। इनके लिए इस बार के बजट में भी घोषणा हुई है। इस बारे में जानते हैं चार्टर्ड अकाउंटेंट सी. कमलेश कुमार से। अगर आप भारत के नागरिक हैं और विदेशों में प्रॉपर्टी खरीदते हैं, तो आपको आरबीआई की एलआरएस यानीदारीकृत प्रेषण योजना का पालन करना होगा। रिजर्व बैंक की इस स्कीम के तहत, कोई भारतीय किसी वित्तीय वर्ष में अधिकतम 2,50,000 ही विदेश भेज सकते हैं। ऐसा देखा गया है कि परिवार के सदस्य मिलकर अपने एलआरएस की लिमिट का इस्तेमाल कर लेते हैं। और फिर विदेश में एक प्रॉपर्टी खरीद लेते हैं। यहां ध्यान देने योग्य बात यह है कि आप चाहें तो किश्तों में भी पेमेंट कर सकते हैं। लेकिन, हर बार भेजी गई रकम साल की लिमिट के अंदर होनी चाहिए। साथ ही यह ट्रांसफर बैंकिंग चैनल से ही होना चाहिए। दरअसल,विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 (फेमा) के नियमों का पालन करने के लिए सही कागजात रखना बहुत जरूरी है। अब आपके मन में सवाल उठता होगा कि जब विदेशों में प्रॉपर्टी

खरीदी है तो उससे कुछ आमदनी भी होगी। उस पर कराधान के नियम क्या हैं। तो आप जान लें कि विदेश में खरीदी गई प्रॉपर्टी से होने वाली कमाई, भारत में रहने वाले लोगों के लिए यहां टैक्सेबल (कर योग्य) होती है। इसमें इसके कोई मायने नहीं होते कि किराये का भुगतान भारत में किया गया है या विदेश में। अगर आपको विदेश से किराया मिलता है, तो आपको इसकी जानकारी अपने भारतीय टैक्स रिटर्न में देनी होगी, भले ही उस पर विदेश में टैक्स लग चुका हो। अगर किसी आमदनी पर दो देशों में टैक्स लगता है, तो भारत के टैक्स ट्रीटी के तहत आपको विदेश में भरे गए टैक्स का क्रेडिट मिल सकता है।

विदेशों में प्रॉपर्टी खरीदने के लिए लिए आप बैंक से नियमानुसार लोन भी ले सकते हैं। बैंकों से लिए गए लोन पर आज जो ब्याज चुकाते हैं, उस पर आप टैक्स में छूट का क्लेम कर सकते हैं। लेकिन यहां यह देखना होगा कि वह तय लिमिट के अंदर हो। अगर आप विदेश में खरीदी हुई प्रॉपर्टी बेचते हैं और इस सौदे में आपको मुनाफा होता है, तो उस पर होने वाले कैपिटल गेन पर भी भारत में टैक्स भरना होगा। यहां भी टैक्स ट्रीटी के तहत फॉरेन टैक्स क्रेडिट का फायदा मिल सकता है, जिससे डबल टैक्सेशन से बचा जा सकता है। यह याद रखना बहुत जरूरी है कि विदेश में खरीदी गई सभी प्रॉपर्टी की जानकारी आपको अपने भारतीय टैक्स रिटर्न में देनी होगी। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो काला धन अधिनियम , 2015 के तहत आप पर भारी जुर्माना लग सकता है और कानूनी कार्रवाई भी हो सकती है।

HIMACHAL PRADESH
PUBLIC WORKS DEPARTMENT

Short term E-Procurement Notice
INVITATION FOR BIDS (IFB)

The Executive Engineer HP PWD Division Nalagarh Distt. Solan HP on behalf of Governor of HP invites the online bids on percentage rate, in electronic/ nic tendering system,in 2 cover system for the under mentioned work from the eligible and approved contractors.firms registered with HPPWD Department.

Job No	Name of Work	Estimated Cost (In Rs.)	Earnest Money (In Rs.)	Time Allowed	Cos,of Form	Eligibility of Contractor
1	R/R damages on link road Tallad Ghat Award road in km 0/0 to 5/00 (SH:- C/O B/wall and V- shape Drain at RD 1/230 to 1/280and B/wall 3/120 to 3/140, 4/140 to 4/158) under PDNA LAt 341.055 LOG. 76.5051, LOG 31.0.29 LAT 76.51.18, LOG 31.0.12 LAT 76.51.39).	831,238/-	16600	3 Months	350/-	C &D
2	R/R damages on link road Changer Ghumarn Nisal km 0/0 to 4/100 (SH:- P/L wire crate in R/wall at RD 0/140 to 0/155, 0/320 to 0/338, 0/470 to 0/476,0/810 to 0/830, 1/350 to 1/372 and 2/630 to 2/640) Under PDNA.	11,65,311	23,500	3 Months	500/-	C &D
3	R/R damages on link road Thyoda jubber road in km 0/0 to 4/500 (SH:- P/L Wire crate in R/wall at RD 4/360 to 4/371, 4/560 to 4/570, B/wall at RD 3/140 to 3/155 and 3/560 to 3/574) under PDNA	4,58,177	9300	3 Months	350/-	C &D
4	R/R of damages on Ramshehar Suna Nerli road in km 0/0 to 25/070 (SH:- C/O R/wall at RD 10/380 to 10/400, 16/500 to 16/515 and B/wall at RD 15/105 to 15/125, 15/755 to 15/770 and 16/410 to 16/425) under PDNA	9,04,247/-	18,200	3 Months	350/-	C &D
5	R/R damages on Gabarmod to Dharmana road in km 0/0 to 9/160 (SH:- C/O R/wall at RD 2/500 to 2/515, 4/420 to 4/450 and B/wall at RD 0/400 to 0/426) under PDNA	5,92,144/-	12,000	3 Months	350/-	C &D
6	R/R damages on Ramshehar Kuwarni road in km 0/0 to 11/750and RR damages link road Kunplate to Nand km 0/0 to 11/00 (SH:-P/L wire crate in R/wall at RD 6/960 to 6/973 and (SH:- C/O B/wall at RD 3/420 to 3/430, 3/500 to 3/515) under PDNA	3,70,471/-	7400	3 Months	350/-	C &D
7	R/R damages on link road Raw Khan Katlu km 0/0 to 4/500 and SKRN road km 0/0 to 60/500 to 94/00 (SH:- C/O B/wall at RD 0/080 to 0/100, 0/160 to 0/180 and 1/060 to 1/087 (SH:- P/L wire crate at RD 75/400 to 75/412) Under PDNA	6,49,611/-	13,100	3 Months	350/-	C &D
8	R/R & R/D on ramshehar Sunna Nerli road in km 0/0 to 25/070 (SH:- C/O B/wall at RD 0/900 to 0/915).	1,30,709	2700	3 Months	350/-	C &D
9	R/R of rain damages on diggal Jagher via Dalchhamb km 0/0 to 6/640 (SH:-C/O R/wall at RD 1/720 to 1/735).	2,00,548	4050	3 Months	350/-	C &D
10	PMK/2024/44 C/O wire crate along side chikni khad near Gurudwara at Village Manguwal G.P Dhang Nichli mohal (C/O wire crate)	5,84,529/-	12,000	3 Months	350/-	C &D
11	A/R & M/O to HPPWD Rest House at Nalagarh (SH:- Painting and Repair of plaster etc).	7,66,627/-	15,500	3 Months	350/-	C &D
12	R/O rain damages on Changer Ghumarn Nisal road in km 0/0 to 4/100 (SH:- P/L wire crate in R/wall at RD 3/800 to 3/815).	3,42,857/-	6900	3 Months	350/-	C &D
13	R/R damages on Ramshehar Sunna Nerli road in km 0/0 to 25/070 (SH:- C/O Cause way with protection wall at RD 5/720).	4,49,645/-	9000/-	3 Months	350/-	C &D
14	A/R and M/O on Basowal Sultani Kotla kalan road in km 0/0 to 4/200 (SH:- C/O R/wall at RD 2/520 to 2/557).	7,63,508/-	15,250/- =/-	3 Months	350/-	C &D
15	R/R damages on SAKB road in km (SH:- P/L WMM in B/W km 70/660 to 70/890 and B/wall in km 70/700 to 70/715	4,25,082/-	8500/-	Three Month	350/-	C &D
16	R/R damages on link road to Village Kot in km 0/0 to 3/500 (SH:- C/O B/wall at RD 0/260 to 0/310 and wire crate in R/wall at RD 0/260 to 0/275).	8,01,690/-	16,500/-	Three Month	350/-	C &D
17	A/R and M/O on SKRN road in km 102/00 to 112/00 (MDR-0077 (SH:- C/O u-shape Drain in km 111/980 to 112/130).	6,32,466/-	12,750/- /-	Three Month	350/-	C &D
18	R/R damages on various road in section nalagarh-I(Slice-IV) under Nalagarh Sub Division (SH:- Hiring of JCB	4,99,590/-	10,000/-	Four Month	350/-	C &D
19	PMK/2024/88 C/O link road from Baba Barchiwala to the house of Sh Puran Chand km 0/0 to 0/358, balance work there of	11,99,762	24,000/-	Three Month	500/-	C &D
20	R/O rain damages on link road Chachi to Chimey ki Bed km 0/0 to 0/600 (SH:- P/L Wire crate in R/wall at RD 0/375 to 0/400).	8,87,860	17,800/-	Three Month	350/-	C &D
21	R/R damages on Kashmirpur bridge on Panjehra Deoli road km 0/0 to 5/00 (SH:- C/O protection wall with wire crate and Channelization of bridge span at RD 1/080).	7,84,445/-	15,750/-	Three Month	350/-	C &D
22	R/R damages on Sai Bawasani road in Km 16/00 to 20/200 (SH C/O R/wall at KM 20/150 to 20/170)	3,20,922/-	6500/-	Two Month	350/-	C &D

Availability of Bid Document and mode of submission: The Bid document is available online and bid should be submitted in online mode on website **https://hptenders.gov.in**. Bidder would be requird to register in the web-site which is free of cost. For submission of bids, the bidder is required to have Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized certifying authorities (CA) "Aspiring bidders who have not obtained the user ID and password for participating in e-tendering in HPPWD may obtain the same from the website: **https://hptenders.gov.in**. Digital signature is mandatory to participate in the e-tendering. Bidders already possessing the digital signature issued from authorized CAs can use the same in this tender.

2. Key dates.

1.	Date of Online Publication	3-02-2026 10:00 AM
2.	Document Download Start Date	03-02-2026 11:00 AM
3.	Bid Submission Start and End Date	03-02-2026 at 11:00 AM to 13-02-2026 at 10:30 AM
5	Date of Opening of Bid	13-02-2026 at 11:30 AM

The bidders are advised to note other details of tenders from the department website **www.hptenders.gov.in.**

Executive Engineer
Nalagarh Division
HPPWD Nalagarh
(On behalf of Governor of Himachal Pradesh

R.No. 6063/2025-2026

घर में पड़े ट्रॉफी और मेडल को लग रही है जंग, तो संभालने के लिए अपनाएं ये हैक्स

घर में पड़े लोहे और स्टील से बने सामान पुराने होने पर जंग खाने लगते हैं। ऐसा पानी और हवा में नमी के कारण होता है। अक्सर आपने लोहे वाले दरवाजे और खिड़कियों पर जंग लगते हुए देखा होगा। कई बार स्टोर में रखे हुए बर्तन और तांबे के बर्तनों में जंग लगते हुए आपने देखा होगा। इसी तरह ट्रॉफी और मेडल भी लंबे समय तक पड़े रहने की वजह से जंग खाने लगते हैं। कई लोगों के ट्रॉफी और मेडल का हाल ऐसा हो जाता है कि यह पूरी तरह से काले हो जाते हैं। इनपर लिखी हुई चीजें भी जंग लगने कारण गायब हो जाती है। आज के इस आर्टिकल में हम आपको ट्रॉफी और मेडल को जंग लगने से बचाने के कुछ ऐसे टिप्स बताएंगे, जिससे आप सालों तक इसे संभालकर रख सकते हैं।

ट्रॉफी और मेडल को जंग लगने से कैसे बचाएं?

अक्सर लोग ट्रॉफी और मेडल को अपने घर की ऊपर की दीवारों और अलमारी में सजाकर रखना पसंद करते हैं। कई लोग हैं, जो इसे अपने बेड और टेबल पर भी सजा कर रखते हैं। लेकिन लोग इसे बस सजाने के लिए रखकर छोड़ देते हैं, लेकिन इसकी रोज सफाई नहीं करते हैं। ट्रॉफी और मेडल पर हर दिन धूल-मिट्टी चढ़ती रहती है। इस वजह से यह समय के साथ काले पड़ने लगते हैं। अगर आप ट्रॉफी और मेडल को हमेशा नए जैसा रखना चाहते हैं, तो हर दिन आप इसे साफ कपड़े साफ करें। अगर आप हर दिन एक बार इनपर साफ कपड़ा मारते हैं, तो इन्हें जंग लगने से रोका जा सकता है।

ट्रॉफी और मेडल को कहां रखें?

कीचन या कूलर वाले कमरे में ट्रॉफी और मेडल रखने से भी इनपर जंग पड़ने लगता है। क्योंकि कूलर की हवा में नमी ज्यादा होती है। इसके अलावा किचन के पास वाले कमरे में अगर आपने अपनी ट्रॉफी और मेडल को सजाकर रखा है, तो इसकी वजह से भी इनपर जंग लगने लगता है। क्योंकि किचन में खाना बनने के कारण हवा में नमी और गर्मी अधिक होती है। इसलिए आप अपनी ट्रॉफी और मेडल को इन जगहों से दूर रखें। आप एल्युमिनियम फॉयल की मदद से भी जंग को हटाना सकते हैं।

ट्रॉफी और मेडल को इस तरह करें कवर

अगर आप ट्रॉफी और मेडल को सालों तक नए जैसा रखना चाहते हैं, तो आपको इसे कवर करके रखना चाहिए। आप इन्हें किसी ऐसी विजिबल पॉलीथिन में रख सकते हैं, जिसमें हवा न जाएं। इसके अलावा इन्हें को अलमारी में भी बंद करके रख सकते हैं। ट्रॉफी और मेडल को जितना हवा, धूल मिट्टी और पानी से बचाया जाएगा, उतनी ही यह लंबे समय तक चमकते रहेंगे।

आज के समय में बच्चों को सिर्फ शिक्षित होना ही काफी नहीं है, बल्कि उन्हें सामाजिक बनाना भी बेहद जरूरी है। तो चलिए कैसे उन्हें सोशल बना सकते हैं, इस बारे में एक्सपर्ट से जानते हैं।

सिर्फ एजुकेशन ही काफी नहीं!

बच्चों की सोशल एक्टिविटी भी बढ़ाएं

कुछ लोगों की तारीफ में आपने सुना होगा कि वह पढ़ा भले नहीं, लेकिन कढ़ा है। यह कढ़ा होना असल में किसी के सामाजिक होने की पहचान है। बच्चों में भी यह गुण विकसित करना जरूरी है। कई बार माता-पिता बच्चे को पढ़ाने पर तो पूरा जोर देते हैं, लेकिन उसकी सामाजिकता की अनदेखी कर देते हैं। कभी-कभी पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करने वाले बच्चे भी लोगों के साथ रहना और व्यावहारिक बनना नहीं सीख पाते हैं। कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखकर बच्चों को सामाजिक बनाया जा सकता है।

प्रश्न पूछना सिखाएं

संबंधों को मजबूत बनाने और बच्चों को सहज बनाने में प्रश्नों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए बच्चों को प्रश्न पूछना सिखाएं। उन्हें ऐसे प्रश्न पूछना सिखाएं, जिनका उत्तर केवल हां या ना में देना संभव न हो। आपसे भी बच्चा कोई प्रश्न करे तो उसे सिर्फ हां या ना बोलकर न टालें।

पसंद को पहचानें

बच्चे की पसंद को पहचानें और समान रुचि वाले अन्य बच्चों के साथ खेलने के लिए प्रेरित करें। इसके लिए आप बच्चे को उसकी पसंद के खेल वाले ग्रुप में भेज सकते हैं। वैसे तो बच्चे का सभी के साथ घुलना-मिलना जरूरी है, लेकिन इसकी शुरुआत अगर अपने जैसी पसंद वालों के साथ हो तो परिणाम और भी बेहतर हो जाता है। असल में यह बच्चे को सामाजिक बनाने की दिशा में पहली सीढ़ी है।

खेल-खेल में सिखाएं

बच्चों के साथ भूमिका बदलकर खेलना उन्हें सिखाने में मददगार होता है। अगर आपको लगता है कि बच्चा किसी से बोलने में हिचकता है, तो खेल-खेल में उसे उसी व्यक्ति की भूमिका निभाने को कहें। इससे आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि बच्चा किन बातों पर झिझकता है। ऐसे खेल को रोल प्ले कहा जाता है। बच्चे को सामाजिक बनाने में रोल प्ले की कारगर भूमिका हो सकती है।

सहानुभूति की सीख दें

अगर बच्चा लोगों की भावनाओं को समझने लगे, तो वह एक अच्छे और सामाजिक व्यक्तित्व के रूप में निखरकर सामने आता है। इसके लिए जरूरी है कि आप उसे लोगों की भावनाओं का सम्मान करना सिखाएं। उसके सामने किसी की तकलीफ का मजाक न उड़ाएं। एक सामाजिक व्यक्ति में लोगों की भावनाओं का सम्मान करने का सामर्थ्य होना चाहिए।

बनें आदर्श उदाहरण

बच्चे के सामने हमेशा अपने व्यवहार पर नियंत्रण रखें। लोगों से उसी तरह पेश आएं, जैसी आप अपने बच्चे से उम्मीद करते हैं। आप जैसा करेंगे, बच्चा वैसा ही सीखेगा। इसके अलावा अपने बच्चे की सीमा भी समझें। सभी बच्चे समान रूप से व्यवहार करें, यह जरूरी नहीं है। इस बात को स्वीकारना जरूरी है कि कुछ बच्चे अन्य की तुलना में कम सामाजिक होते हैं। अगर स्थिति चिंताजनक लगे तो डॉक्टर से मिलना चाहिए।

डार्क लिपस्टिक लगाने से पहले रखें ध्यान

आज के समय में हर महिला अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करना पसंद करती है। यह एक्सपेरिमेंट सिर्फ कपड़ों या स्टाइल तक ही सीमित नहीं होता, बल्कि मेकअप में भी बदलाव करके एक नया लुक पाया जा सकता है। शायद यही कारण है कि हर महिला की मेकअप किट में कई तरह के कलर्स आसानी से मिल जाते हैं। अगर आप भी इस बार पार्टी में न्यू लुक पाने के लिए डार्क लिपस्टिक लगाने का मन बना रही हैं तो कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखे

लिप्स को करें तैयार

होंठों का फटना एक आम समस्या है। इसलिए अगर होंठ ड्राई या फटे हैं तो पहले उसे एक्सफोलिएट करें। इसके लिए शहद में कुछ बूंदें नारियल तेल व एक चम्मच चीनी डालकर मिक्स करें और उसे होंठों पर लगाकर हल्के हाथों से रब करें। करीबन पांच मिनट बाद ठंडे पानी से होंठ साफ करें।

ऐसे करें शुरूआत

होंठों पर लिपस्टिक लगाने से पहले लिप प्राइमर लगाना जरूरी है। यह आपके लिप्स को एक बेस देते हैं। अगर आप चाहें तो लिप बाम की एक पतली सी लेयर भी लगा सकती हैं। इसके बाद फेस मेकअप करें। जब यह लिप बाम सूख जाए, तो टिश्यू पेपर की मदद से अतिरिक्त बाम को हटाएं और फिर डार्क लिपस्टिक अप्लाई करें।

लिप ब्रश का इस्तेमाल

लिपस्टिक अप्लाई करते समय इस बात का ध्यान रखना बेहद आवश्यक होता है, फिर चाहे आप लाइट लिपस्टिक लगाएं या डार्क। कभी भी लिपस्टिक को सीधे न लगाएं, बल्कि इसके लिए लिपब्रश का प्रयोग करें। ऐसा करने से होंठों के अंत पर भी लिपस्टिक बिना फैले हुए बेहद आसानी से लग जाती है। इतना ही नहीं, लिपब्रश की मदद से लिपस्टिक लगाने के पश्चात होंठों को एक नई डेफिनेशन मिलती है।

इसका रखें ध्यान

यह अवश्य सुनिश्चित करें कि वह आपकी स्किन टोन को कॉम्पलिमेंट करता हो।

हमसे से अधिकतर लोग ऐसे हैं, जो समय की कमी के कारण अपने वॉर्डरोब पर ध्यान नहीं दें पाते। जिसके कारण वॉर्डरोब में नए-पुराने कपड़ों का ढ़ेर लग जाता है। क्यों न समय का सही इस्तेमाल करते हुए अपने वॉर्डरोब को अपडेट किया जाएं। आइए जानते कुछ टिप्स-

- डार्क कलर के 1-2 पैंट्स अगर आपके वॉर्डरोब में हैं, तो नए लुक के लिए कुछ कलरफुल शॉर्ट कुर्ते खरीदें। कलमकारी, इकत या लखनवी चिकन के शॉर्ट कुर्ते अच्छे लगते है। साथ ही रूटीन में पहनें जानेवाले टॉप और पैंट स्टाइल को भी ब्रेक मिलता है।
- प्लेन टाइट टीशर्ट यदि आपके वॉर्डरोब में है तो इसको आप कलरफुल धोती पैंट के साथ आप टीमअप कर सकते है।
- यदि वॉर्डरोब में पुरानी प्रिंटेड सलवारों ने काफी जगह घेर रखी है, तो इनके उपर पहनने के लिए 1 से 2 कुर्ती खरीदें।
- यदि पेन्सिल जींस आपके पास हैंतो 1 से 2 फ्लोरल लॉन्ग लाइन शर्ट खरीदें।
- पुराने शॉर्टर्स अलनारी में है तो फिल नेक ब्लाउज टॉप या कॉन्ट्रास्ट बाइंजिंग नॉट टॉप खरीदें। नया टॉप पहनने पर पुराने शॉर्टर्स भी नए लुक में नजर आते है।
- अगर आपके पास कलरफुल लॉन्ग स्कर्ट है, तो उसके साथ शॉर्ट कुर्ती, टीशर्ट या लॉन्ग कुर्ते भी पहने जा सकते है।
- एलाइन फुल लेंथ स्कर्ट पहले से है, तो उसके साथ लॉन्ग कुर्ते पहनें, हील्स पहनें। इससे हाइट अच्छी दिखगी।
- शॉर्ट स्कर्ट के साथ जैगिंग्स पहनना ट्रेंडी लुक देगा। साथ में एक्सेसरी के तौर पर स्कार्फ भी लें।
- पैंट, जींस के लिए मल्टीपर्पस 5 लेअर हैंगर का इस्तेमाल करें। यह वॉर्डरोब की जगब को कम घेरेगा और वॉर्डरोब संवरा दिखेगा।
- सॉक्स और अंडरगारमेंट्स आर्गेनाइजर भी वॉर्डरोब को क्लीन लुक देते हैं। इसमें ब्रा का भी सेक्शन होना चाहिए। सिंगल पैडेड ब्रा, स्पोस्टर्स, ब्रा, टीशर्ट ब्रा, रेगलुर यूज के लिए 5 से 6 अलग-अलग ब्रा रखें। आयरन की हुई शर्ट या कुर्ते हैंगर में लटकाने से अगर जगह ज्यादा घिरती है, तो उसके लिए शर्ट ऑर्गनाइजर अच्छा रहेगा।
- होम स्ट्रेप हैगिंग ज्वेलरी ऑर्गेनाइजर वॉर्डरोब के अंदर की ओर किसी हुक पर लगाएं। इस पर अपनी चंकी ज्वेलरी, ब्रेसलेट, नेक पीस जैसी चीजें टांग सकती हैं, जिससे जरूरत के समय सामने नजर आए।

अपने वॉर्डरोब को करें अपडेट

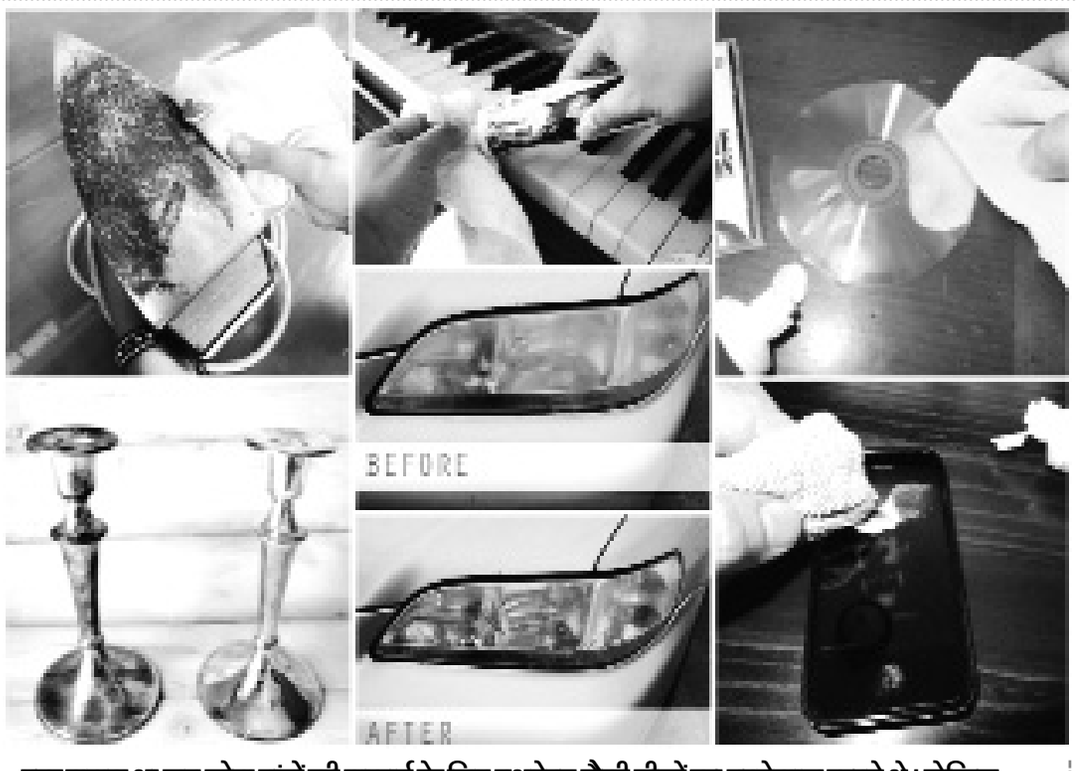

दांतों की सफाई के अलावा भी कई कामों के लिए काम की साबित हो सकता है टूथपेस्ट

एक समय था जब लोग दांतों की सफाई के लिए टूथपेस्ट जैसी चीजों का इस्तेमाल करते थे। लेकिन आजकल ज्यादातर लोग दांत चमकाने के लिए टूथपेस्ट यूज करते हैं। पर दांतों की सफाई के अलावा और भी कई कामों के लिए टूथपेस्ट बहुत काम की साबित हो सकती है। आप सोच रहे होंगे कैसे? तो आइए आपको बताते हैं टूथपेस्ट को दाग हटाने के लिए कैसे हटाया जा सकता है।

जूतों की करें टूथपेस्ट से सफाई

- चाहे किसी भी रंग के जूते खरीद लें एक समय के बाद शूज बहुत गंदे हो जाते हैं।
- शूज से गंदगी हटाने के लिए उन्हें बार-बार नहीं धोना चाहिए। ऐसा करने से रंग फीका होता है और क्वालिटी भी खराब हो जाती है।
- ऐसे में सवाल यह है कि जूतों की सफाई कैसे की जाए? आपको बता दें कि टूथपेस्ट की मदद से आप आसानी से जूते साफ कर सकते हैं।
- आपको बस जूते पर लगे दाग पर टूथपेस्ट लगानी है। इसके बाद साफ कपड़े से टूथपेस्ट को साफ करना है।
- ऐसा करने पर जूते काफी साफ हो जाते हैं।

फोन का कवर करें साफ

- फोन के कवर पर अक्सर कई चीजों के दाग लग जाते हैं। ऐसे में 2 से 3 मिनट के लिए टूथपेस्ट को कवर पर लगा दें।
- इसके बाद टूथपेस्ट को साफ कपड़े या टिशू से साफ करें। आप देखेंगे की फोन का कवर बहुत साफ हो चुका है।
- कवर के अलावा फोन पर लगे छोटे-मोटे स्कैच को भी टूथपेस्ट गायब कर देता है।

लिपस्टिक का दाग

- बहुत बार लाइट कलर के कपड़ों पर गलती से लिपस्टिक का दाग लग जाता है। ऐसा होने पर भी टूथपेस्ट यूज की जा सकती है।
- दाग पर टूथपेस्ट लगाएं और उसे किसी ब्रश की मदद से साफ करें।

टेबल पर लगे चाय के दाग

- चाय पीते वक्त हम कप को टेबल पर रख देते हैं जिससे चाय का दाग लग जाता है।
- ऐसे में अगर चाय का दाग टेबल से ना हटे तो आप टूथपेस्ट का इस्तेमाल करें।
- टूथपेस्ट लगाने से चाय का दाग छूमंतर हो जाता है।
- दीवारों पर लगे दाग
- पेंट करवाने के बाद कुछ दिनों तक दीवारें बहुत साफ-सुथरी नजर आती हैं।
- लेकिन एक समय के बाद दीवारों पर तरह-तरह के दाग लग जाते हैं।
- इन दागों से छुटकारा पाने के लिए इन पर टूथपेस्ट लगाएं और हल्के हाथ से मसलें।
- ऐसा करने पर दाग हट जाता है और दीवारे साफ लगती हैं।

डब्ल्यूपीएल के एलिमिनेटर में दिल्ली

- 2 बार की चैंपियन मुंबई बाहर, यूपी को 5 विकेट से हराया; मारिजान को 3 विकेट

वडोदरा । वडोदरा में खेले गए विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के आखिरी लीग मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने यूपी वारियर्ज को 5 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ दिल्ली ने डब्ल्यूपीएल के एलिमिनेटर के लिए क्वालिफाई कर लिया।

2 बार की चैंपियन मुंबई बाहर- दिल्ली की इस जीत से दो बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस टूर्नामेंट से बाहर हो गई। यूपी वॉरियर्ज आखिरी पायदान पर रही। दिल्ली ने 8 मैचों में 4 जीत और 4 हार के साथ 8 पॉइंट्स लेकर लीग स्टेज तीसरे नंबर पर खत्म किया। गुजरात जायंट्स दूसरे और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पहले स्थान पर रहकर पहले ही प्लेऑफ में पहुंच चुकी हैं।

यूपी 122 रन ही बना पाई

पहले बल्लेबाजी करते हुए यूपी वॉरियर्ज की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 122 रन ही बना सकी। टीम की कोई भी बल्लेबाज 30 रन का आंकड़ा नहीं छू सकी। दीप्ति शर्मा ने 24, सिमरन शेख ने 22 और शिखा पांडे ने नाबाद 23 रन बनाए। दिल्ली की ओर से मारिजान कैप ने 3 विकेट लिए। चिनेल हेनरी और श्री चरणी को 2-2 विकेट मिले, जबकि मिन्नू मणि ने 1 विकेट झटका।

वोल्वार्ट के 47 रन- 123 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की शुरुआत साधारण रही। लिजेल ली 10 और शेफाली वर्मा 29 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद लौरा वोल्वार्ट ने 47 और कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स ने 26 रन की पारी खेली। दिल्ली ने 18.4 ओवर में लक्ष्य हासिल कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। यूपी की तरफ से दीप्ति शर्मा ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए। शिखा पांडे, सोफी एकलस्टन, डिएंड्रा डॉटिन को एक-एक विकेट मिला।

करनाल के नायब सूबेदार ने रोइंग चैंपियनशिप में जीता गोल्ड

7 मिनट 12 सेकेंड में क्लियर की रोइंग रेस, 18 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया

करनाल (एजेंसी)। इंडियन आर्मी में नायब सूबेदार और पेरिस ओलिंपिक में डेब्यू करने वाले कैमला गांव के बलराज पंवार ने एक बार फिर प्रदेश का नाम नेशनल लेवल पर रोशन किया है। बलराज ने सीनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता। इस चैंपियनशिप में बलराज ने 7 मिनट 12 सेकेंड में 2000 मीटर की रेस क्लियर की। बलराज ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी इस उपलब्धि की जानकारी सांझा की।

बीती 27 जनवरी से 1 फरवरी तक पुणे में सीनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप हुई। इस चैंपियनशिप में बलराज ने भी अपना दमखम दिखाया और गोल्ड मेडल पर कब्जा किया। गोल्ड मेडलिस्ट बलराज पंवार ने मीडिया से बातचीत में बताया कि पुणे में आयोजित रोइंग चैंपियनशिप में 18 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। जिसमें मेरी टाइमिंग 7 मिनट 12 सेकेंड की रही है।

भारत के खिलाफ मैच खेलने से मना करना

पाकिस्तान पर भारी पड़ सकता है

- ग्रुप-स्टेज में ही बाहर होने का खतरा

आईसीसी बैन लगा सकता है, भविष्य में मेजबानी मिलनी मुश्किल

नईदिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने टी-20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ मैच खेलने से मना कर दिया। पाकिस्तान सरकार ने रविवार को कहा कि उनकी टीम टूर्नामेंट खेलेगी, लेकिन भारत से नहीं भिड़ेगी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने कहा कि पीसीबी अपने फैसले पर फिर से विचार करे।

ग्रुप स्टेज से बाहर होने का खतरा- आईसीसी की प्लेइंग कंडीशन के मुताबिक मैच बॉयकॉट करने से पाकिस्तान का ही रन रेट खराब होगा। 16.10.7 क्लॉज में बताया है कि पाकिस्तान के 20 ओवर में 0 रन होंगे। जबकि भारत का एक भी ओवर काउंट नहीं होगा। इससे पाकिस्तान का रन रेट बाकी मैच जीतकर भी निगेटिव में जा सकता है। ग्रुप-ए में भारत और पाकिस्तान के अलावा नामीबिया, नीदरलैंड और अमेरिका की टीमें हैं। पाकिस्तान अगर 3 में से एक भी मैच हार गई तो टीम ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो जाएगी। अमेरिका तो पिछले वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को हराकर ग्रुप स्टेज में ही बाहर भी कर चुका है। नीदरलैंड भी आईसीसी टूर्नामेंट में बड़े उलटफेर करते आई है।

वर्ल्ड कप से बैन कर सकता है आईसीसी

आईसीसी ने पाकिस्तान को अपने फैसले पर फिर से विचार करने के लिए कहा है। वर्ल्ड बॉडी अब पीसीबी से पूछेगा कि उसने बॉयकॉट क्यों किया? अगर पाकिस्तान ने संतोषजनक जवाब नहीं दिया तो आईसीसी उसे इसी वर्ल्ड कप से बैन भी कर सकता है। इससे पहले भी 5 टीमें वर्ल्ड कप में मैच का बॉयकॉट कर चुकी हैं।

पीएसएल को एनओसी नहीं मिलेगी- पाकिस्तान इस मामले में सुरक्षा कारणों का हवाला नहीं दे सकता, क्योंकि टीम अपने सभी मैच भारत की बजाय श्रीलंका में खेलने वाली है। पीसीबी ने अगर बांग्लादेश को सपोर्ट करने का कारण दिया तो भी आईसीसी एक्शन ले सकता है क्योंकि आईसीसी ने पहले ही पीसीबी को धमकी दे दी थी कि अगर बांग्लादेश को सपोर्ट किया तो पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) को नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) नहीं मिलेगा।

नॉकआउट स्टेज में भारत सामने आया तो क्या करेगा पाकिस्तान?

पाकिस्तान ने ग्रुप स्टेज में तो भारत के खिलाफ खेलने से मना कर दिया, लेकिन बोर्ड ने यह साफ नहीं किया कि नॉकआउट में अगर टीम इंडिया सामने आई तो टीम खेलेगी या नहीं? आईसीसी के सूत्रों ने दैनिक भास्कर को बताया कि पाकिस्तान से जवाब मांगा जाएगा। अगर कारण संतोषजनक नहीं रहा तो पीसीबी पर सख्त एक्शन लिया जाएगा।

पाकिस्तान टीम के कप्तान सलमान अली आगा ने पीसीबी के फैसले पर कहा, हम बस वर्ल्ड कप खेलना चाहते हैं। सरकार ने अगर किसी टीम के खिलाफ खेलने के लिए मना कर दिया तो हम उसका पालन करेंगे। हम टूर्नामेंट में अपना 100 प्रतिशत खेल दिखाने पर फोकस कर रहे हैं।

आईसीसी से मेजबानी मिलना मुश्किल- पाकिस्तान ने 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी की थी। देश को 29 साल बाद किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी मिली थी। आईसीसी अब पाकिस्तान को भविष्य में मिलने वाली मेजबानी से भी हटा सकता है क्योंकि भारत-पाकिस्तान मैच से आईसीसी की कमाई बढ़ती। अब मैच नहीं होगा, इससे आईसीसी का रेवेन्यू कम हो सकता है। इस नुकसान की भरपाई के लिए आईसीसी अब पाकिस्तान को मिलने वाले सालाना रेवेन्यू शेयर को भी घटा सकता है।

सिंधु-साइना के एलीट क्लब में शामिल हुई देविका

- बैडमिंटन में उपलब्धि, सिहाग ने जीता थाईलैंड मास्टर्स

बैंकॉक (एजेंसी)। भारत की 20 वर्षीय उभरती शटलर देविका सिहाग ने रविवार को थाईलैंड मास्टर्स 2026 में इतिहास रच दिया। बैंकॉक में खेले गए फाइनल मुकाबले में उन्होंने मलेशिया की गो जिन वेई को हराकर अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 खिताब जीता। देविका ने पहला गेम 21-8 के बड़े अंतर से जीता। दूसरे गेम में जब वे 6-3 से आगे चल रही थीं, तभी मलेशियाई खिलाड़ी को चोट के कारण रिटायर होना पड़ा और देविका को विजेता घोषित कर दिया गया। देविका ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी गेम नहीं गंवाया। उन्होंने हर मैच सीधे सेटों में जीता। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने टूर्नामेंट की नंबर-1 सीड सुपनिदा को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। इस जीत के साथ देविका सुपर 300 खिताब जीतने वाली भारत की सिर्फ तीसरी महिला खिलाड़ी बन गई हैं। इससे पहले यह उपलब्धि केवल पीवी सिंधु और साइना नेहवाल के नाम थी। देविका ने कहा-मैं बेहद खुश हूं क्योंकि यह मेरा पहला सुपर 300 खिताब है। मैंने यहां बहुत अच्छे मैच खेले और काफी कुछ सीखा है। मैं सिर्फ अपना 100 प्रतिशत देना चाहती थी। इसी सोच ने मुझे आत्मविश्वास दिया।

- पाकिस्तान को 58 रन से हराया, वेदांत की फिफ्टी, आयुष म्हात्रे और खिलन पटेल को 3-3 विकेट

भारत अंडर-19 वर्ल्डकप के सेमीफाइनल में पहुंचा

बुलवायो (एजेंसी)। भारत ने अंडर-19 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। टीम ने पाकिस्तान को 58 रन से हरा दिया। जिम्बाब्वे के बुलवायो में खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 252 रन का स्कोर खड़ा किया। वेदांत त्रिवेदी ने 68 रन की पारी खेली। पाकिस्तान को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए 253 रन का लक्ष्य 33.3 ओवर में हासिल करना था। टीम 46.2 ओवर में 194 रन ही बना सकी।

भारत का मुकाबला अफगानिस्तान से- अंडर-19 वर्ल्ड कप के दूसरे सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला अफगानिस्तान से होगा। मैच 4 फरवरी को दोपहर 1 बजे से हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेला जाएगा। वहीं पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड आमने-सामने होंगे। मैच 3 फरवरी को दोपहर 1 बजे से बुलवायो में खेला जाएगा।

वेदांत ने फिफ्टी लगाई- वेदांत त्रिवेदी ने 68 रन बनाकर टीम को 200 के करीब पहुंचाया। वैभव सूर्यवंशी 22 गेंद पर 30 रन ही बना सके। कप्तान आयुष म्हात्रे खाता भी नहीं खोल पाए। आखिर में कनिष्क चौहान और खिलन पटेल ने फिफ्टी पार्टनरशिप कर स्कोर 250 के पार पहुंचा दिया। पाकिस्तान से अब्दुल सुभान ने 3 और मोहम्मद सय्याम ने 2 विकेट लिए।

प्लेयर ऑफ द मैच कनिष्क चौहान बने

भारत की जीत के हीरो कनिष्क चौहान रहे। ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। कनिष्क ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 29 गेंदों में 35 रन की तेज पारी खेली। इसके बाद बॉलिंग करते हुए उन्होंने 10 ओवर में एक मेडेन फेंकते हुए 30 रन दिए। कनिष्क ने विकेटकीपर हमजा जुहूर को 42 रन पर आउट किया।

हरियाणा का कनिष्क पाक के खिलाफ मैन ऑफ द मैच

मां बोलीं- कहा था धुम्मे ठावेगा; आईपीएल भी खेलेंगे

हरियाणा में झज्जर के रहने वाले कनिष्क चौहान ने अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ हुए मैच में मैन ऑफ द मैच का खिताब जीता। रविवार रात को कनिष्क के कुलाना गांव में आतिशबाजी की गई।जिम्बाब्वे में चल रहे वर्ल्ड कप मैच में रविवार को कनिष्क ने पाकिस्तान के खिलाफ 29 गेंदों पर 35 रन बनाए और एक विकेट भी लिया। बेटे को मैन ऑफ द मैच का खिताब मिलने के बाद मां ने कहा कि हमें तो पहले ही पता था कि वो धुम्मा ठावेगा (कुछ खास करके दिखाएगा)।9 फरवरी को कुलाना गांव में कनिष्क का स्वागत समारोह रखा गया है। इसी दिन रात को परिवार की तरफ से जागरण भी कराया जाएगा।कनिष्क चौहान ऑलराउंडर हैं। इस बार वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम में खेलेंगे। कनिष्क को आरसीबी ने 30 लाख रुपए के बेस प्राइस में टीम में शामिल किया है।

- **मां बोलीं- बेटे की उपलब्धि पर गर्व-** कनिष्क की मां सरिता चौहान ने कहा कि बेटे की इस उपलब्धि पर उन्हें बेहद गर्व महसूस हो रहा है। पाकिस्तान के खिलाफ कनिष्क चौहान ने दूसरी बार सही मौके पर बेहतरीन प्रदर्शन किया और मैन ऑफ द मैच का खिताब जीता। रात में बेटे से बात करने के बाद ही उन्हें नींद आई। बेटे ने जीत और खिताब मिलने की खुशी परिवार के साथ शेयर की।

ओलिंपियन के लग्न टीके में 500 किलो देसी घी के पकवान

झज्जर में पिता के दोस्त की बेटी संग शादी करेंगे; दुल्हन यूपीएससी की तैयारी कर रही

झज्जर (एजेंसी)। झज्जर के रहने वाले ओलिंपियन पहलवान दीपक पूनिया कल, 3 फरवरी को विवाह के बंधन में बंधने जा रहे हैं। झज्जर शहर के धनखड़ फार्म हाउस में लग्न टीके (तिलक) का कार्यक्रम हुआ। दीपक के पिता सुभाष पूनिया ने बताया कि लंच में 500 लीटर देसी घी के अलग-अलग पकवान तैयार किए गए।

दीपक पूनिया सेना में सूबेदार हैं। वह अपने पिता के दोस्त की बेटी शिवानी के साथ सात फेरे लेंगे। दीपक और शिवानी की 28 सितंबर 2025 को सगाई हुई थी। इसमें सिर्फ परिवार और करीबी लोग ही शामिल हुए। शिवानी संघ लोक सेवा आयोग (पीएससी) की तैयारी कर रही हैं, उनका आईएएस अफसर बनने का सपना है।

शिवानी के पिता प्रॉपर्टी डीलर, अखाड़े में हुई जान-पहचान- दीपक के पिता सुभाष पूनिया ने बताया कि शिवानी के पिता अनूप सिंह प्रॉपर्टी का काम करते हैं। जब दीपक अखाड़े में प्रैक्टिस करने जाता था, वहीं अनूप सिंह से मुलाकात हुई। कई बार मुलाकातें हई और 2020 में दोस्ती हो गई। जब बेटे के लिए रिश्ते आने लगे तो मैंने अनूप से कहा कि अपना बेटा है, आपकी बेटी है, क्यों न दोस्ती को रिश्तेदारी में बदल लें। अनूप ने तुरंत हां कर दी।

शिवानी एमए-बीएड, आगे भी तैयारी कर रही- शिवानी ने रोहतक के जाट कॉलेज से इंग्लिश ऑनर्स से एमए किया है। इसके अलावा उन्होंने बीएड की। अब एमएड की तैयारी है। साथ ही पीएससी की भी तैयारी कर रही हैं। सुभाष का कहना है कि शिवानी हमारी बहू ही नहीं बेटी जैसी है, वो जितना चाहे पढ़े।

शिवानी बोलीं- दोनों परिवारों की रजामंदी से हुआ रिश्ता- रिंग सेरेमनी के बाद एक इंटरव्यू में शिवानी ने बताया था कि मेरा खेलों से कोई नाता नहीं रहा है। मैं शुरू से ही पढ़ाई में ध्यान रखती आई हूं। अब मेरा लक्ष्य डूर अफसर बनने का है। इसके लिए सेल्फ स्टडी कर रही हूं। मेरे पापा दीपक के पिता के साथ 5-6 साल से साथ में काम कर रहे हैं।

81 साल की सुमनर बोलीं- शुरुआत करने में कभी देर नही होती

- दोनों हाथ में गठिया, फिर भी 3 मिनट 'डेड हैंग', बनाया विश्व रिकॉर्ड

कोलोराडो (एजेंसी)। कोलोराडो 7 उम्र सिर्फ एक नंबर है, यह साबित किया है 81 साल की बुजुर्ग महिला बोनी सुमनर ने। 2023 में पति मार्क के निधन के बाद वे अकेली पड़ गई थीं। गम में डूबने की बजाय उन्होंने खुद को मजबूत किया। फरवरी 2024 में जिम जाना शुरू किया। जुलाई में 'डेड हैंग' के बारे में पढ़ा। पहली बार में 21 सेकंड तक डेड हैंग किया।

आमतौर पर 40-50 साल के लोग पहली बार में 5 से 10 सेकंड ही टिक पाते हैं। बोनी को आर्थ?राइटिस है। दोनों हाथों में दर्द रहता है। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने हर बार पिछली बार से 3 सेकंड ज्यादा डेड हैंग का लक्ष्य रखा। फरवरी 2025 तक वे 2 मिनट का समय पार कर चुकी थीं। 3 मिनट 3 सेकंड तक डेड हैंग कर उन्होंने वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया।

टी-20 वर्ल्ड कप के वॉर्मअप मैचों का शेड्यूल जारी

भारतीय टीम साउथ अफ्रीका से खेलेगी, बीसीसीआई ने इंडिया ए की टीम भी जारी की

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप के वॉर्मअप मैचों का शेड्यूल जारी हो गया है। ये मुकाबले 2 से 6 फरवरी के बीच खेले जाएंगे। वॉर्मअप मैच 7 अलग-अलग मैदानों पर खेले जाएंगे।

इंग्लैंड की टीम वॉर्मअप मैचों में हिस्सा नहीं लेगी। जबकि, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज जैसी बड़ी टीमें एक-एक मैच ही खेलेंगी।

भारतीय टीम भी एक वॉर्मअप मैच खेलेगी। जोकि साउथ अफ्रीका के खिलाफ 4 फरवरी को मुंबई के ष्ठङ्क पाटील स्टेडियम में खेला जाएगा। शेष 2 वॉर्मअप मैच में इंडिया ए की टीम उतरेगी।

अफगानिस्तान और स्कॉटलैंड में पहला मैच

वॉर्मअप मैचों की शुरुआत अफगानिस्तान और स्कॉटलैंड के मैच के साथ होगी। यह मुकाबला बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के मैदान-1 में खेला जाएगा। दूसरी ओर मुंबई के डीबाय पाटील स्टेडियम में इंडिया ए की टीम यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका (यूएसए) के साथ खेलेगी। पहले दिन कनाडा और इटली का मैच चेन्नई में खेला जाएगा।

7 फरवरी से होगी वर्ल्ड कप की शुरुआत

टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 7 फरवरी को कोलंबो में नीदरलैंड और पाकिस्तान के मैच से होगी। जबकि भारत का पहला मैच अमेरिका के साथ मुंबई में खेला जाएगा। फाइनल मैच 8 मार्च को खेला जाएगा। इस मैच का वेन्यू पाकिस्तान के फाइनल पहुंचने या न पहुंचने पर तय होगा।

GOVERNMENT OF HIMACHAL PRADESH
JAL SHAKTI VIBHAG

"NOTICE INVITING e-TENDER"

The Executive Engineer, Jal Shakti Division, Solan invites e-tender on behalf of Governor of Himachal Pradesh from approved eligible contractors/firms for the following work through e-tendering process:

Sr. No.	Name of work.	Estimated cost.	Earnest Money.	Time of Completion.	Cost of form.	Last date of filing/ uploading the tender through e-tendering upto
1.	Providing Effluent Treatment Plant for District Ayurvedic Hospital Solan Tehsil & Distt. Solan HP	31,76,960/-	63,550/-	Six month	1500/-	13.02.2026 upto 11:00
2.	Providing and Installation of 1 No. India mark-III (65 mm) and India mark-II (32mm) deepwell hand pump at HPTDC Chail Palace Tehsil Kandaghat Distt. Solan. (SH:- Drilling by DTH/ ODEX percussion/ Calyx/ RC portable rigs 138 metres deep & its energisation).	8,50,675/-	17,050/-	One month.	500/-	
3.	Providing WSS to PC habitation in GP Dharot and Basal in Solan Constituency Tehsil & Distt. Solan. Under JJM (SH:- C/O RCC Storage tanks and supply & erection of submersible pump set with allied accessories, Laying & jointing of rising main and gravity main at village Masri).	6,27,826/-	12,600/-	One month	500/-	

The tender forms and other detailed can be obtained from website **https://jsv.hp.nic.in**
HIMSUCHNA AVAM JANSAMPARK

R.No. 6056/2025-2026

Executive Engineer,
Jal Shakti Division, Solan

न्यूज डायरी

सेक्टर 37 तथा 38 की समस्याओं को लेकर डिप्टी कमिश्नर से की मुलाकात

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। सेक्टर 37 तथा 38 के निवासियों को पेश आ रही विभिन्न समस्याओं को लेकर चंडीगढ़ कांग्रेस के महासचिव और सचिव ने चंडीगढ़ के डिप्टी कमिश्नर से मुलाकात की और इन समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम उठाने की अपील की।

सोमवार को चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव बीएम खन्ना और सचिव मनीष लांबा ने आज डिप्टी कमिश्नर चंडीगढ़ नितिन यादव से मुलाकात की और सेक्टर 37 तथा 38 में चल रही विभिन्न समस्याओं के तुरंत समाधान के लिए अनुरोध किया।

डिप्टी कमिश्नर नितिन यादव ने इस पर जल्द ही एक्शन लेने और समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने भविष्य में भी किसी प्रकार की समस्याओं के निवारण का आश्वासन दिया।

41वीं राज्य स्तरीय पशु प्रदर्शनी का आयोजन 6 से 8 फरवरी को कुरुक्षेत्र में

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। उपनिदेशक पशुपालन एवं डेयरिंग विभाग पंचकूला डॉ. रणजीत सिंह जादौन ने बताया कि पशुपालन एवं डेयरी विभाग, हरियाणा द्वारा 6 से 8 फरवरी तक तीन दिवसीय 41वीं राज्य स्तरीय पशु प्रदर्शनी का आयोजन कुरुक्षेत्र डेवलपमेंट बोर्ड, मेला ग्राउंड, कुरुक्षेत्र में किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में पशुओं की 53 उत्कृष्ट नस्लों को प्रदर्शित किया जायेगा। उत्कृष्ट नस्लों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले पशुओं के पशुपालकों को राज्य सरकार द्वारा इनाम दिया जायेगा और सांत्वना पुरस्कार भी दिया जायेगा। पशुपालन विभाग द्वारा कुल 50 लाख तक के इनाम 53 प्रकार की पशुओं की केटेगरी में अजीतने वाले पशुपालकों को वितरित की जाएगी।

इसके साथ ही पशु प्रदर्शनी में पशुओं की भागीदारी हेतु पशुपालकों को विभाग द्वारा किराया दिया जायेगा। इसके अतिरिक्त प्रतिदिन लकी ड्रा द्वारा 3 -3 किसानों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय इनाम के तौर पर बूलट मोटरसाइकिल, स्कूटी तथा मिलकिंग मशीन दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि तीन दिवसीय राज्य स्तरीय प्रदर्शनी के अवलोकन हेतु पशुपालन एवं डेयरी विभाग, हरियाणा द्वारा पंचकूला जिले से प्रतिदिन 7-7 बसों का संचालन निशुल्क किया जायेगा। जिला के सभी पशुपालक पशु प्रदर्शनी में उत्कृष्ट नस्ल के पशुओं की भागीदारी के लिए अपने नजदीकी राजकीय पशु चिकित्सालयअ/औषधालय में सम्पर्क कर सकते हैं। उन्होंने सभी पशुपालकों एवं आमजन से पशु प्रदर्शनी में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेने की अपील की।

उपायुक्त ने समाधान शिविर में सुनी जिलावासियों की समस्याएं

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने समाधान शिविर में आज गांव सेहत भोज नगल मोरनी ब्लॉक के प्रेम सिंह की पेयजल समस्या को लेकर जनस्वास्थ्य एंव अभियंत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता को तुरंत मौके का मुआयना कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

श्री सतपाल शर्मा ने गांव थापली के गोपाल की बारिश के कारण लौहे के बेरिकेड टूटने व घर को नुकसान होने को लेकर रिटेनिंग वॉल लगाने की मांग पर संबंधित अधिकारी को जल्द से जल्द मौके का मुआयना कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर में आज जिलावासियों की समस्याएं सुन रहे थे। उन्होंने आज 9 लोगों की अलग अलग समस्याएं सुनी। कुछ का मौके पर समाधान किया बाकि के लिए संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द समाधान के निर्देश दिए।

डीसी ने बताया कि समाधान शिविर का आयोजन हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सैनी के निर्देशानुसार लघु सचिवालय के सभागार में सोमवार से वीरवार कार्य दिवस के दिन प्रातः 10 बजे से 12 बजे आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री स्वयं समाधान शिविर से जुडते है और लोगों की समस्याओं व उनके समाधान की मोनिटरिंग करते है। उन्होंने सभी अधिकारियों को बिना विलंब किए जिलावासियों की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने लोगों से भी समाधान शिविर में आकर अपनी समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करवाने की अपील की।

इस अवसर पर जिला विकास एवं खंड अधिकारी विशाल पराशर, सीएम विंडो के एमीनेंट पर्सन सत्यवान भारद्वाज, नीरज चैधरी, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, शिक्षा विभाग, वन विभाग, मत्स्य विभाग, जनस्वास्थ्य एवं अभियंत्रिकी, पीएमडीएम, स्वास्थ्य व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

आदर्श पब्लिक स्कूल के स्कूल कैंपस में बिना आग के खाना पकाने की प्रतियोगिता आयोजित की गई

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। आदर्श पब्लिक स्कूल (APS-20) सेक्टर-20B चंडीगढ़ के स्कूल कैंपस में बिना आग के खाना पकाने की प्रतियोगिता आयोजित की गई।

कक्षा 6वीं, 7वीं और 8वीं के छात्रों ने अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए इस प्रतियोगिता में उत्साह से भाग लिया।

बिना गैस या आग का इस्तेमाल किए। प्रतियोगिता का लक्ष्य बिना गैस और आग के क्रिएटिविटी को बढ़ावा देना था।

हमारे युवा शेफ ने स्वादिष्ट केक, क्रीम रोल, लड्डू, मूस, स्मूदी, ताज़ा जूस, ताज़ा सब्ज़ी और फलों के सलाद तैयार किए।

सब कुछ बिना आग के तैयार किया गया था। प्रिंसिपल सुनीता ठाकुर ने प्रतिभागियों की प्रतिभा की सराहना की और उन्हें प्रोत्साहित किया। प्रतियोगिता के विजेता वाणी, प्रांजल, आरोजी, आरव कुमार, एवलीन और नायरा थे।

पशु-पक्षियों के संरक्षण में जनभागीदारी जरूरी-राव नरबीर सिंह

राव नरबीर सिंह ने प्रथम हरियाणा पक्षी उत्सव-2026 के पोस्टर का किया विमोचन

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा के पर्यावरण, वन और वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि पशु-पक्षियों का आदिकाल से हमारे जीवन में विशेष महत्व रहा है। देवी-देवताओं का भी पशु-पक्षियों से गहरा संबंध रहा है, जो हमारी धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतीक है। इनके संरक्षण के लिए सरकारी प्रयासों के साथ-साथ जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है।

राव नरबीर सिंह आज विश्व आर्द्रभूमि दिवस के अवसर पर पंचकूला में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने 2 फरवरी से 21 फरवरी तक प्रदेश में आयोजित होने वाले प्रथम हरियाणा पक्षी उत्सव-2026 के पोस्टर का विमोचन किया तथा उत्सव के दौरान होने वाली विभिन्न गतिविधियों के कैलेंडर का लोकार्पण कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया।

राव नरबीर सिंह ने कार्यक्रम के शीर्ष वाक्य "आर्द्रभूमियां और पारंपरिक ज्ञान-प्रकृति एवं संस्कृति का उत्सव" की सराहना करते हुए कहा कि हरियाणा में सुल्तानपुर (गुरुग्राम) और भिंडावास (झज्जर) दो प्रमुख वेटलैंड हैं, जहां हर वर्ष हजारों प्रवासी पक्षी विभिन्न देशों से आते हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के दौरान कुछ प्रजातियां विलुप्त होने के कगार पर पहुंच गई थीं, लेकिन सरकार का प्रयास है कि वेटलैंड्स पर आने वाले पक्षियों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि हर वर्ष अधिक संख्या में प्रवासी पक्षी यहां आएं।

उन्होंने बताया कि गुरुग्राम के बसई, चंदू तथा आसपास के तीन-चार गांवों में हजारों एकड़ भूमि पर जलभराव रहता है। इनमें से 200-300 एकड़ क्षेत्र में झील विकसित कर उसे पर्यटन स्थल के रूप में बदला जा सकता है, जिससे दिल्ली-एनसीआर के लोग भ्रमण के लिए आ सकेंगे और क्षेत्र को पॉलिथीन व प्लास्टिक से भी निजात मिलेगी।

वन मंत्री ने कहा कि हरियाणा में सिंगल-यूज प्लास्टिक और पॉलिथीन के निर्माण पर वर्ष 2013 से प्रतिबंध है, लेकिन इसके बावजूद इनका प्रयोग हो रहा है। इस कानून की सफलता जनभागीदारी के बिना संभव नहीं है। उन्होंने लोगों से सिंगल-यूज प्लास्टिक व पॉलिथीन का उपयोग न करने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

उन्होंने बताया कि पॉलिथीन जलाने से जहरीली गैसें निकलती हैं, जो वातावरण को प्रदूषित करती हैं, जबकि जमीन में दबाने पर इसे गलने में लगभग 450 वर्ष लग जाते हैं। साथ ही यह शहरों की सीवरेज लाइनों की जल निकासी को भी प्रभावित करती है। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि उनका लक्ष्य पॉलिथीन-मुक्त हरियाणा बनाना है, जिसके लिए जन-सहयोग अनिवार्य है। उन्होंने यह भी कहा कि लगभग 40 प्रतिशत प्रदूषण पॉलिथीन के प्रयोग से होता है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा वेटलैंड अथॉरिटी और तालाब प्राधिकरण का गठन किया गया है। जोहड़ों और तालाबों के जल को स्वच्छ बनाने के लिए स्थानीय लोगों की भागीदारी बेहद जरूरी है।

इस अवसर पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) विवेक सक्सेना ने विश्व आर्द्रभूमि दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसकी शुरुआत वर्ष 1975 में हुई थी। उन्होंने कहा कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है, इसी संदेश को देने के लिए हर वर्ष नई थीम के साथ यह दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम "आर्द्रभूमियां और पारंपरिक ज्ञान-प्रकृति एवं संस्कृति का उत्सव" रखी गई है।

संत शिरोमणि गुरु रविदास के नाम पर पंजाब के आदमपुर एयरपोर्ट का नामकरण प्रधानमंत्री का ऐतिहासिक फैसला- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के आदमपुर एयरपोर्ट का नामकरण संत शिरोमणि गुरू रविदास जी के नाम से किए जाने पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने यह ऐतिहासिक फैसला लिया है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी सोमवार को नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

इस दौरान उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए बड़े गर्व का विषय है कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती के पावन अवसर पर भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने आदमपुर एयरपोर्ट को श्री गुरु रविदास महाराज जी एयरपोर्ट का नाम दिया। यह नामकरण श्री गुरु रविदास महाराज जी के अमर आदर्शों को सच्ची श्रद्धांजलि है। उनके द्वारा दिए गए समता, करुणा और सेवा के मूल्य आज भी समाज को प्रेरित करते हैं और हमें एक समरस, न्यायपूर्ण तथा मानवीय समाज के निर्माण की दिशा में मार्गदर्शन देते हैं। यह पहल उनके महान विचारों को सम्मान देने के साथ-साथ भावी पीढ़ियों को भी उनके संदेश से प्रेरणा लेने का अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि यह पहल यह भी दर्शाती है कि हमारा राष्ट्र उन महापुरुषों को निरंतर स्मरण करता है जिन्होंने समाज को दिशा देने का कार्य किया।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी निरंतर देश के बड़े संस्थानों का नाम संत-महापुरुषों के नाम से कर रहे हैं, जो संत-महापुरुषों को सच्ची श्रद्धांजलि है। पिछले दिनों अयोध्या एयरपोर्ट का नाम भी महर्षि वाल्मीकि के नाम से रखा गया था। इसी तरह से हिसार एयरपोर्ट का नाम महाराजा अग्रसेन के नाम से रखा गया है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस बार का आम बजट समाज के हर वर्ग को ध्यान में रखकर पेश किया गया है। इस बजट में हरियाणा को विशेष स्थान दिया गया है। बजट में सेम की समस्या से ग्रसित जमीन की बात की गई, एमएसएमई, इंडस्ट्री और एआई को विशेष स्थान दिया गया, जिसका लाभ सीधे हरियाणा को मिलेगा। उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार 55 साल सत्ता में रही लेकिन ऐसा बजट पेश नहीं कर पाई। यह बजट महिलाओं को सशक्त करने वाला है। यह युवाओं को रोजगार देने वाला है।

कवितावली के फरवरी 2026 अंक का अनावरण अभिनेता संजय मल्होत्रा ने किया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। बसंत ऋतु के शुभ आगमन का संदेश देती हुई पत्रिका कवितावली के फरवरी 2026 का अंक जो हमारी शाश्वत परंपरा का वाहक बनकर आपके समक्ष संवेदनात्मक वैभव और काव्य चेतना की अक्षय ज्योति को प्रज्वलित करेगा। ऐसे शुभ अंक का अनावरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध अभिनेता, निर्देशक और निर्माता संजय मल्होत्रा के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ।

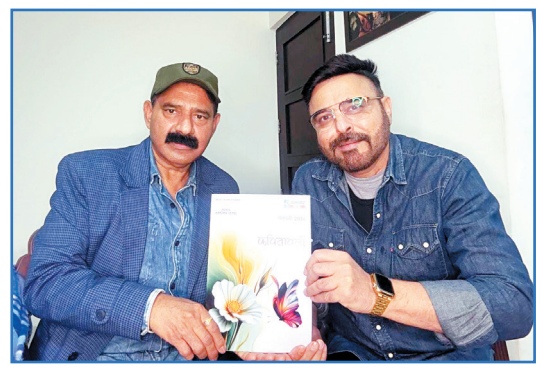

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ऑनलाइन माध्यम से साहित्यकारों को जोड़ने वाले आयोजक, ग्रेट ब्रिटेन से पत्रिका के मुख्य संपादक डॉ. सुरेश पुष्पाकर जी ने कहा कि संजय मल्होत्रा उन विरले कलाकारों में से हैं जिन्होंने कैमरे के सामने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया और कैमरे के पीछे भी कहानी कहने की कला को एक नई ऊंचाई प्रदान की। संजय मल्होत्रा तकनीक और भावना के बीच अद्भुत संतुलन रखते हैं उनकी फिल्मों में एक गहरा अनुभव और सामाजिक संवेदना होती है।

मुख्य अतिथि संजय मल्होत्रा ने अनावरण करते हुए कवितावली पत्रिका की साज- सज्जा, चित्रकारी और इनमें प्रकाशित रचनाओं की भरपूर प्रशंसा की। इस अनावरण के शुभ अवसर पर देश- विदेश से अनेक रचनाकार जुड़े रहे। संपादकीय मंडल से डॉ विजय कपूर, ईनू शर्मा, कमल अरोड़ा, डॉ संतोष गर्ग, निर्लेप होरा, डॉ कृष्णा गोयल, गणेश दत्त बजाज, मंजूषा राजाभोज, नीरज तंवर, मुस्कान सहगल आदि रचनाकार भी जुड़े रहे। कार्यक्रम के दूसरे चरण में कविताओं के माध्यम से सभी रचनाकारों ने समाज को संवेदनात्मक संदेश दिए। प्रसिद्ध साहित्यकारा डॉ निर्मल सूद ने कहा कि थोड़ी खुशियां जेब में भरकर निकलो, आंसू पोंछ दुखियों के, हौले से हंसी थमा दो। निर्लेप होरा ने गीत के माध्यम से कहा कि यूं किसी का दिल जलाना अच्छी बात नहीं।।

लंबे समय से लंबित प्रमुख रेल सेवाओं की बहाली का मुद्दा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने सदन में उठाया

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। राज्यसभा सांसद श्री कार्तिकेय शर्मा ने आज सदन में विशेष उल्लेख के माध्यम से क्षेत्रीय संपर्क और यात्रियों की सुविधा से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण रेल सेवाओं के शीघ्र पुनः संचालन की आवश्यकता को रेखांकित किया।

अपने वक्तव्य में श्री शर्मा ने कालका–बाड़मेर एक्सप्रेस का उल्लेख करते हुए कहा कि यह ट्रेन कालका, चंडीगढ़ एवं हिमाचल क्षेत्र को राजस्थान के प्रमुख शहरों से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण रेल सेवा रही है। यह मार्ग वर्षों से लाखों यात्रियों के लिए आवागमन का एक भरोसेमंद और सुलभ साधन रहा है।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार की रेल सेवाएं वरिष्ठ नागरिकों, उपचार हेतु यात्रा करने वाले मरीजों, विद्यार्थियों, नौकरीपेशा वर्ग और छोटे व्यापारियों के लिए विशेष रूप से उपयोगी रही हैं। इन ट्रेनों का पुनः संचालन स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और आर्थिक गतिविधियों तक सुगम पहुंच सुनिश्चित करने में सहायक होगा।

इसके अतिरिक्त, श्री शर्मा ने हिमालयन क्वीन, पश्चिम एक्सप्रेस तथा कालका से अमृतसर तक चलने वाली अमृतसर मेल जैसी अन्य महत्वपूर्ण रेल सेवाओं की उपयोगिता की ओर भी सदन का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि ये सेवाएं लंबे समय से सुरक्षित, किफायती और सुविधाजनक यात्रा का माध्यम रही हैं तथा क्षेत्रीय संपर्क को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही हैं।

सांसद कार्तिकेय शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया कि यात्रियों की सुविधा और संपर्क को प्राथमिकता देने की दिशा में रेल मंत्रालय के सतत प्रयासों के अंतर्गत इन सेवाओं के पुनः संचालन पर शीघ्र सकारात्मक विचार किया जाएगा। उन्होंने जनहित और क्षेत्रीय विकास को ध्यान में रखते हुए इन ट्रेनों के पुनः संचालन का अनुरोध किया।

यह विशेष उल्लेख सांसद श्री कार्तिकेय शर्मा की नागरिक-केंद्रित अवसंरचना और यात्रियों के दैनिक जीवन से जुड़े मुद्दों पर उनकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अवैध गतिविधियों पर सख्त शिकंजा, हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरो की वर्ष 2025 में रिकॉर्ड उपलब्धियां

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा राज्य एनफोर्समेंट ब्यूरों द्वारा अवैध खनन करने वालों पर शिकंजा करते हुए वर्ष- 2025 में 1264 मुकदमे दर्ज करते हुए 1286 आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है। इस अवधि के दौरान प्रवर्तन ब्यूरो की टीम द्वारा प्रदेश मे मिट्टी /रेत/बजरी का अवैध खनन करने को लेकर 6898 स्थानो पर छापेमारी की गई और 2637 वाहनो को मौके पर जब्त किया गया ।

विजन 2026: स्मार्ट, सख्त और संवेदनशील प्रवर्तन पर फोकस

पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने कहा कि वर्ष 2026 के लिए ब्यूरो का स्पष्ट दृष्टिकोण 'स्मार्ट, सख्त और संवेदनशील प्रवर्तन' पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि ब्यूरो को तकनीक आधारित, परिणामोन्मुख और पूर्णतः जवाबदेह इकाई के रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि अवैध खनन, बिजली चोरी, अवैध शराब, जल चोरी और शहरी विकास सम्बन्धी अवैध गतिविधियों पर निर्णायक प्रहार किया जा सके। वर्ष 2026 में राज्यभर में रियल-टाइम डेटा एनालिटिक्स, इंटर-डिपार्टमेंटल इंटेलिजेंस शेयरिंग और एकसाथ समन्वित कार्रवाई को और मजबूत किया जाएगा। श्री सिंघल ने कहा कि हरियाणा पुलिस का लक्ष्य केवल कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि कानून का भय और नियमों के प्रति सम्मान स्थापित कर एक सुरक्षित, अनुशासित और विकासोन्मुख हरियाणा का निर्माण करना है।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में अवैध खनन माफिया के खिलाफ अभियान

प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में ब्यूरो द्वारा अवैध गतिविधियों विशेष कर अवैध खनन के खिलाफ अभियान चलाया गया। इसी कड़ी में वर्ष- 2025 में अवैध खनन वाले भू-माफियो पर 19.84 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया जिसमे 9.57 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूल किया गया तथा बकाया जुर्माना वसूल करने की प्रक्रिया जारी है।

अवैध खनन मामलों में निरीक्षण, गिरफ्तारी और निस्तारण

अवैध गतिविधियों को रोकने के उद्देश्य के लिए गठित किए गए स्टेट एनफोर्समेंट ब्यूरो की टीम द्वारा वर्ष 2025 में खनन की 6898 साइटों का निरीक्षण किया गया। इस मामले में 1264 मामले दर्ज करते हुए 1286 लोगों की गिरफ्तारी करते हुए उनके विरुद्ध कार्रवाई की गई। इनमें से 1122 एफआईआर का निस्तारण किया जा चुका है।

परिवहन विभाग से जुड़ी अवैध गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई

हरियाणा राज्य एनफोर्समेंट ब्यूरों के प्रमुख नवदीप सिंह विर्क ने बताया कि ब्यूरो द्वारा वर्ष-2025 में 6 विभागों के संबंधित अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान चलाते हुए परिवहन विभाग के 18819 वाहनों की चैकिंग की गई जिनमें से 14111 वाहनों को जब्त किया गया। इन वाहनों पर 57.47 करोड़ रूपये से अधिक की राशि का जुर्माना लगाते हुए इन पर कार्यवाही की गई।

नवीन प्रशासनिक पहल से पंचकूला नगर निगम की कार्यप्रणाली में दिखने लगा सकारात्मक बदलाव

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। पंचकूला नगर निगम द्वारा हाल के दिनों में अपनाई गई सक्रिय, समयबद्ध एवं फील्ड-आधारित कार्यप्रणाली के सकारात्मक परिणाम अब शहर में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होने लगे हैं। नगर निगम प्रशासन के स्तर पर लिए जा रहे त्वरित निर्णयों एवं उनके प्रभावी क्रियान्वयन से नागरिक सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार दर्ज किया जा रहा है।

नगर निगम द्वारा स्वच्छता व्यवस्था, बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण तथा जन शिकायतों के त्वरित समाधान को प्राथमिकता देते हुए शहरभर में फोकस्ड कार्रवाई की जा रही है। नियमित फील्ड निरीक्षणों एवं तत्पर फॉलो-अप के माध्यम से निगम की जवाबदेही, संवेदनशीलता और नागरिक-केंद्रित प्रशासन की प्रतिबद्धता और मजबूत हुई है।

Before

After

शहरभर में फील्ड निरीक्षण और ऑन-स्पॉट निर्णय

नगर निगम प्रशासन द्वारा पंचकूला को स्वच्छ, सुव्यवस्थित एवं मॉडल शहर के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से विभिन्न सेक्टरों एवं गांवों में औचक निरीक्षण किए जा रहे हैं। इन निरीक्षणों के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जा रहे हैं, जिससे समस्याओं के समाधान में अनावश्यक विलंब से बचा जा सके।

झूरीवाला ट्रांसफर स्टेशन पर स्वच्छता में त्वरित सुधार

दिनांक 29 जनवरी 2026 को झूरीवाला ट्रांसफर स्टेशन के निरीक्षण के दौरान जमा कचरे को तत्काल हटाने के निर्देश दिए गए। निगम की त्वरित कार्रवाई के फलस्वरूप मात्र दो दिनों के भीतर कचरे का अधिकांश भाग हटाया गया, जिससे क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

सेक्टर-19A में सड़क निर्माण कार्य को मिली गति

30 जनवरी को सेक्टर-19A (आरयूबी के पास) सीसी रोड एवं पेवर ब्लॉक से संबंधित निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। कार्य में देरी एवं नागरिकों को हो रही असुविधा को गंभीरता से लेते हुए संबंधित एजेंसियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। वर्तमान में निर्माण कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है तथा इसे निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जा रहा है।

सेक्टर-2 में पार्क रखरखाव एवं दीवार मरम्मत कार्य आरंभ

सेक्टर-2 में टूटी हुई दीवार एवं ग्रीन बेल्ट के रखरखाव संबंधी प्राप्त शिकायतों के आधार पर निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के उपरांत पार्क की साफ-सफाई, सौंदर्यीकरण एवं दीवार मरम्मत के निर्देश दिए गए, जिसके परिणामस्वरूप संबंधित कार्य प्रारंभ कर दिए गए हैं।

सेक्टर-20 (कुंडी गांव) में कचरा एवं जलभराव पर त्वरित कार्रवाई

सेक्टर-20 के कुंडी गांव में नागरिकों से संवाद के दौरान कचरा जमा होने एवं जलभराव की समस्याएं संज्ञान में आईं। निगम प्रशासन द्वारा इसे प्राथमिकता पर लेते हुए संबंधित विभागों को मौके पर ही निर्देश दिए गए, जिसके बाद डंप साइट की सफाई का कार्य आरंभ किया गया है।

शैक्षिक भ्रमण द्वारा विद्यार्थियों को जमीनी स्तर की उद्यमिता से परिचित कराया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय के स्टार्ट-अप सेल एवं विकसित भारत अभियान समिति ने स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग के सहयोग से तथा संस्थान के नवाचार परिषद (आईआईसी) के तत्वावधान में मेहर बाबा चैरिटेबल ट्रस्ट, बस्सी पठाना, फतेहगढ़ साहिब, पंजाब का एक शैक्षिक भ्रमण आयोजित किया।

इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को जमीनी स्तर की उद्यमिता, सामाजिक नवाचार तथा महिलाओं के नेतृत्व में संचालित सतत आजीविका पहलों का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करना था। संवाद के दौरान विद्यार्थियों ने उन महिला कारीगरों से बातचीत की, जिन्हें परिधान निर्माण, फुलकारी कला, मशीन कढ़ाई, आरी एवं जरदोज़ी कढ़ाई तथा दरी/गलीचा निर्माण जैसे विविध बाज़ारोन्मुख कौशलों में प्रशिक्षण दिया गया है। विद्यार्थियों ने उत्पादन प्रक्रियाओं की प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त की और पारंपरिक हस्तकलाओं को आय-उत्पन्न करने वाले व्यवहार्य उद्यमों में परिवर्तित करने की प्रक्रिया को भी निकट से समझा। इस भ्रमण ने समावेशी विकास, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने में सामाजिक उद्यमिता के महत्व को भी रेखांकित किया तथा विद्यार्थियों को समुदाय-केंद्रित विकास मॉडलों के प्रति संवेदनशील बनाया। इस पहल की सराहना करते हुए कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती नीना शर्मा ने कहा कि ऐसे शैक्षिक भ्रमण क्लॉस रूम लर्निंग और वास्तविक जीवन की कार्यप्रणालियों के बीच की दूरी को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।